सांची एक्सप्रेस
61
साल से लगातार...
। जनपक्षीय पत्रकारिता।
देसी अंदाज
नया मिजाज

सांची एक्सप्रेस

1963 से लगातार आपकी सेवा में

epaper.theranchiexpress.com

वर्ष-02 अंक-119 कोलकाता, गुरुवार 27 जून 2024, संवत् 2079 पृष्ठ-12

मूल्य 3 रु.

सड़कें खराब हैं तो टोल टैक्स लेना गलत, लोग भड़केंगे ही

● सड़क और परिवहन मंत्री नितिन गडकरी की दो टूक, रखी अपनी बात

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी खराब सड़कों पर टोल वसूलने वालों पर खासे नाराज नजर आए। उनका कहना है कि अगर अच्छी सड़कें और सेवाएं मुहैया नहीं कराई जा रहीं, तो टोल टैक्स वसूलना गलत बात है। एक कार्यक्रम के दौरान उन्होंने टोल प्लाजा पर लगने वाली कतारों पर भी चिंता जाहिर की। हालांकि, खबरें हैं कि भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण यानी एनएचआई नई व्यवस्था के तहत टोल गेट्स हटाने की तैयारी कर रहा है। सैटेलाइट बेस्ड टोलिंग पर आयोजित वर्कशॉप में शामिल हुए गडकरी ने टोल टैक्स पर खुलकर

बात की। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, उन्होंने कहा, अगर आप अच्छी सेवाएं नहीं दे पा रहे हैं तो आपको टोल चार्ज नहीं करना चाहिए...। हम यूजर फीस लेने और अपने हितों की रक्षा के कारण टोलिंग करने में जल्दी में रहते हैं। जब किसी सड़क की स्थिति अच्छी नहीं होती, तो मेरे पास कई शिकायतें आती हैं और सोशल मीडिया पर कई पोस्ट हैं। उन्होंने कहा, आप जहां बहुत अच्छी क्वालिटी की रोड बना रहे हैं, वहां आपको यूजर फीस लेना चाहिए।

अगर आप गड्ढों, मिट्टी की सड़क पर टोल ले रहे हैं, तो आपको लोगों की नाराजगी का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय राजमार्ग एजेंसियों के अधिकारियों को टोल प्लाजा पर इंतजार करने वालों के 'दर्द' पर ध्यान देना चाहिए। साथ ही उन्होंने ऐसे मैकेनिज्म पर भी बात की, जिसके चलते शिकायत दर्ज कराने और उसे खत्म करने में कम से कम समय लगे। गडकरी ने यह भी कहा कि वैश्विक नेविगेशन उपग्रह प्रणाली पर आधारित इलेक्ट्रॉनिक टोल संग्रह लागू होने पर देश में कुल टोल संग्रह कम-से-कम 10,000 करोड़ रुपये बढ़ जाएगा। भारत में कुल टोल संग्रह सालाना आधार पर 35 प्रतिशत बढ़कर वित्त वर्ष 2023-24 में 64,809.86 करोड़ रुपये तक पहुंच गया था। इस महीने की शुरुआत में एनएचएआई ने राष्ट्रीय राजमार्गों पर उपग्रह-आधारित इलेक्ट्रॉनिक टोल संग्रह के कार्यान्वयन के लिए दुनियाभर से रुचि पत्र आमंत्रित किए हैं। इस कदम का उद्देश्य राजमार्गों पर भौतिक टोल बूथ को खत्म करना है।

शहर में घर बनाने का अब पूरा होगा सपना

ईडब्ल्यूएस को भी फायदा, मोदी सरकार ने बनाया प्लान

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के तहत बीते नौ साल में करीब 84 लाख घर बनकर तैयार हो चुके हैं और इन्हें लाभार्थियों को सौंपा जा चुका है। अब केंद्र सरकार ने इस योजना को विस्तार देने की योजना बनाई है। आवास एवं शहरी मामलों के मंत्रालय के सूत्रों ने बताया कि अगले महीने पेश होने वाले केंद्रीय बजट में शहरों में आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस), निम्न आय वर्ग (एलआईजी) और मध्यम आय वर्ग (एमआईजी) के लिए किफायती आवास योजना में बदलाव किए जाने की संभावना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में 10 जून को मंत्रिमंडल ने अपने तीसरे कार्यकाल के पहले फैसले में प्रधानमंत्री आवास योजना (पीएमएवाई) के तहत तीन करोड़ अतिरिक्त घरों को मंजूरी दी है।

यूएन में पाकिस्तान को फिर पड़ी भारत से कड़ी फटकार

● कश्मीर राग अलापने पर मिल गया मुंहतोड़ जवाब

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान की तरफ से बार-बार कश्मीर का मुद्दा उठाना जारी है। वहीं, भारत भी हार बार संयुक्त राष्ट्र यानी यूएन के मंच पर पड़ोसी मुल्क को मुंहतोड़ जवाब देता रहा है। भारत का कहना है कि यूएन के मंच पर पाकिस्तान की तरफ से झूठ फैलाया जाना हैरानी की बात नहीं है। इससे पहले भी भारत ने कश्मीर का जिक्र करने पर पाकिस्तान की कड़ी आलोचना की है। पाकिस्तान की ओर

से संयुक्त राष्ट्र महासभा में कश्मीर का जिक्र किए जाने के बाद भारत ने निराधार और मिथ्या बयानों के लिए पड़ोसी देश की आलोचना की है।

संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन में मंत्री प्रतीक माथुर ने मंगलवार को कहा, आज, एक प्रतिनिधिमंडल ने निराधार और मिथ्या बातें फैलाने के लिए इस मंच का दुरुपयोग किया जो कोई हैरानी की बात नहीं है।

ओम बिरला बने स्पीकर, लगातार दूसरी बार संभाला पद

ध्वनिमत से जीता चुनाव,पीएम मोदी और राहुल गांधी ने दी बधाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। ओम बिरला लगातार दूसरी बार लोकसभा के अध्यक्ष चुने गए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उनके नाम का प्रस्ताव इस पद के लिए रखा। एनडीए में शामिल सभी घटक दलों ने उनके नाम का समर्थन किया। इसके बाद ध्वनिमत से उन्हें इस पद के लिए चुन लिया गया है। आपको बता दें कि शिवसेना (यूबीटी) सांसद अरविंद सावंत ने कांग्रेस सांसद के. सुरेश को

लोकसभा अध्यक्ष के रूप में निर्वाचित करने के लिए प्रस्ताव पेश किया। 18वीं लोकसभा के अध्यक्ष चुने जाने के बाद भाजपा सांसद ओम बिरला लोकसभा अध्यक्ष की कुर्सी पर बैठे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, विपक्ष के नेता राहुल गांधी और संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू भी उनके साथ आसन तक पहुंचे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस मौके पर उन्हें बधाई दी। उन्होंने इस अवसर पर कहा कि मेरा सौभाग्य है कि फिर एक बार लोकसभा के स्पीकर बने हैं। उन्होंने कहा, यह सदन का सौभाग्य है कि आप दूसरी बार इस आसन पर विराजमान हो रहे हैं। आपको मेरी और इस पूरे सदन की तरफ से बहुत शुभकामनाएं। अमृतकाल के इस महत्वपूर्ण कालखंड में दूसरी बार इस पद पर विराजमान होना बहुत बड़ा दायित्व आपको मिला है। हम सबका विश्वास है कि आप आने वाले 5 साल हम सबका मार्गदर्शन करेंगे।

राहुल ने स्पीकर बिरला को याद दिलाया संविधान

● विपक्ष की ताकत भी बताई, अध्यक्ष से एक उम्मीद भी जताई

नई दिल्ली (एजेंसी)। ओम बिरला एक बार फिर से लोकसभा के स्पीकर बन गए हैं। ध्वनिमत से उन्हें स्पीकर चुन लिया गया और विपक्ष के उम्मीदवार के. सुरेश को हार मिली। जीत के बाद ओम बिरला को चेयर पर बिठाया गया और पीएम नरेंद्र

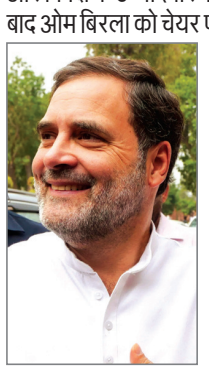

मोदी ने उनका स्वागत करते हुए कहा कि आपकी मुस्कान सुकून देने वाली होती है। वहीं उनके बाद बारी नेता विपक्ष राहुल गांधी की थी, जिन्होंने स्पीकर ओम बिरला को बधाई दी और संसद की कार्यवाही चलाने में सहयोग का भी वादा किया। इसके साथ ही उन्होंने स्पीकर ओम बिरला को संविधान की भी याद दिलाई। राहुल गांधी ने कहा, सरकार के पास राजनीतिक ताकत है, लेकिन विपक्ष भी भारत की ही आवाज रखता है। इस बार विपक्ष की ताकत बीते चुनावों के मुकाबले ज्यादा मजबूत है। विपक्ष चाहेगा कि हम आपके साथ सदन को चलने में सहयोग करें। राहुल गांधी ने कहा कि यह जरूरी है कि देश की आवाज को कैसे उठाया जा रहा है।

अकाली दल पर संकट अपनों ने ही खोला मोर्चा

● 60 से ज्यादा नेताओं ने सुखबीर बादल की नेतृत्व क्षमता पर उठाए सवाल

चंडीगढ़ (एजेंसी)। कभी पंजाब की सत्ताधारी पार्टी रही अकाली दल इन दिनों संकट के दौर से गुजर रही है। 2022 में हुए पंजाब विधानसभा चुनाव में पार्टी का बुरा हाल हुआ था और दिग्गज नेता प्रकाश सिंह बादल समेत कई नामी चेहरे हार गए थे। इसके बाद लोकसभा चुनाव में भी उसे एक ही सीट मिल सकी है। इसके बाद अब बगावत के सुर हैं और 60 नेताओं ने सुखबीर बादल के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। इन लोगों की मांग है कि सुखबीर बादल को अकाली दल का नेतृत्व छोड़ देना चाहिए क्योंकि उनकी लीडरशिप में करारी हार मिली है। हालत यह है कि सुखबीर बादल के करीबी कहे जाने वाले बरजिंदर सिंह हमदर्द भी अब बागी समूह का हिस्सा हैं। इसके अलावा अकाली दल के सीनियर नेता और विधायक बिक्रम सिंह मजीठिया भी पूरे मामले पर चुप हैं। मजीठिया की चुप्पी को लेकर भी कयास लग रहे हैं कि वह शायद बादल से खुश नहीं हैं। अब तक उनका बयान नहीं आया है, लेकिन हर किसी की नजर इस बात पर है मजीठिया का अगला कदम क्या होगा और वह किसी गुट के साथ रहेंगे। लोकसभा चुनाव में अकाली दल ने सभी 13 सीटों पर चुनाव लड़ा था और एक पर ही उसे जीत मिली थी। वहीं 10 सीटों पर तो उसकी जमानत ही जब्त हो गई। ऐसे में विधानसभा चुनाव के बाद से ही पनप रहा गुस्सा अब अकाली दल में फूट पड़ी है।

नीट पेपर लीक में सीबीआई रिमांड पर चिंटू और मुकेश

● हजारीबाग के स्कूल में जांच के लिए पहुंची केंद्रीय जांच एजेंसी, यहीं से प्रश्न-पत्र हुआ था गायब

पटना (एजेंसी)। नीट पेपर लीक मामले में सीबीआई दो आरोपियों से पूछताछ करेगी। इसमें चिंटू कुमार और मुकेश कुमार शामिल हैं। सीबीआई कोर्ट के स्पेशल जज हर्षवर्धन सिंह ने बुधवार सुबह दोनों को 3 दिन की रिमांड पर भेज दिया है। आर्थिक अपराध अन्वेषण इकाई की टीम ने दोनों को 22 जून को नालंदा जिले के बिहार थाना क्षेत्र के मुरौरा गांव से गिरफ्तार किया था। उधर, कोलकाता पुलिस ने 25 जून की देर रात एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया। आरोप है कि इसने स्टूडेंट के पेरेंट्स से मेरिट लिस्ट में नाम जोड़ने और कॉलेज में

मेडिकल सीट देने के लिए 5 से 12 लाख रुपए तक की रकम वसूली है। इस मामले में अब तक 5 राज्यों में 27 गिरफ्तारियां हो चुकी हैं। उधर, सीबीआई की एक टीम हजारीबाग कल्लू चौक मंडई रोड स्थित ओएसिस स्कूल पहुंची। यहां टीम ने स्कूल के प्रिंसिपल से पूछताछ की है। इसके बाद टीम हजारीबाग स्थित स्टेट बैंक भी पहुंची है जहां प्रश्न पत्र भेजे जाने को लेकर जांच की जा रही है। जांच रिपोर्ट में यह बात सामने आई थी कि बुलकेट नंबर 6136488 और अधजला प्रश्न पत्र परीक्षा माफियाओं के ठिकाने से मिला था। जिस ट्रंक और एनवेलप में इस बुकलेट नंबर का प्रश्न पत्र था, उससे छेड़छाड़ की गई है। एनवेलप को बारीकी से फाड़कर प्रश्न पत्र निकाला गया है। इसके बाद इसकी तस्वीर खींचकर गिरोह के सरगना तक वॉट्सऐप से पहुंचाया गया।

कोर्ट रूम में बिगड़ी केजरीवाल की तबीयत

नाश्ते के लिए दिल्ली सीएम को दूसरे कमरे में ले जाया गया

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के राउज एवेन्यू कोर्ट में बुधवार को कथित शराब घोटाले की सुनवाई के दौरान मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की तबीयत बिगड़ गई। उनका शुगर लेवल कम हो गया। जिसके बाद उन्हें दूसरे कमरे में ले जाया गया। उन्हें कोर्ट स्टाफ के कमरे में ले जाया गया। शुगर लेवल गिरने के बाद उन्हें चाय और बिस्किट के लिए कोर्ट रूम से बाहर लाया गया। दरअसल कोर्ट में सीबीआई की रिमांड पर सुनवाई चल रही थी, इसी दौरान

केजरीवाल ने शुगर लेवल कम होने का हवाला देते हुए अदालत से कुछ खाने की इजाजत देने का आग्रह किया। जिसके बाद अदालत ने केजरीवाल को बराबर के कमरे में भोजन करने की अनुमति दे दी। अदालत की अनुमति के बाद उन्हें अहलमद कक्ष में ले जाया गया, इस दौरान उनकी पत्नी सुनीता केजरीवाल भी उनके साथ थीं। यह घटना तब हुई जब सीबीआई ने आबकारी नीति मामले में उन्हें अदालत कक्ष से औपचारिक रूप से गिरफ्तार किया था। सुनवाई के दौरान केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल, एएपी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह और एएपी नेता दिलीप पांडे अदालत कक्ष में मौजूद रहे।

शपथ के समय जय फिलिस्तीन कह बुरे फंसे असदुद्दीन ओवैसी

● लोकसभा सांसदी पर मंडराया खतरा, राष्ट्रपति से की गई शिकायत

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में शपथ लेने के दौरान एआईएमआईएम चीफ असदुद्दीन ओवैसी के जय फिलिस्तीन कहने पर विवाद छिड़ गया है। ओवैसी की संसद से सदस्यता खत्म करने की मांग होने लगी है। वरिष्ठ वकील हरि शंकर जैन ने भी इस बाबत राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को लेटर लिखा है और ओवैसी की सदस्यता को अयोग्य घोषित करने की मांग की है। वरिष्ठ वकील हरि शंकर जैन ने हैदराबाद से एक बार फिर चुने गए असदुद्दीन ओवैसी द्वारा सदन के सदस्य के रूप में शपथ लेते समय इस्तेमाल किए गए जय फिलिस्तीन शब्दों पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को पत्र लिखा। उन्होंने राष्ट्रपति से अनुरोध किया है कि 25.06.2024 को संसद सदस्य के रूप में शपथ लेते समय विदेशी देश यानी फिलिस्तीन के प्रति अपनी निष्ठा और पालन को स्वीकार करने के लिए सांसद को अयोग्य घोषित किया जाए। हैदराबाद से पांचवीं बार सदस्य निर्वाचित हुए ओवैसी ने उर्दू में शपथ ली थी। शपथ लेने से पहले उन्होंने दुआ पढ़ी।

मिजोरम में फर्जी शिक्षकों के कारण खतरे में लाखों बच्चों का भविष्य

● सरकारी शिक्षकों ने अपनी जगह किसी और को भेजा स्कूल, होगी कार्रवाई

आईजोल (एजेंसी)। पूर्वोत्तर राज्य मिजोरम में फर्जी सरकारी शिक्षकों के कारण हजारों बच्चों का भविष्य खतरे में है। दरअसल, राज्य विभिन्न सरकारी विभागों में करीब साढ़े तीन हजार ऐसे लोग काम करते हैं जो सरकारी कर्मचारी हैं ही नहीं। इन पदों पर काम करने वाले सरकारी कर्मचारियों ने अपनी जगह दूसरे लोगों का काम पर रखा है। इनमें से एक हजार से ज्यादा अकेले शिक्षा विभाग में हैं। राज्य में करीब 50 हजार सरकारी कर्मचारी हैं। मिजोरम के मुख्यमंत्री लालदूहोमा डीडब्ल्यू को बताते हैं कि सरकार इस मुद्दे पर गंभीर है। ऐसे कर्मचारियों को बर्खास्त या निलंबित भी किया जा सकता है। कुछ मामलों में दोषी कर्मचारियों से वेतन भी वापस लिया जा सकता है। यह मामला सामने आने के बाद सरकार ने इसकी जांच के आदेश दिए गए थे। करीब तीन महीने तक चली जांच के दौरान ऐसे कर्मचारियों की शिनाख्त के बाद

अब उन सबको 30 दिनों के भीतर अपनी ड्यूटी पर पहुंचने को कहा गया है। ऐसा नहीं करने की सूरत में उनके खिलाफ अनिवार्य सेवानिवृत्ति समेत दूसरी अनुशासनात्मक व कानूनी कार्रवाई की जाएगी। नियत समय पर ड्यूटी पर नहीं पहुंचने वाले कर्मचारियों के खिलाफ इस कार्यकाल को अवैध अनुपस्थिति मानते हुए अनिवार्य सेवानिवृत्ति दी जा सकती है और पेंशन से भी वंचित किया जा सकता है। इसके अलावा उनको कानूनी कार्रवाई का भी सामना करना होगा। जांच रिपोर्ट मंत्रिमंडल की पिछली बैठक में पेश करने पर इस पर विचार के बाद सरकार ने इसे गंभीर मामला मानते हुए इसके आधार पर फौरन कार्रवाई का आदेश दिया। सरकार का कहना है कि अपनी जगह किसी और से काम कराना और सरकार से पूरा वेतन लेना सेवा शर्तों का उल्लंघन है।

राहुल गांधी को सुल्तानपुर कोर्ट में पेश होने का आदेश

● मानहानि केस में 2 जुलाई को बुलाया, अमित शाह को हत्या का आरोपी कहा था

सुल्तानपुर (एजेंसी)। सुल्तानपुर की एमपी/एमएलए कोर्ट ने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी को अमित शाह हेट स्पीच केस में 2 जुलाई को पेश होने का आदेश दिया है। बुधवार को सुनवाई के दौरान जज ने राहुल के वकील से पूछा कि वह कहां हैं। वकील काशी प्रसाद शुक्ला ने बताया कि लोकसभा में स्पीकर पद का चुनाव है। इसलिए वह कोर्ट में उपस्थित नहीं हुए। कोर्ट ने राहुल को 2 जुलाई को व्यक्तिगत रूप से हाजिर होने का आदेश दिया है। 8 मई 2018 को बेंगलुरु में

कर्नाटक विधानसभा चुनाव के दौरान राहुल गांधी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में अमित शाह को हत्या का आरोपी कहा था। इसी के खिलाफ सुल्तानपुर के भाजपा नेता ने मानहानि का केस दर्ज कराया था। इससे पहले इसी साल राहुल गांधी 20 फरवरी को कोर्ट में पेश हुए थे। केस 5 साल से चल रहा है। दिसंबर 2023 में एमपी/एमएलए कोर्ट के तत्कालीन जज ने राहुल गांधी के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी किया था।

सड़क पर अधिक जगह बनाने के लिए अवैध पार्किंग पर कार्रवाई की

कोलकाता,एजेन्सी। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी द्वारा अवैध पार्किंग को मुक्त आवागमन के लिए अभिशाप बनाने संबंधी संदेश के कुछ घंटों बाद ही कोलकाता पुलिस और कोलकाता नगर निगम (केएमसी) ने शहर भर में अवैध पार्किंग और सड़क अतिक्रमण पर नकेल कस दी है। सभी 10 पुलिस डिवीजनों के पुलिसकर्मी एक स्थान से दूसरे स्थान पर गए और मुख्य सड़कों और मुख्य संपर्क सड़कों से अवैध पार्किंग को हटाया। चाहे वह कस्बा हो या दक्षिण कोलकाता में बेहाला सिलपारा या उत्तर कोलकाता में मानिकतला, पुलिसकर्मियों ने अवैध रूप से पार्क किए गए वाहनों को हटाया या सड़क पर पार्किंग न करने के लिए वाहन चालकों को चेतावनी दी। फिलहाल, सोमवार को शुरू हुई छापेमारी लालबाजार द्वारा पहचाने गए विशिष्ट स्थानों पर प्रतिदिन दो बार जारी रह सकती है।

लालबाजार में, पुलिस ने यातायात शाखा के ओसी और एसीपी के साथ बैठक की और उन्हें निर्देश दिया कि किसी भी

कीमत पर अवैध पार्किंग के कारण यातायात बाधित नहीं होना चाहिए। कथित तौर पर शीर्ष पुलिस अधिकारी उन सभी छोटी सड़कों की सूची चाहते थे, जहां दोनों तरफ पार्किंग की अनुमति है, लालबाजार ने दावा किया कि इस प्रथा को रोकने की जरूरत है। एक अधिकारी ने कहा, हमने सीसीटीवी कैमरों का उपयोग करके 24 घंटे निगरानी रखने का फैसला किया है। एक ही स्थान पर कई अभियान चलाए जाएंगे - विशेष रूप से मध्य कोलकाता के फ्री स्कूल स्ट्रीट, कैमक स्ट्रीट, डलहौजी और बड़ाबाजार में, जहां अवैध पार्किंग एक बड़ी यातायात बाधा बन गई है। केएमसी के साथ, हम पार्किंग क्षेत्रों को प्रमुखता से चिह्नित करेंगे ताकि उल्लंघनकर्ताओं को पता चले कि वे जो कर रहे हैं वह अवैध है। अतिरिक्त क्षेत्रों में, पुलिस को अवैध गैरेज और अवैध ट्रक पार्किंग पर ध्यान केंद्रित करने के लिए कहा गया है।

एक संयुक्त आयुक्त ने कहा, ईएम बाईपास और डीएच रोड के बाहर भी कई वाहन पार्क किए जाते हैं। इनमें बसें भी शामिल हैं। यदि वे सड़क की जगह का अतिक्रमण करते हैं, तो उन्हें हटाना होगा। सभी पुलिस स्टेशनों और ट्रैफिक गार्डों को इस नियम का पालन करने के लिए कहा गया है। केएमसी ने कहा कि अब ध्यान अवैध पार्किंग और उससे जुड़ी जबरन वसूली दोनों पर होगा केएमसी पार्किंग विभाग के एक अधिकारी ने कहा, हम जल्द ही इन तौर-तरीकों पर चर्चा करने के लिए पुलिस के साथ बैठक करेंगे। मध्य और दक्षिण कोलकाता के ट्रैफिक गार्डों ने भी लालबाजार और केएमसी को इन वाणिज्यिक और कार्यालय क्षेत्रों में पार्क करने की कोशिश करते समय मोटर चालकों के सामने आने वाली समस्याओं के बारे में बताया है।

लालबाजार को दी गई रिपोर्ट में एक महत्वपूर्ण मुद्दा ऑनलाइन भुगतान का उपयोग न करना है। पुलिस ने कहा कि खराब नेटवर्क के कारण पीओएस डिवाइस भुगतान स्वीकार नहीं कर पा रहे थे, लेकिन ये केवल छिटपुट और दुर्लभ मामलों में थे। दक्षिण और पूर्व ट्रैफिक गार्डों ने अब प्रस्ताव दिया है कि भ्रम से बचने के लिए प्रत्येक अटेंडेंट एक दर शुल्क लेकर चले। उन्होंने पार्किंग स्थल पर ऐसे चार्टों को उचित तरीके से प्रदर्शित करने के लिए भी कहा है और उन्हें सभी डिवाइस से संबंधित मुद्दों की रिपोर्ट केएमसी और स्थानीय पुलिस को देने का निर्देश दिया गया है। हम मशीनों के कामकाज, नेटवर्क ब्लैक स्पॉट और पार्किंग शुल्क दिखाने वाले बोर्डों की अनुपस्थिति/कमी पर एक रिपोर्ट एकत्र कर रहे हैं। हम एजेंसियों को एक संकलित रिपोर्ट भेजेंगे। साथ ही, पार्क स्ट्रीट में, जहाँ कुछ डिस्प्ले बोर्ड क्षतिग्रस्त हो गए हैं, एजेंसियों को उन्हें ठीक करने के लिए कहा गया है। एक अधिकारी ने कहा, पार्किंग एजेंटों को वर्दी पहनने, फोटो पहचान पत्र दिखाने, पीओएस मशीन का उपयोग करने और उपकरणों की खराबी की सूचना देने के बारे में जागरूक किया गया।

सांसद अभिषेक बनर्जी का दावा, सत्तारूढ़ सरकार के पास संख्या नहीं

नई दिल्ली/कोलकाता,एजेन्सी। ओम बिरला के लोकसभा अध्यक्षचुने जाने के बाद, तृणमूल कांग्रेस के सांसद अभिषेक बनर्जी ने बुधवार को कहा कि कई विपक्षी सदस्यों ने मत विभाजन की मांग की , लेकिन प्रो-टेम स्पीकर ने इसकी अनुमति नहीं दी, जिससे पता चलता है कि सत्तारूढ़ दल के पास संख्या नहीं है। बनर्जी ने कहा, नियम कहता है कि अगर सदन का कोई सदस्य मत विभाजन की मांग करता है, तो इस मामले में प्रो-टेम स्पीकर को मत विभाजन की अनुमति देनी होती है। आप लोकसभा के फुटेज में देख और सुन सकते हैं कि विपक्षी खेमे के कई सदस्यों ने मत विभाजन की मांग की और मत विभाजन के लिए प्रस्ताव रखा और प्रस्ताव को मत विभाजन के बिना ही पारित कर दिया गया। यह इस बात का स्पष्ट प्रमाण है कि सत्तारूढ़ दल, भाजपा के पास संख्या नहीं है। यह सरकार बिना संख्या के चल रही है। यह अवैध, अनैतिक, अनैतिक और असंवैधानिक है, और देश के लोगों ने उन्हें पहले ही बाहर का रास्ता दिखा दिया है। यह बस समय की बात है कि उन्हें फिर से बाहर का रास्ता दिखाया जाएगा, टीएमसी नेता ने कहा। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के उम्मीदवार और कोटा से सांसद ओम बिरला को 18वीं लोकसभा का अध्यक्ष चुना गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा इसके लिए प्रस्ताव पेश किए जाने और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह द्वारा इसका समर्थन किए जाने के बाद यह निर्णय लिया गया। सदन ने ध्वनि मत से प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया। सदन में हां और ना की गूंज हुई और प्रोटेम स्पीकर भर्तृहरि महताब ने ओम बिड़ला को निचले सदन का अध्यक्ष घोषित किया। विपक्ष, जिसने के सुरेश को इंडिया ब्लॉक के स्पीकर उम्मीदवार के रूप में पेश किया था, ने मत विभाजन के लिए दबाव नहीं डाला । जेएमएम सांसद महुआ माजी ने एएनआई को बताया कि विपक्ष के पास संख्या नहीं थी और इसलिए उन्होंने मत विभाजन के लिए नहीं कहा। उन्होंने कहा ,मैं अपनी पार्टी की ओर से उन्हें बधाई देती हूं। हमारे पास (विपक्ष) संख्या नहीं थी, इसलिए यह (मत विभाजन) नहीं मांगा गया। संसदीय परंपरा रही है कि उपसभापति विपक्ष से होना चाहिए। यह एक अलग समय है; विपक्ष के पास ताकत है। विपक्ष एक संदेश देना चाहता था ताकि भविष्य में ऐसा न हो और विपक्ष की बात सुनी जाए। (एएनआई)

दक्षिण कोलकाता में कोचिंग सेंटर का मालिक गिरफ्तार

कलकत्ता-दिल्ली की एक महिला के पिता, जिसने हृश्वश्वञ्ज 2024 की परीक्षा दी थी, ने दक्षिण कोलकाता में एक कोचिंग सेंटर के मालिक के खिलाफ धोखाधड़ी की शिकायत दर्ज कराई है। हृश्वश्वञ्ज एक अखिल भारतीय मेडिकल प्रवेश परीक्षा है। यह सेंटर पार्क स्ट्रीट की एक इमारत से चलाया जाता था। पुलिस ने बताया कि सेंटर ने कथित तौर पर पिता से ?16 लाख लिए, लेकिन उनकी बेटी के लिए मेडिकल सीट का वादा पूरा नहीं किया। कोचिंग सेंटर के मालिक सौरीश घोष को गिरफ्तार कर लिया गया है। उन पर धोखाधड़ी, जालसाजी और आपराधिक साजिश से संबंधित आईपीसी की धाराओं के तहत आरोप लगाए गए हैं। एक अधिकारी ने बताया कि महिला के परिवार ने 2023 में सेंटर को ?16.8 लाख का भुगतान किया था। महिला इस साल परीक्षा में बैठी थी, लेकिन असफल रही। आरोपी ने परिवार को कुछ दस्तावेज भी भेजे, जिनसे पता चला कि महिला का नाम सरकारी मेडिकल कॉलेज में प्रवेश पाने वाले छात्रों की सूची में था। घोष को पुलिस हिरासत में भेज दिया गया है।

शपथ नहीं लेने वाले विधायकों को राज्यपाल का दो-टूक, कहा- मेल भेज दिया है, राजभवन पहुंचे दोनों

कोलकाता। बंगाल विधानसभा उपचुनाव में निर्वाचित दो विधायकों के शपथ ग्रहण का मामला उलझता जा रहा है। राज्यपाल डॉ. सीवी आनंद बोस ने मंगलवार को सायंतिका बनर्जी व रेयात हुसैन सरकार को ईमेल भेजकर साफ कहा है कि उन्हें बुधवार दोपहर राजभवन आकर ही शपथ ग्रहण करना होगा। सायंतिका बरानगर व रेयात भगवानगोला सीट से निर्वाचित हुए हैं। राज्यपाल ने इस मामले में विधानसभा स्पीकर बिमान बनर्जी की भूमिका की आलोचना करते हुए कहा है कि वे राजभवन की भूमिका को नजरंदाज कर रहे हैं। संविधान के अनुसार, विधायकों के शपथ ग्रहण में अंतिम निर्णय राज्यपाल का होता है। राज्यपाल के निर्णय का अनुपालन नहीं करने पर सजा का प्रावधान है। विधायकों को जुर्माना भी भरना पड़ सकता है। ईमेल मिलने के बाद दोनों विधायकों ने विधानसभा जाकर स्पीकर के साथ बैठक की। मालूम हो कि सायंतिका ने सोमवार को राज्यपाल को पत्र लिखकर विधानसभा में शपथ ग्रहण करने की इच्छा जताई थी। उन्होंने कहा था कि चूंकि वह विधानसभा की सदस्या हैं और उन्हें यहीं से काम करना पड़ेगा इसलिए वह स्पीकर के माध्यम से शपथ ग्रहण करना चाहती हैं। वहीं, स्पीकर ने कहा था कि विधायक राजभवन जाएंगे या नहीं, यह उनका व्यक्तिगत निर्णय है लेकिन वे यह जरूर कहेंगे कि विधायक विधानसभा के निर्वाचित सदस्य हैं, राजभवन के नहीं। राज्यपाल अगर उन्हें शपथ ग्रहण कराना चाहते हैं तो विधानसभा आकर करवा सकते हैं। बंगाल में सत्तारूढ़ पार्टी तृणमूल सरकार ने राज्यपाल पर विधायकों का शपथ ग्रहण अटकाकर रखने का आरोप लगाया है। बंगाल विधानसभा उपचुनाव के नतीजे लोकसभा चुनाव के नतीजों के साथ गत चार जून को घोषित हुए थे। तब से अभी तक दोनों विधायक शपथ नहीं ले पाए हैं।

प्रीमियर सिटी क्लब के अधिकारी के खिलाफ उत्पीड़न का मामला दर्ज

कोलकाता,एजेन्सी। दक्षिण कोलकाता के एक कुलीन क्लब के एक वरिष्ठ अधिकारी पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया गया है। पुलिस सूत्रों ने दावा किया है कि शिकायतकर्ता उसी क्लब का एक कर्मचारी है। शिकायत 20 जून को प्राप्त हुई थी जिसके बाद शेक्सपियर सरणी पुलिस स्टेशन में इस संबंध में जांच शुरू की गई है। शिकायतकर्ता के अनुसार, क्लब के अधिकारी ने कई बार विभिन्न तरीकों से उसे परेशान किया है और अलग-अलग बहानों के तहत उससे अनुचित कार्य करवाए हैं। आरोपी कौस्तव बसु को कॉल काट दिया गया। जबकि क्लब के अध्यक्ष को कॉल का जवाब नहीं मिला, क्लब के उपाध्यक्ष ने दावा किया कि उन्हें हाल के घटनाक्रम की जानकारी नहीं है। लिखित शिकायत में, आरोपी की पहचान क्लब की सामान्य समिति के एक प्रभावशाली सदस्य के रूप में की गई है और वर्तमान में उसे एक महत्वपूर्ण समिति का संयोजक नियुक्त किया गया है।

कोर्ट ने 2023 कथित तौर पर हिंसा भड़काने के आरोप में पेशी वारंट जारी किया

कोलकाता,एजेन्सी। कोलकाता भाजपा सांसद सौमित्र खान को मंगलवार को विधाननगर एमपी-एमएलए कोर्ट ने बांकुरा के सोनामुखी में 2023 में कथित तौर पर हिंसा भड़काने के आरोप में पेशी वारंट जारी किया। खान के लगातार चार तारीखों तक अदालती कार्यवाही में शामिल नहीं हो पाने के बाद वारंट जारी किया गया। खान ने कहा, अगली सुनवाई की तारीख 9 जुलाई है। हसनपुर गांव की बैठक में कोविड-19 मानदंडों का उल्लंघन करने पर सुनवाई में अनुपस्थित रहने के लिए वारंट का सामना करना पड़ रहा है। 13 अप्रैल, 2021 की एफआईआर में लगभग 50-60 उपस्थित लोग शामिल थे। अनधिकृत क्बैठक आयोजित करने का आरोप। विवाद के बावजूद, हृश्वश्वञ्ज-त्र 2024 परीक्षा काउंसलिंग कथित अनियमितताओं के कारण चुनौतियों का सामना कर रही है। सुप्रीम कोर्ट ने इस मुद्दे की जटिलता पर जोर देते हुए प्रक्रिया में देरी करने से इनकार कर दिया। मूल्यांकन में देरी और विरोध के बीच, NTA को उम्मीदवारों को ईमेल द्वारा पुन-परीक्षा के फैसले की जानकारी देने का निर्देश दिया गया है।

सरकार ने ब्रिटानिया के बाहर निकलने से किया इनकार, कंपनी की प्रतिबद्धता की पुष्टि की

कोलकाता, एजेन्सी। पश्चिम बंगाल सरकार ने मंगलवार को स्पष्ट किया कि प्रमुख एफएमसीजी ब्रांड ब्रिटानिया इंडस्ट्रीज लिमिटेड की राज्य से बाहर निकलने की कोई योजना नहीं है और कंपनी पश्चिम बंगाल के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के प्रधान मुख्य सलाहकार डॉ. अमित मित्रा ने ब्रिटानिया के तारातला संयंत्र को बंद करने पर राजनीतिक विवाद के बाद राज्य सरकार की ओर से यह बयान जारी किया। नबाना में राज्य सचिवालय में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में मित्रा ने कहा कि उन्होंने ब्रिटानिया इंडस्ट्रीज के प्रबंध निदेशक वरुण बेरी से बात की, जिन्होंने उन्हें आश्वासन दिया कि कंपनी पश्चिम बंगाल के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। डॉ. अमित मित्रा ने मंगलवार को एएनआई से बात करते हुए कहा, न केवल सोशल मीडिया पर बल्कि कुछ मुख्यधारा के मीडिया में भी यह पूरी तरह से झूठ फैलाया जा रहा है कि ब्रिटानिया राज्य छोड़कर भाग गई है। ब्रिटानिया के प्रबंध निदेशक ने फोन करके कहा कि वे पश्चिम बंगाल के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध हैं।

पुलिस ने साल्ट लेक में अवैध दुकानों को ध्वस्त किया, फुटपाथों को मुक्त कराया

कोलकाता, एजेन्सी। बिधाननगर पुलिस ने मंगलवार को साल्ट लेक में पशु कल्याण विभाग की इमारत के किनारे अवैध झोपड़ियों और दुकानों को बुलडोजर से गिरा दिया। यह कदम मुख्यमंत्री द्वारा सोमवार को किए गए उस हमले के बाद उठाया गया है जिसमें उन्होंने बिधाननगर के पार्षदों और स्थानीय विधायक सुजीत बोस को टाउनशिप में बेतरतीब अतिक्रमण के लिए जिम्मेदार ठहराया था। साल्ट लेक में बुलडोजर अभियान के बाद साल्ट लेक सेक्टर वी में पुलिस की कार्रवाई का एक और दौर शुरू हुआ, जहां पुलिस ने फेरीवालों को पीछे धकेला और फुटपाथ और सड़कों को खाली करने के लिए कई लोगों को अपनी जगह खाली करने के लिए मजबूर किया। 90 मिनट तक चला यह विध्वंस अभियान सुबह करीब 11.30 बजे साल्ट लेक केबी ब्लॉक में शुरू हुआ, जहां 40 दुकानों को ध्वस्त कर दिया गया। बिधाननगर सिटी पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, हम बीएमसी की कई टीमों की सहायता कर रहे हैं जो विध्वंस और पीछे धकेलने की प्रक्रिया की देखरेख कर रही हैं। पुलिस स्टेशन स्तर से, अतिक्रमण किए गए स्थानों की पहचान करने के लिए एक अलग सर्वेक्षण भी किया गया है। बीएमसी के एक अधिकारी ने कहा कि कई

टीमें निगम क्षेत्र में अभियान चला रही हैं और सीएम के निर्देश के बाद आवश्यक कदम उठा रही हैं। तुहिन काजी, जिनकी दुकान में किराने का सामान और स्टेशनरी का सामान बिकता था, ने कहा, पुलिस हमारी दुकान पर आई और हमें अपना सामान हटाने के लिए दो घंटे का समय दिया। हम मुश्किल से सामान हटाना शुरू कर पाए थे, तभी वे बुलडोजर लेकर आए और सब कुछ ध्वस्त कर दिया। हमने इस जगह के लिए अच्छी कीमत चुकाई थी। अब हमें नहीं पता कि आगे क्या करना है। एक अन्य झोपड़ी मालिक गोपाल दास ने कहा कि वह सुबह से ही स्थानीय पार्टी नेताओं को लगातार फोन कर रहे थे, लेकिन किसी ने उनका फोन नहीं उठाया। दास ने कहा, दुकान में कई लाख रुपये का सामान था और मैंने सामान रखने के लिए कई अस्थायी ढाँचे बनाए थे। सब कुछ खत्म हो गया।

हालांकि, सेक्टर वी में कोई बुलडोजर अभियान नहीं चलाया गया, क्योंकि पुलिस और नगर निगम के अधिकारियों ने अभियान के पहले दिन व्यापारियों को चेतावनी दी कि वे अपनी दुकानें पीछे हटाएँ, ताकि फुटपाथ का दो-तिहाई हिस्सा पैदल चलने वालों के लिए उपलब्ध रहे। विप्रो के पास एक अस्थायी दुकान के मालिक सोमनाथ नस्कर ने कहा, स्थानीय नेताओं ने हमें स्थायी ढाँचे का वादा किया था। लेकिन हमें नहीं पता कि अब क्या होगा। हालांकि, वेबेल भवन के बाहर एक अन्य दुकान के मालिक राबिन महाता ने कहा कि उन्हें पूरा भरोसा है कि उन्हें कुछ नहीं होगा। महाता ने कहा, पिछली बार जब सरकार ने 2016 में ऐसा ही कदम उठाया था, तो हम सभी ने अपना कारोबार बंद कर दिया था और सेक्टर वी के पूरे ऑफिस को भूखा रहना पड़ा था। हमें पूरा भरोसा है कि यह या तो अस्थायी कदम होगा या हमारे लिए कोई खास योजना बनाई जाएगी। निवासियों और ऑफिस जाने वालों ने इस कदम की सराहना की, लेकिन आश्चर्य जताया कि क्या यह अभियान केवल कुछ दिनों तक ही सीमित रहेगा।

सेक्टर वी फर्म में काम करने वाले साल्ट लेक निवासी अरित्रा गांगुली ने कहा, पूरे साल्ट लेक और यहां तक ??कि न्यू टाउन के कुछ हिस्सों पर भी फेरीवालों और अवैध अतिक्रमणकारियों ने कब्जा कर लिया है। यह एक निरंतर अभियान होना चाहिए। सीएम ने सरकारी जमीनों पर अतिक्रमण और साल्ट लेक में फेंके गए कचरे पर भी मुखरता दिखाई। मंगलवार को कई जगहों से कचरा हटाया गया, लेकिन टाइम्स ऑफ इंडिया ने पाया कि कई सरकारी जमीनों पर अभी भी अतिक्रमण है। सीएम को बिधाननगर में अवैध इमारतों की अव्यवस्था ने भी परेशान किया। बीएमसी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, हमने छह नगर निगमों के लिए एक विशेष टीम बनाई है, जिसने उन जगहों का निरीक्षण करना शुरू कर दिया है, जहां से अवैध इमारतों के निर्माण की सूचना मिली है। जहां भी जरूरत होगी, काम रोकने के लिए नोटिस जारी किए जाएंगे, जिसके बाद एफआईआर दर्ज की जाएगी।

नेता की दबंगई, शिक्षक को छह साल स्कूल में घुसने नहीं दिया, हाईकोर्ट पहुंचा मामला तो...

कोलकाता,एजेन्सी। कलकत्ता हाईकोर्ट ने तृणमूल कांग्रेस के एक नेता के प्रभाव के कारण छह साल स्कूल में प्रवेश नहीं कर पाए शिक्षक के अविलंब वहां पढ़ाने की व्यवस्था करने का निर्देश दिया है।

नीट परीक्षा को लेकर ममता बनर्जी ने की ये बड़ी मांग, पीएम मोदी को पत्र लिखकर कहा- पहले की तरह...

राज्य ब्यूरो, कोलकाता। बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) को हटाकर उसकी जगह फिर से पुरानी पद्धति लागू करने की मांग की है। साथ ही ममता ने नीट परीक्षा में हुई गड़बड़ियों की गहन और निष्पक्ष जांच की मांग की है। ममता ने पत्र में लिखा, नीट के पेपर लीक होने, परीक्षा के संचालन में शामिल अधिकारियों द्वारा रिश्वत लिए जाने, कुछ छात्रों को परीक्षा के लिए आवेदन करने हेतु सुविधाएं और ग्रेस मार्क्स दिए जाने आदि के आरोप गंभीर मुद्दे हैं, जिनकी गहन और निष्पक्ष जांच जरुरी है। ऐसे मामले लाखों छात्रों के करियर को खतरे में डालते हैं और न केवल देश में चिकित्सा शिक्षा की गुणवत्ता से समझौता करते हैं बल्कि चिकित्सा सुविधाओं/उपचार की गुणवत्ता पर भी प्रतिकूल प्रभाव डालते हैं।

राज्य सरकारों को परीक्षा कराने की मिले अनुमति- ममता

ममता ने प्रधानमंत्री से मांग की, राज्य सरकारों को 2017 से पहले की तरह मेडिकल कोर्स के लिए खुद से प्रवेश परीक्षा संचालित करने की अनुमति दी जानी चाहिए। तब केंद्र सरकार भी अपनी तरफ से परीक्षा का संचालन करती थी। वह प्रणाली अच्छे तरीके से बिना अधिक समस्याओं के काम कर रही थी। ममता ने कहा, वह प्रणाली क्षेत्रीय पाठ्यक्रम और मानकों के अनुकूल थी। राज्य सरकार आमतौर पर शिक्षा व इंटर्नशिप पर प्रति डॉक्टर 50 लाख रुपये से अधिक खर्च करती है, इसलिए संयुक्त प्रवेश परीक्षा के माध्यम से मेडिकल छात्रों का चयन करने की स्वतंत्रता दी जानी चाहिए। ममता ने बांग्लादेश के साथ गंगा व व तीस्ता नदियों के जल बंटवारे और फरक्का संधि से संबंधित बातचीत में केंद्र की ओर से बंगाल सरकार को शामिल नहीं करने पर भी नाराजगी जताई। उन्होंने इस बाबत पीएम मोदी को अलग से पत्र लिखा है,

बाइचुंग भूटिया ने राजनीति से सन्यास लिया

दार्जिलिंग/कोलकाता,एजेन्सी। देश के सबसे सफल फुटबॉल खिलाड़ियों में से एक बाइचुंग भूटिया ने अपनी बेहद असफल राजनीतिक पारी के बाद मंगलवार को दूसरी बार संन्यास ले लिया। भारतीय फुटबॉल टीम के पूर्व कप्तान भूटिया को हाल ही में हुए विधानसभा चुनाव में सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा (एसकेएम) के रिस्कल दोरजी भूटिया ने बरफंग निर्वाचन क्षेत्र में 4,346 मतों के अंतर से हराया था। भूटिया की यह लगातार छठी चुनावी हार थी। भूटिया ने पवन चामलिंग के सिक्किम डेमोक्रेटिक फ्रंट (एसडीएफ) के उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ा था, जिसके साथ उनकी हमरो सिक्किम पार्टी (एचएसपी) का नवंबर 2023 में विलय हो गया था। एसडीएफ के उपाध्यक्ष भूटिया ने एक लिखित बयान में कहा, 2024 के चुनाव परिणामों के बाद, मुझे एहसास हुआ है कि चुनावी राजनीति मेरे लिए बिल्कुल नहीं है। इसलिए मैं तत्काल प्रभाव से सभी तरह की चुनावी राजनीति छोड़ रहा हूं। 48 वर्षीय भूटिया ने अपने असफल राजनीतिक करियर पर खेद व्यक्त किया।

भूटिया ने कहा, मेरा एकमात्र अफसोस यह है कि मुझे लगा कि मेरे पास खेल और पर्यटन के विकास के संबंध में बहुत अच्छे विचार थे, जिन्हें अगर मौका मिलता तो मैं लागू करना चाहता और इस तरह बहुत ईमानदारी और निष्ठा से राज्य के विकास में योगदान देता। दुर्भाग्य से, ऐसा नहीं हो

सका... उन्होंने सिक्किम के वर्तमान मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग (गोले) को शानदार जनादेश के लिए बधाई दी। गोले की एसकेएम ने सिक्किम विधानसभा की 32 में से 31 सीटें जीतीं। भूटिया, जिन्होंने 2011 में फुटबॉल से संन्यास ले लिया था और हिमालयी राज्य में उनके नाम पर एक स्टेडियम है, ने राजनीति को अपना करियर बनाने की कोशिश में दूसरी पारी में बहुत खराब प्रदर्शन किया। सिक्किम के इस निशानेबाज को उनके फुटबॉल कौशल के लिए पद्म श्री और अर्जुन पुरस्कार से भी सम्मानित किया जा चुका है। उन्होंने बंगाल से अपनी राजनीतिक पारी की शुरुआत की, जहां उन्होंने अपना अधिकांश समय फुटबॉल खेलने में बिताया। भूटिया ने बंगाल में दो बार चुनाव लड़ा - 2014 में दार्जिलिंग लोकसभा सीट से और 2016 के विधानसभा चुनावों में सिलीगुड़ी से। दोनों ही मौकों पर उन्हें तृणमूल कांग्रेस ने मैदान में उतारा था।

इसके बाद भूटिया अपने गृह राज्य सिक्किम चले गए।

2019 के सिक्किम विधानसभा चुनाव में उन्होंने गंगटोक और तुमेन-लिंगी से चुनाव लड़ा, लेकिन दोनों ही निर्वाचन क्षेत्रों में उन्हें हार का सामना करना पड़ा। भूटिया ने 2019 में गंगटोक से विधानसभा उपचुनाव भी लड़ा और हार का सिलसिला जारी रखा। भगवान बुद्ध की इस कहावत का हवाला देते हुए कि किसी के इरादे अच्छे होने चाहिए, फुटबॉलर ने कहा कि राजनीति में उनका इरादा राज्य और देश दोनों के लोगों के लिए अच्छा करना है। सिक्किम के एक राजनीतिक पर्यवेक्षक ने कहा, भूटिया सिक्किम के बड़े राजनीतिक खिलाड़ियों चामलिंग और गोले को आसानी से हरा नहीं सकते थे। फुटबॉलर ने अपनी अगली योजना के बारे में नहीं बताया है। भूटिया ने कहा, मैं अब आत्मनिरीक्षण करने, अपने अन्य लक्ष्यों की दिशा में काम करने और अपने उद्देश्य को नए सिरे से खोजने के लिए अधिक समय देना चाहता हूं। भूतिया ने पहले भी कई रास्ते अपनाए हैं। पर्यटन क्षेत्र में सफल व्यवसाय चलाने के अलावा, उन्होंने फुटबॉल स्कूल स्थापित किए और फुटबॉल कोच की भूमिका निभाई। भूटिया ने एक विशेषज्ञ कमेंटेटर के रूप में टीवी असाइनमेंट लिया और 2009 में कोरियोग्राफर सोनिया जाफर के साथ साझेदारी करते हुए झलक दिखला जा नामक टीवी शो जीता, जिसे लोकप्रिय अंतरराष्ट्रीय शो डांसिंग विद द स्टार्स का भारतीय संस्करण माना जाता है।

जमुई से आम लेकर जहानाबाद जा रहा रहा था, झपकी आने से हुआ हादसा

तेज रफ्तार पिकअप पेड़ से टकराया, चालक की मौत, खलासी घायल

जमुई, एजेंसी। जमुई के सिकंदरा- शेखपुरा मुख्य मार्ग एनएच 333 ए महरथ मोड़ के पास बुधवार की सुबह आम लदे पिकअप वैन की सड़क किनारे पेड़ से जोरदार टक्कर में चालक की घटनास्थल पर मौत हो गई ।वहीं इस हादसे में खलासी गंभीर रूप से घायल हो गया। जानकारी के मुताबिक सिकंदरा व हलसी थाना क्षेत्र के सीमा महरथ मोड़ पर पिकअप वैन की पेड़ से टक्कर होने पर बड़ी घटना हुई है। घटना के बाद आसपास के ग्रामीणों की भीड़ लग गई और इसकी सूचना सिकंदरा थाने को दी गई। मृतक चालक की पहचान जहानाबाद के परसबीघा थाना क्षेत्र अंतर्गत अजयबीघा निवासी संजय यादव के पुत्र बंटी कुमार के रूप में हुई है। वहीं जख्मी खलासी की पहचान संतोषी यादव के पुत्र अजीत कुमार के रूप में हुई है।

वाहन के उड़े परखच्चे

बताया जा रहा है कि कहलगांव से मालदा आम लोड कर जमुई सिकंदरा होते हुए जहानाबाद जा रहा था। तभी सुबह 4:00 बजे के करीब महरथ मोड़ के पास चालक को झपकी आ गई और सड़क किनारे पेड़ में जोरदार टक्कर मार दी। जिसमें चालक बंटी कुमार की मौके पर मौत हो गई और उपचालक अजीत कुमार गंभीर रूप से घायल हो गया। इस घटना में पिकअप वैन के परखच्चे उड़ गए।

जेसीबी की मदद से शव को निकाला

घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची सिकंदरा थाने के अवर निरीक्षक उमेश प्रसाद सिंह ने बताया की भागलपुर जिले के कहलगांव स पिकअप वाहन में आम लेकर जहानाबाद जा रहे हैं। तभी पिकअप चालक को नींद आ गई होगी और वाहन सड़क किनारे पेड़ से टकरा गई। इस दुर्घटना में चालक की मौत हो गई। जबकि उप चालक गंभीर रूप से घायल हो गया।

जिसे इलाज के लिए सदर अस्पताल भेजा गया है। जबकि मृतक चालक वाहन के अंदर फस गया था। जिसे जेसीबी व कटर मशीन के जरीए निकाला गया। पूरी घटना की जानकारी मृतक के परिजनों को दी गई है। वहीं घटना के बाद सिकंदरा व हलसी सीमा रेखा को लेकर दोनों थाने की पुलिस आपस में तकरार करते दिखे।

संक्षिप्त समाचार

पत्रकार की चाकू गोदकर हत्या, वारदात के बाद सभी अपराधी फरार

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। मुजफ्फरपुर में अज्ञात अपराधियों ने पत्रकार की चाकू गोद कर हत्या कर दी। मृतक की पहचान शिवशंकर झा के रूप में हुई है। जिन्हें मंगलवार को अपराधियों ने शरीर कई जगहों पर चाकू से हमला किया। वारदात के बाद सभी फरार हो गए। स्थानीय लोगों की नजर पड़ी तो पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर पहुंची मनियारी थाने की पुलिस ने एसकेएमसीएच में भर्ती कराया। जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। जिसके बाद अस्पताल में शहर के तमाम पत्रकार पहुंचे। सभी में काफी आक्रोश रहा। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने छानबीन शुरू कर दी है। मनियारी थाना के दारोगा ने कहा पुलिस टीम गश्ती कर रही थी। इस दौरान सूचना मिला कि एक व्यक्ति को चाकू मार दिया है। मौके पर टीम पहुंची तो व्यक्ति की सांस चल रही थी। जिसके बाद उसे एसकेएमसीएच लाया गया। डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। घटना का कारण अभी तक कुछ स्पष्ट नहीं हो पाया है।

बंगाल निवासी को स्कॉर्पियो ने रौंदा, मौत

आरा(भोजपुर), एजेंसी। भोजपुर जिले के बिहिया थाना क्षेत्र के भड़सरा गांव में मंगलवार की देर शाम स्कॉर्पियो ने पश्चिम बंगाल निवासी एक मजदूर को टक्कर मार दी। हादसे में उसकी मौत हो गई। इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाने के दौरान उसने रास्ते में ही दम तोड़ दिया। घटना को लेकर लोगों के बीच अफरा-तफरी का आलम रहा। जानकारी के अनुसार मृतक पश्चिम बंगाल के पुरुलिया जिला के रघुनाथपुर थाना क्षेत्र के खजरा गांव निवासी धीरेन बउरी का 32 वर्षीय पुत्र गौतम बउरी है एवं वह पेशे से मजदूर था। वह वर्तमान में शाहपुर थाना क्षेत्र के बनाही गांव में किराए का मकान लेकर रहता था एवं मजदूरी का काम करता था। इधर, मृतक को इलाज के लिए अस्पताल लेकर आए स्थानीय मो.अख्तर आलम ने बताया कि वह सब्जी खरीदने के लिए भड़सरा गांव जा रहे थे। जैसे ही भड़सरा गांव के समीप पहुंचे। तभी विपरीत दिशा से आ रही एक स्कॉर्पियो ने टक्कर मार दी। जिससे वह गंभीर रूप से जख्मी हो गया। इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाया गया। जहां चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया। सूचना सदर अस्पताल में पदस्थापित पुलिस पदाधिकारी को दी गई। सूचना पाकर पुलिस सदर अस्पताल पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर उसका पोस्टमॉर्टम सदर अस्पताल में करवाया। बताया जाता है कि मृतक के परिवार में पत्नी शिखा बउरी और एक बेटी समा बउरी है।

मसौढ़ी में चोरी के सात मोबाइल जब्त, दो गिरफ्तार

पटना, एजेंसी। नदौल में मंगलवार को पुलिस ने छापेमारी कर चोरी के सात मोबाइल के साथ एक बदमाश और एक दुकानदार को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार दुकानदार दीपक कुमार जहानाबाद के मोकर दौलतपुर गांव निवासी स्व. कृष्ण प्रसाद का पुत्र है। वह नदौल बाजार में गुमटीनुमा दुकान चलाता है। दुकान में वह चोरी का मोबाइल खरीदकर बेचता था। थानाध्यक्ष विजय कुमार यादवेंदु ने बताया कि मोबाइल चोर निखिल कुमार नदौल पचपनपर गांव निवासी पप्पू यादव का पुत्र है जो ट्रेनों के यात्रियों के अलावा राहगीरों का मोबाइल छिनतई धंधा करता था। उन्होंने बताया कि इस संदर्भ में शिकायत मिलने पर पुलिस टीम ने पचपनपर निवासी चोर निखिल कुमार को चोरी का बिना सीम मोबाइल के साथ दवोचा गया। पुछताछ में अपराध स्वीकारोक्ति बयान में बताया कि चुराई गई मोबाइल को दीपक कुमार नामक दुकानदार को बेचता है। निखिल के निशानदेही पर बिना सीम का छह चुराई गई मोबाइल दीपक के दुकान से बरामद हुआ। गिरफ्तार मोबाइल चोर ने पुलिस को बताया कि मोबाइल छिनतई कर सीम निकाल कर फेंक देते थे। मसौढ़ी? थाने में सब इंस्पेक्टर जया कुमारी के बयान पर प्राथमिकी दर्ज कर गिरोह के अन्य अपराधियों के बारे में छानबीन की जा रही है।

बिहार में मॉनसून के दौरान आसमान से बरसी आफत, वज्रपात से एक दिन में 7 लोगों की मौत

भागलपुर, एजेंसी। बिहार में मॉनसून सीजन शुरू होते ही वज्रपात से मौतों का सिलसिला भी शुरू हो गया है। बीते 24 घंटे के भीतर राज्य में ठनका गिरने से 7 लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में एक महिला और एक बच्चा भी शामिल है। खराब मौसम के दौरान वज्रपात की चपेट में आने से भागलपुर और मुंगेर जिले में मंगलवार को दो-दो लोगों की जान चली गई। जमुई, पूर्वी चंपारण और पश्चिम चंपारण जिले में एक-एक शख्स की मौत हुई। इससे पहले सोमवार को भी बिहार में ठनका से 5 लोगों ने दम तोड़ा था। जानकारी के मुताबिक पूर्वी चंपारण जिले की चरगाहा पंचायत स्थित परशुरामपुर में खेत से लौट रहे 10 साल का बच्चा अपनी मां के सामने ही ठनका की चपेट में आ गया। उसकी मौके पर ही मौत हो गई। पड़ोस के पश्चिम चंपारण जिले के कंगली थाना स्थित वार्ड 12 में मंगलवार सुबह आकाशीय बिजली गिरी। इसकी चपेट में आने से घर के दरवाजे पर बैठी ममता देवी (22) की मौत हो गई। उसके साथ बैठी बड़ी बहन की बेटी सनवेदा जख्मी हो गई। मुंगेर जिले के टेटिया बंबर प्रखंड क्षेत्र में वज्रपात की चपेट में आने से पतघाघर निवासी 30 वर्षीय बौनू यादव की मौत हो गई। इसी जिले में गंगा पार दियारा से घर लौटने के दौरान ठनका गिरने से कल्याणटोला भेलवा गांव निवासी दिनेश सिंह की जान चली गई। सिमुलतला में दोस्तों के साथ जामुन बीनने गए 7 साल के बच्चे की वज्रपात की चपेट में आने से मौत हो गई।

मॉनसून ने पकड़ी स्पीड, 48 घंटे के भीतर पूरे बिहार में झमाझम बारिश का अलर्ट

भागलपुर जिले के नाथनगर स्थित दराधी बहादुरपुर में आकाशीय बिजली गिरने से खेत में फसल देखने गए किसान संजीव दास की मौत हो गई। इसी जिले के कहलगांव में अमडंडा थाना इलाके के माधोपुर बथानी पंचायत स्थित पेरियक गांव में खेत में काम कर रहे एक किसान की ठनका की चपेट में से जान चली गई।

सड़क हादसे में नवादा के व्यक्ति की नालंदा में मौत, गलत दिशा से आ रहे वाहन ने रौंद डाला

नालंदा, एजेंसी। नवादा के अधेड़ की इलाज के दौरान नालंदा के पावापुरी मेडिकल कॉलेज में मंगलवार को मौत हो गई। मृतक की पहचान नवादा जिला के काशीचक थाना क्षेत्र अंतर्गत महरथ गांव निवासी स्वर्गीय रामस्वरूप पासवान के (55) वर्षीय पुत्र राज बलम पासवान के रूप में की गई है। देर शाम परिजन पुलिस की मदद से शव के पोस्टमॉर्टम को लेकर बिहार शरीफ सदर अस्पताल पहुंचे। घटना के संबंध में मृतक के भतीजे ने बताया कि उसके चाचा मंगलवार की सुबह शौच के लिए खेत की तरफ जा रहे थे। जैसे ही वह घर से सड़क पर निकले अनियंत्रित चार पहिया वाहन जो वारसलीगंज की तरफ से आ रहा था। वह रॉन्ग साइड में आकर कुचल दिया और वहां से फरार हो गया। जख्मी हालत में उन्हें इलाज के लिए पावापुरी मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया। जहां देर शाम इलाज के क्रम में उनकी मौत हो गई।

मजदूरी कर परिवार का कर रहे थे भरण-पोषण: मौत की सूचना स्थानीय पुलिस को दी गई। इसके बाद पावापुरी ओपी पुलिस मेडिकल कॉलेज पहुंच शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए बिहार शरीफ सदर अस्पताल भेज दिया। राजबलम पासवान मजदूरी कर अपने घर परिवार को चला रहे थे। पावापुरी ओपी प्रभारी रवि कुमार गुप्ता ने बताया कि परिजनों के फर्द बयान पर एफआईआर दर्ज कर संबंधित थाना को भेज दिया जाएगा।

'आपातकाल भारतीय लोकतंत्र का काला दिवसपर व्याख्यान आयोजित

गोपालगंज, एजेंसी। भाजपा जिला कार्यालय पर मंगलवार को आपातकाल भारतीय लोकतंत्र का काला दिवस विषय पर व्याख्यान सह जेपी सेनानी सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह को संबोधित करते हुए भाजपा बिहार प्रदेश महामंत्री जगन्नाथ ठाकुर ने कहा कि आज ही के दिन 1975 में तत्कालीन इंदिरा गांधी सरकार ने अपने हाथ से सत्ता निकलने के डर से भारतीय संविधान और लोकतंत्र की हत्या कर देश को आपातकाल की आग में झोंक दिया था। आम नागरिक से लेकर प्रेस की अभिव्यक्ति के अधिकार को कुचला गया था। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष संदीप गिरि ने की। संचालन महामंत्री राजेश सहनी ने किया। धन्यवाद ज्ञापन कार्यक्रम के सहप्रभारी राजू कुशवाहा ने किया। कार्यक्रम में जेपी सेनानी हरिनारायण सिंह साधुशरण पांडे, मुकुल शर्मा, परमात्मा सिंह, शंभूनाथ पाण्डेय, पृथ्वीनाथ तिवारी आदि लोगों को सम्मानित किया गया। व्याख्यान समारोह को मुख्य रूप से भाजपा नेता रवि प्रकाश मणि त्रिपाठी, मारकंडे राय शर्मा, विनोद कुमार, सुभाष सिंह तोमर, ओम प्रकाश सिंह, शिवकुमार उपाध्याय, प्रमोद गुप्ता, अरविंद महतो, प्रकाश लाल, डॉ. राजेश वर्नवाल, अनुज सिंह, सत्येंद्र सैनिक, चंदन तिवारी, शंभूनाथ तिवारी, चंद्रेश सिंह आदि ने संबोधित किया।

बच्चों को मिला एफएलएन किट

मोतिहारी/आदापुर, एजेंसी। प्रखंड के अधिकांश विद्यालयों में एफएलएन किट्स नही बांटे गए है,जिससे बच्चों की पढ़ाई विधिवत नही हो रही है। कही छात्र अनुपात में कम बैग आदि मिले है तो कही पूरे मिलने के बाद भी नही बांटा जा सका है। इस मुद्दे को आपके आने अखबार दैनिक हिन्दुस्तान ने प्रमुखता से प्रकाशित की थी। बखतौरा स्कूल की खबर छपने के बाद प्रखंड के अधिकांश विद्यालयों में एफएलएन किट्स मंगलवार को वितरित किया गया। इसी कड़ी में उमावि बरवा के छात्र छात्राओं के बीच प्रभारी एचएम सोनालाल प्रसाद ने एफएलएन कीट का वितरण किया। उपस्थित शिक्षकों द्वारा अपने अपने वर्गो के छात्र छात्राओं की सूची और उपस्थिति के आधार पर मौजूद बच्चों के बीच एफएलएन किट्स वितरण किया गया।इस किट्स में बैग,पानी के बोतल,पूरे एक दर्जन एचबी पेंसिल के सेट,विषय वार कॉपी, कटर,रबर,स्लेट,स्कूल डायरी शामिल थे। एचएम सोनालाल प्रसाद ने बताया कि स्कूल के सभी बच्चों को एफएलएन किट्स मुहैया कराया जा रहा है।

बिहार में पुलिसकर्मियों की बालू माफिया से साठगांठ, ऑडियो वायरल होने के बाद दारोगा समेत 7 सस्पेंड

छपरा , एजेंसी। बिहार के छपरा में बालू माफिया से साठगांठ के आरोप में 7 पुलिसकर्मियों पर गाज गिरी है। सारण एसपी कुमार आशीष ने बालू माफिया से गठजोड़ रखने के आरोप में भगवान बाजार थाने में तैनात दारोगा (एसआई) समेत 7 पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया है। इस संबंध में आधिकारिक आदेश जारी कर दिया गया है। इन सभी के खिलाफ विभागीय कार्रवाई भी चलेगी।

आरोप है कि ये सभी पुलिसकर्मी अवैध वसूली करके बालू लदी गाड़ियों को चेक पोस्ट पार करवा रहे थे। पुलिस पदाधिकारी और अन्य जवानों का एक ऑडियो क्लिप भी वायरल हुआ था। वायरल ऑडियो के बाद सारण एसपी ने मामले में जांच के आदेश दिए थे। जांच में सही पाए जाने पर भगवान बाजार थाने के एसआई अजीत प्रसाद, एएसआई किरण कुमारी, सिपाही मनोज कुमार, सरिता कुमारी, नेहा कुमारी, सिम्मी कुमारी, सैप जवान चालक संतोष कुमार और श्याम किशोर सिंह को सस्पेंड कर दिया गया। एसपी ने बताया कि इन लोगों को नोटिस भेजकर जवाब मांगा गया था। लेकिन, संतोषजनक जवाब नहीं मिलने के कारण कार्रवाई की गई है। बता दें कि सारण जिले में इसके पहले भी कई पुलिस पदाधिकारी और जवानों पर बालू माफिया से साठगांठ करने के मामले में कार्रवाई हो चुकी है।

दूसरी ओर, बिहार सरकार ने बालू माफिया पर नकेल कसने के लिए सख्ती बरती है। बालू की बिक्री का सिस्टम ऑनलाइन मोड में कर दिया गया है। वहीं, पटना स्थित सचिवालय में कमांड

कंट्रोल सेंटर भी खोला गया है, जहां से प्रदेश भर के बालू घाटों की निगरानी की जाएगी। यह सेंटर 24 घंटे काम करेगा।

डीएम ने संवेदनशील कटाव स्थलों का किया निरीक्षण

गोपालगंज, एजेंसी। जिले में संभावित बाढ़ को देखते हुए जिला प्रशासन के पदाधिकारियों की टीम ने मंगलवार की शाम में गंडक नदी के किनारे बांधों के कटाव संवेदनशील कटाव स्थलों का निरीक्षण किया। डीएम मो. मकसूद आलम के नेतृत्व में टीम ने बरौली प्रखंड के सरफरा, सिकटिया व सलेमपुर और गोपालगंज प्रखंड के मंगुरहां व जागीरी टोला गांव स्थित बांधों व छरकियों की स्थिति का जायजा लिया। यहां बाढ़ से बचाव को लेकर पूर्व तैयारी को लेकर हुए कार्यों का अवलोकन किया। साथ ही संबंधित अधिकारियों को कई निर्देश दिए। मौके पर एडीएम आपदा प्रबंधक सादुल हसन, बाढ़ नियंत्रण प्रमंडल के कार्यपालक अभियंता प्रमोद कुमार, ओएसडी मंकेश्वर कुमार , बाढ़ नियंत्रण के सहायक अभियंता और बरौल व गोपालगंज के बीडीओ व सीओ आदि मौजूद थे।

चलती ट्रेन में प्रोपर्टी डीलर की गोली मारकर हत्या

पटना, एजेंसी। पटना से गया जा रही चलती ट्रेन में जमीन कारोबारी की गोली मारकर हत्या कर दी गई है। ट्रेन में हुई फायरिंग के बाद यात्रियों के बीच अफरा-तफरी मच गई। अपराधियों ने वारदात को अंजाम मंगलवार की रात साढ़े 10 बजे पटना-गया रेलखंड पर पोठाही और नदवां स्टेशन के बीच नीमा हॉल्ट पर दिया। मर्डर की घटना को अंजाम देने के बदमाश नीमा स्टेशन पर उतरकर आराम से भाग निकले। मृतक की पहचान जगदीश सिंह ऊर्फ भोला शर्मा के रूप में हुई है। भोला शर्मा पटना के मसौढ़ी थाना इलाके के दहिभत्ता गांव के रहने वाले थे।

पटना से घर जा रहे थे भोला शर्मा

जानकारी के मुताबिक भोला शर्मा किसी काम से मंगलवार को पटना आए थे। वो काम निपटाकर मेमू पैसेंजर ट्रेन से अपने घर मसौढ़ी लौट रहे थे। पोठही स्टेशन पर अपराधी भी उसी ट्रेन में चढ़े और भोला शर्मा को ढूंढने लगे। नीमा हॉल्ट के पास अपराधियों ने भोला सिंह को ट्रेन में ढूंढ लिया और गोली मारकर हत्या कर दी।

11 जून को भी हुआ था हमला

जानकारी के मुताबिक भोला शर्मा जमीन का कारोबार करते थे। 11 जून को बदमाशों ने तीन राउंड फायरिंग की थी। गोलीबारी में एक गाली हाथ में लगी थी। बताया जाता है कि प्रोपर्टी को लेकर उनकी कुछ लोगों से अदावत चल रही थी। 2 हफ्ते पहले भोला शर्मा ने अपने बड़े भाई चंद्रभूषण शर्मा पर जमीन विवाद में फायरिंग करवाने का आरोप लगाते हुए मसौढ़ी थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई थी।

कई स्कूलों में देरी से शुरू हुई परीक्षा

मोतिहारी/आदापुर, एजेंसी। प्रखंड के हाई स्कूलों में मंगलवार से मासिक परीक्षा की शुरुआत हुई। रिमझिम बारिश के बीच बच्चे भींगते भागते विद्यालय पहुंचे और मासिक मूल्यांकन परीक्षा में हिस्सा लिये। यह परीक्षा सुबह की पहली पाली में साढ़े छह बजे से आठ बजे तथा साढ़े आठ बजे साढ़े दस बजे तक चली। कुछ विद्यालयों में बारिश की वजह से पहली पाली की परीक्षा बिलंब से शुरू हुई । उमावि लक्ष्मीपुर में वर्ग नौ में 89 और वर्ग दस में 21 छात्र छात्रा उपस्थित हुए।वर्ग नौ की छात्रा अंजली कुमारी, दीपांजलि कुमारी, करण कुमार और रोहित कुमार आदि ने बताया कि विज्ञान और सामाजिक विज्ञान में पूछे गए प्रश्न काफी आसान थे।एचएम अरबिंद कुमार ने बताया कि प्रश्न पत्र सभी बच्चों को हस्तगत करा दिया गया और छात्रों ने उसका हल भी आसानी से कर लिया।

मानसून की पहली बारिश में सब्जी हाट हुआ पानी-पानी

मुंगेर/तारापुर, एजेंसी। मानसून की पहली बारिश से लोगों ने उमस भरी गर्मी से जहां राहत मिली है। वहीं किसानों के मुरझाये चेहरे खिल उठे हैं। जबकि तारापुर का सब्जी हाट कुछ देर के लिए हुई बारिश में पानी-पानी हो गया।

हाट में जलजमाव के कारण दुकानदारों के साथ ग्राहकों को परेशानी का सामना करना पड़ा। सब्जी हाट के पुराने कुंआ के समीप जल का अधिक जमाव होने से आने-जाने वाले लोगों को काफी परेशानी हुई। स्थानीय दुकानदारों ने बताया कि वर्षा होने से सबसे ज्यादा पानी का जमाव यहीं होता है। पानी की निकासी की व्यवस्था नहीं है।

नशा मुक्ति अभियान को लेकर रन फॉर ड्रग्स फ्री झारखंड मैराथन दौड़ का आयोजन

रांची एक्सप्रेस संवाददाता कोडरमा उपायुक्त कोडरमा मेघा भारद्वाज के निर्देशानुसार कोडरमा जिले में मादक पदार्थों के विरुद्ध व्यापक जन जागरूकता अभियान को लेकर कई कार्यक्रमों का आयोजन कर आमजनों को नशा मुक्ति के संबंध में जागरूक किया जा रहा है। इसी क्रम में बुधवार को महाराणा प्रताप चौक से नशा मुक्ति अभियान को लेकर रन फॉर ड्रग्स फ्री झारखंड मैराथन दौड़ का आयोजन किया गया। जिला खेल विभाग द्वारा आयोजित इस मैराथन दौड़ में बड़ी संख्या में लोग शमिल हुए। साथ ही संकल्प लिया गया कि नशा करने से रोकने व स्वयं को रोकने एवं अन्य को भी रोक में प्रोत्साहन करने का काम किया जायेगा। युवा वर्ग तथा अगली पीढ़ी को नशा की चपेट में जाने से रोकने का आह्वान किया गया। लोगों से अपील की गई कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में लोगों को मादक पदार्थों के सेवन के दुरुपयोग से अवगत करवाया जाए। मैराथन दौड़ में बालक वर्ग में प्रथम स्थान पर उदय, द्वितीय स्थान पर ललन और तृतीय स्थान पर अमित रहा। वहीं बालिका वर्ग में प्रथम स्थान पर ब्यूटी कुमारी, काजल कुमारी द्वितीय स्थान पर और तृतीय स्थान पर प्रियंका कुमारी रही। सभी विजेताओं को मेडल प्रदान किया गया। इस मौके पर डीपीएम जेएसएलपीएस जेवियर एक्का, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार और खेल विभाग के कर्मी मौजूद रहे।

तिलैया बस्ती में वज्रपात से दो बच्चों सहित एक बकरी की हुई मौत

रांची एक्सप्रेस संवाददाता तिलैया बस्ती वार्ड नंबर 4 में वज्रपात होने से दो बच्चों की हुई मौत, बच्चे की पहचान उमेश कुमार दास उम्र 13 साल पिता गाजी दास, तथा दूसरे का नाम आयुष कुमार उम्र 12 साल पिता राजू दास है । घटना के बारे में परिजन से पूछे जाने पर उन्होंने बताया कि ये दोनो बच्चे आम के पेड़ के पास खेल रहे थे पास में बकरी भी चार रही थी। दोपहर 1ः 30 बजे के करीब बारिश होने की संभावना हो गई आसमान में बादल छा गया और गर्जना होने लगी साथ में हल्की बारिश भी शुरू हो गई थी, बच्चे पेड़ के पास जाकर खड़े हो गए । इसी बीच बिजली की तेज गरजाना के साथ एक चमक गिरा जिसमें दोनों बच्चे की घटना स्थल पर ही मौत हो गई एवं बगल में चर रही बकरी की भी मौत हो गई । आसपास हल्ला होने पर दोनो बच्चों को आनन फानन में सदर अस्पताल कोडरमा लाया गया जहां पर डॉक्टरों ने दोनों बच्चों को एग्जामिन करने के बाद मृत घोषित कर दिया। झुमरी तिलैया पुलिस को खबर लगने पर दोनों बच्चों को अपने कब्जे में कर पोस्टमार्टम के लिए ले गए। एवं पोस्टमार्टम के बाद दोनों के शव को परिजनों को सौंप दिया। इस घटना से दोनों परिवारों के साथ साथ पूरे गांव में मातम छा गया, एक साथ मोहल्ले में दो बच्चों की इस तरह दर्दनाक मौत होने से पूरा गांव हक्का-बक्का हो गया है। दोनों परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है।

महिला मरीज की जान बचाने के लिए रितेश ने किया अपने जीवन का 79 बार किया रक्तदान

रांची एक्सप्रेस संवाददाता झुमरी तिलैया। आज भले हीं विज्ञान कितना हीं तरक्की कर लिया हो, पर आज भी अगर किसी मरीज के शरीर में रक्त की भरी कमी पड़ जाती है तो उसके लिए किसी इंसान को आगे आ कर इन मरीज के लिए अपना रक्तदान करते हैं। रक्त की कमी पीडीएनई पर वर्तमान में विज्ञान के पास रक्तदान के अलावा दूसरा कोई और चारा अब तक नहीं बन सका है। इसी कड़ी में बुधवार को कोडरमा जिले के डोंईयांडीह की रहने वाली हीं एक गर्भवती महिला मरीज के लिए, पॉजिटिव रक्त की आवश्यक्ता आन पड़ी, पर ब्लड बैंक में, पॉजिटिव रक्त नहीं रहने की वजह से उक्त आरिज के परिजन काफी परेशान थें। जिसकी सूचना मिलते हीं उक्त महिला मरीज के लिए रक्त मुहैया करवाने के लिए कोडरमा जिले के समाजसेवी रक्तदाता रितेश माधव जी ने अपना रक्त उक्त मरीज को मुहैया करने की बात उक्त मरीज के परिजनों को कही। जिसके बाद रितेश माधव ने उक्त मरीज के लिए रक्त मुहैया करने के लिए सदर अस्पताल स्थित ब्लड बैंक पहुंच कर अपना रक्त उक्त मरीज के लिए दान किया। इस रक्तदान के साथ यह रक्तदान रितेश माधव के लिए 79वा रक्तदान रहा। रितेश माधव ने बताया की आज कोडरमा ब्लड बैंक हर रोज कई मरीजों की जान निशुल्क बचा रही है, अगर ब्लड बैंक में आपकी जरूरत के निसार रक्त ब्लड बैंक में है तो आपको सिर्फ उस रक्त के बदले दूसरा किसी भी ग्रुप का रक्त दे कर आप वह ग्रुप का रक्त ले सकते हैं।

भारतीय जनता पार्टी ने इंदिरा गांधी द्वारा लगाए गए आपातकाल का किया तीव्र विरोध

रांची एक्सप्रेस संवाददाता झुमरी तिलैया भारतीय जनता पार्टी कोडरमा जिला द्वारा इंदिरा गांधी ने आपातकाल का काला अध्याय लिखा उसको लेकर विवेक विला झुमरी तिलैया में एक संगोष्ठी हुई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व सांसद यदुनाथ पांडेय उपस्थित हुए। बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष अनूप जोशी तथा संचालन कार्यक्रम संयोजक मानिकचंद सेठ एवं सह संयोजक सुभाष मोदी ने किया। डॉ यदुनाथ पाण्डेय ने कहा कि 25 जुन 1975 में लगाए गए आपातकाल की 49 वीं वर्षगांठ पर भाजपा उस काले अध्याय की कड़ी आलोचना करती है द्य तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के उस निर्णय को लोकतंत्र पर हमला करार देते है। आपातकाल के दौरान हुई ज्यादतियों और नागरिक अधिकारों के हनन ÷25 जून 1975 का दिन भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में एक काला दिन है। इंदिरा गांधी ने अपनी सत्ता को बचाने के लिए देश पर आपातकाल थोप दिया द्य जिससे लाखों निर्दोष लोग प्रभावित हुए। पहले देश में लोकसभा विधानसभा का चुनाव एक साथ होता था, लेकिन कांग्रेस ने

356 धारा का दुरुपयोग कर राज्य सरकार गिराई द्य जिसके चलते मध्यवती चुनाव होने लगे। शाहबानो के केस में भी कांग्रेस ने संविधान का मजाक बनाया। कांग्रेस शुरू से विधायिका की आड़ में संविधान की धज्जियां उड़ाते आई है। जिला अध्यक्ष अनुप जोशी ने कहा कि आपातकाल के दौरान प्रेस की स्वतंत्रता को कुचला गया, विरोध की आवाजों को दबाया गया और हजारों राजनीतिक कार्यकर्ताओं को बिना किसी कारण जेल में डाला गया। यह एक तानाशाही निर्णय था जिसे किसी भी सूरत में उचित नहीं ठहराया जा सकता। भाजपा नेता व पूर्व जिला अध्यक्ष नितेश चंद्रवंशी ने कहा कि भाजपा ने आपातकाल की वर्षगांठ पर देशभर में काला दिवस मनाया , जिसमें नागरिकों को जागरूक करने और उस समय के अत्याचारों को याद करने का प्रयास किया गया। पार्टी कार्यकर्ताओं ने रैलियों और संगोष्ठियों के माध्यम से आपातकाल की आलोचना की और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा का संकल्प लिया। भाजपा नेता रमेश सिंह, विष्णु वर्णवाल, तापस कांति देव, सुभाष जैन, विनोद भदानी दिनेश्वर प्रसाद, आर पी गॉधी ने भी आपातकाल के बारे में अपने-अपने अनुभव साझा किया। इमरजेंसी के कार्यकाल में जो साथी अब नहीं रहे उनके लिए दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी गई। कार्यक्रम में उपस्थित जिला महामंत्री शिवेंद्र नारायण सिन्हा ,राजकुमार यादव,जिला उपाध्यक्ष देवनारायण मोदी,जुहीदास गुप्ता,शशि भूषण प्रसाद ,जिला मीडिया प्रभारी चंद्रशेखर जोशी, युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष सूरज प्रताप मेहता, किसान मोर्चा जिला अध्यक्ष गोपाल कुमार गुतुल, अल्पसंख्यक मोर्चा जिला अध्यक्ष अरशद खान,कोडरमा ग्रामीण मंडल अध्यक्ष दिनेश सिंह, नरेंद्र पाल, सत्यनारायण यादव, धीरज जोशी,प्रोफेसर बीएनपी बर्णवाल ,पंकज मोदी, नारायण सिंह,नगर मंडल महामंत्री नवीन चौधरी,पिन्टु मजुमदार, अनुराग सिंह,सुधीर सेठ, हरी पंडित,पियूष सहल, नवीन जैन,अंकित गुप्ता, उपेन्द्र दुबे, राजकिशोर प्रसाद, विरेन्द्र कराटे,प्रदीप सुमन,रीता लोहानी सुनिती सेठ, रेखा भदानी, सुषमा सुमन, भैरों प्रसाद, कुंज बिहारी त्रिवेदी, कमलेश शर्मा,प्रिमान्सु कुमार ,राजकुमार पंडित, अखिलेश पाण्डेय,अरविन्द मोदी, अनिल सिंह,ज्योति पहाड़ी, शंकर मोदी, आदि कार्यक्रम में उपस्थित हुए।

45 झारखंड बटालियन एनसीसी 10 दिवसीय संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर में दिनड्रिल मैप रीडिंग,टेंट पिचिंग, फायरिंग फील्ड क्राफ्ट,बैटल क्राफ्ट का दिया जा रहा है प्रशिक्षण

रांची एक्सप्रेस संवाददाता कोडरमा हजारीबाग ग्रुप हेड क्वार्टर एनसीसी के तत्वाधान में राजकीय पॉलिटेक्निक कोडरमा में 45 झारखंड बटालियन एनसीसी कोडरमा के कर्नल विजय कुमार,सेना मेडल के नेतृत्व में 10 दिवसीय संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर के तीसरे दिन राज्य भर से आए 540 एनसीसी कैडेट को ड्रिल मैप रीडिंग,टेंट पिचिंग, फायरिंग फील्ड क्राफ्ट,बैटल क्राफ्ट का विशिष्ट प्रशिक्षण दिया जा रहा है। कर्नल विजय कुमार,सेना मेडल ने फायरिंग और ड्रिल के प्रशिक्षण पर काफी जोर दिया हथियार चलाने और उसके रखरखाव की जानकारी रहने पर क्या कैडेट अपने देश की सुरक्षा के लिए भी समय आने पर अपना योगदान दे सकेंगे। संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर के अंतर्गत इंटर ग्रुप बैनर प्रतियोगिता के तहत कर्तव्य पथ प्रधानमंत्री रैली गार्ड ऑफ़ ऑनर फ्लैग एरिया के प्रतिभागियों को कठिन प्रशिक्षण दिया जा रहा है। डिप्टी कैंप कमांडेंट व्याख्याता सह एनसीसी ऑफिसर लेफ्टिनेंट संतोष कुमार के द्वारा फ्लैग एरिया की विशेष जानकारी दी जा रही है। सैनिक स्कूल तिलैया के एनसीसी ऑफिसर विकास कुमार एवं एनसीसी ऑफिसर संतोष प्रसाद तथा 22 बटालियन की गर्ल्स कैडेट इंस्ट्रक्टर के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की तैयारी कराई जा रही है। बटालियन के सूबेदार मेजर रमेश कुमार राय के द्वारा प्रशिक्षण संबंधित कार्यों को निर्धारित समय पर कैडेटों के रखरखाव साफ-सफाई पर विशेष ध्यान रखा जा रहा है। संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर के सहभागी सूबेदार आलोक कुमार,सूबेदार एएन ठाकुर, सूबेदार एसबी भगत नायब,सूबेदार चंद्रहार नायक,सूबेदार घसीटाराम, हवलदार विकास कुमार,हवलदार रंजन कुमार,बटालियन हवलदार मेजर मनोज कुमार,हवलदार नाग प्रधान, सहायक राम उचित कुमार,सहायक सिद्धार्थ कुमार,सहायक रोहित कुमार सिंह अपना-अपना महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं।

अखिल भारतीय किसान सभा का दूसरा जिला सम्मेलन संपन्न,महेश प्रसाद सिंह जिला अध्यक्ष एवं जिला सचिव बने मोहम्मद सलीम

रांची एक्सप्रेस संवाददाता

झुमरी तिलैया अखिल भारतीय किसान सभा जिला कमिटी कोडरमा का दूसरा जिला सम्मेलन साहू धर्मशाला झुमरी तिलैया में संपन्न किया गया। सम्मेलन के पूर्व वरिष्ठ साथी कामरेड काली सिंह ने झंडा तोलन किया तत्पश्चात सारे साथियों ने पुष्पांजलि किया । सम्मेलन की अध्यक्षता किसान नेता महेश प्रसाद सिंह एवं रामेश्वर यादव ने किया सम्मेलन को उद्घाटन करते हुए जिप सदस्य महादेव राम ने कहा कि झारखंड में जल जंगल जमीन का लूट हो रहा है जिस दल की सरकार बन रही है किसानों के साथ धोखा दे रही है प्रत्येक वर्ष लाखों किसान विस्थापित हो रहे हैं गैरमजरूवा जमीन का रसीद नहीं कट रहा है सरकार झारखंड के किसानों से गैर मजरूआ जमीन जबरन छीन रही है, जबकि छोटा नागपुर टेनेंसी एक्ट 1908 में बना है इस एक्ट के तहत किसानों को किसानों को लरूभूमि पर अधिकार दिया है फिर भी सरकार बड़े-बड़े पूंजी पत्तियों को कलकारखाने लगाने के लिए जमीन छीना जा रहा है। इसके खिलाफ किसानों को संघर्ष करने की आवश्यकता है । सम्मेलन को संबोधित करते हुए भाकपा जिला मंत्री प्रकाश रजक ने कहा कि झारखंड में विगत 3 वर्षों से वर्षा नहीं हो रही है जिसके कारण किसानों की स्थिति दयनिय हो रही है केंद्र एवं राज्य सरकार किसानों के प्रति गंभीर नहीं है सिंचाई के अभाव में किसान दूसरे राज्यों में पलायन कर रहे हैं। कोडरमा जिले तिलैया डैम का पानी बंगाल जा रहा है अगर तिलैया डैम का पानी रोक कर कोडरमा जिले के किसानों को पानी दिया जाता तो किसान खुशहाल हो जाते किसानों की स्थिति सुधर जाती लेकिन जिला प्रशासन तथा सरकार उदासीन है। किसान सभा जल्द ही तिलैया डैम के पानी रोक कर किसानों के खेतों में देने गैर मजरूआ जमीन का रसीद काटने तथा किसानों का कर्ज माफ करने सुलभ तरीके से यूरिया एवं डीएपी देने आदि सवालों को लेकर आंदोलन किया जाएगा। सम्मेलन को संबोधित करते हुए किसान नेता महेश प्रसाद सिंह ने कहा कि किसानों को सत प्रतिशत अनुदानित दर पर धान का बीज वितरण करने की आवश्यकता है। पिछले कई वर्षों से फसल बीमा का पैसा बकाया है जिसे शीघ्र भुगतान करने की आवश्यकता है। 15 सदस्यों की कमिटी बनाई गई और सर्वसम्मत से महेश प्रसाद सिंह को किसान सभा का जिला अध्यक्ष बनाया गया वहीं जिला सचिव मोहम्मद सलीम को बनाया गया सम्मेलन को अखिल भारतीय नौजवान संघ के जिला सचिव कयूम उद्दीन तामेश्वर पंडित प्रमुख वीरेंद्र यादव अंचल मंत्री अर्जुन यादव विनोद पासवान दशरथ पासवान काली सिंह ब्रह्मदेव राणा चिदानंद पांडे रामेश्वर यादव हबीबी मियां ने भी संबोधित किया सम्मेलन में कामेश्वर पंडित डेगलाल यादव रंजीत भारती रामकृष्ण शर्मा रामचंद्र रजक वासुदेव पासवान दशरथ पासवान किशोर कुमार चौधरी रामजन्म सिंह दिनेश पासवान युगेश प्रसाद यादव रामस्वरूप शर्मा उमेश पंडित किशुन दास मोहम्मद मंसूर तुलसी पासी गुरूसाई पंडित बलवा देवी फरजाना खातून सीता देवी हसीना खातून सितवा देवी आदि लोग मौजूद थे धन्यवाद ज्ञापन युगेश प्रसाद यादव।

अंतर्राष्ट्रीय नशा मुक्ति दिवस के अवसर पर कैपिटल विश्वविद्यालय के परिसर में सेमिनार का आयोजन

रांची एक्सप्रेस संवाददाता

झुमरी तिलैया 26 जून 2024 को कैपिटल विश्वविद्यालय के परिसर में अंतर्राष्ट्रीय नशा मुक्ति दिवस का आयोजन किया गया। इस सेमिनार की शुरूआत दीप प्रजवल्लित एवं छात्रा मासूमा तथा प्रिया कुमारी के स्वागत नृत्य के साथ की गई। मंच का संचालन जमिल अंसारी द्वारा किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में डॉ0 मीरा बिमल तथा उनके सहयोगियों भगवान दास, प्रेम बिमल, पुष्पा कुमारी, चंद्रिका प्रसाद को बुलाया गया जो कि प्रेम रावत जी के शांति शिक्षा कार्यक्रम से जुड़े हुए हैं। अतिथियों का स्वागत पुष्प गुच्छ तथा शॉल देकर की गई। इस सेमिनार की शुरूआत प्रेम रावत जी की पी.पी.टी द्वारा की गई। यह प्रशिक्षण तीन मार्गदर्शक सिद्धांतो पर आधारित है 1. खुद को जानें, 2. अपने जीवन को सचेत रूप से जिए, 3. कृतज्ञता से भरा दिल रखें। इस सेमिनार का मुख्य उद्देश्य यह बताना था कि हम अपनी भाग-दौड़ की जिंदगी में भी शांति प्राप्त कर सकते हैं जैसे हमारे जीवन के लिए श्वास जरूरी है उसी प्रकार हमारे जीवन में शांति का होना भी बहुत जरूरी है। साथ ही साथ यह दिन हमारे समाज के लिए एक महत्वपूर्ण संदेश लेकर आता है। एक ऐसा समाज बनाने का, जो नशीली दवाओं के दुरूपयोग से मुक्त हो और सभी के लिए सुरक्षित हो। जैसा कि हमलोग जानते है कि नशीली दवाओं का दुरूपयोग न केवल व्यक्तिगत जीवन को बर्बाद करता है, बल्कि पूरे परिवार और समाज को भी प्रभावित करता है। यह स्वास्थ्य समस्याओं, अपराध और सामाजिक अस्थिरता का कारण बनता है। इसके चलते कई युवाओं का भविष्य अंधकारमय हो जाता है और उनकी संभावनाएँ समाप्त हो जाती है। हमारे मुख्य अतिथि मीरा बिमल ने कहा कि हमारे युवाओं को नशीली दवाओं के खतरे से बचाना अत्यंत आवश्यक है। वे हमारे समाज का भविष्य हैं और उनकी सुरक्षा और भलाई हमारी जिम्मेदारी है। हमें उन्हें सही दिशा में मार्गदर्शन देने, स्वस्थ और सकारात्मक जीवन जीने के लिए प्रेरित करने, और नशीली दवाओं के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने की आवश्यकता है साथ ही साथ उन्होंने सभी को शपथ दिलाया कि आज के बाद हम कभी भी किसी तरह का नशा नहीं करेंगे। जिसमें उपस्थित शिक्षक एवं शिक्षिकाएं डॉ0 प्रमोद कुमार, डॉ0 तेज नारायण, प्रो0 सुलोचना नायक, प्रो0 वंदना भदानी, प्रो0 अजय कुमार वर्णवाल, प्रो0 गजाला परवीन, प्रो0 अजय कुमार दांगी, प्रो0 मिथिलेश कुमार यादव, प्रो0 रोहित कुमार, प्रो0 हरिहर वर्णवाल, प्रो0 रोहित कुमार एवं शिक्षिकेत्तर कर्मचारी रिंकु कुमारी, साक्षी कुमारी, पूजा कुमारी, आशीष कुमार सिंह, मनमोहन सिंह, सुनिता, मोनिका तथा सभी छात्र-छात्राओं ने यह शपथ लिया कि आज के बाद हम सभी किसी तरह के नशीली चीजों का उपयोग नहीं करेंगे तथा अपने सगे-संबंधियों का भी इससे होनेवाली हानियों के बारे में अवगत कराएंगे। इस सेमिनार का आयोजन सांस्कृतिक समन्यवक प्रो0 सुलोचना नायक के द्वारा कराया गया। सहायक कुलसचिव प्रो0 वंदना भदानी ने धन्यवाद दिया और हर प्रकार के नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित करते हुए सेमिनार का समापन किया।

मुख्यमंत्री से मिला माकपा का डेलीगेशन संजय पासवान ने ढीबरा का उठाया मुद्दा

रांची एक्सप्रेस संवाददाता कोडरमा - मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी का राज्य स्तरीय डेलीगेशन झारखंड के विभिन्न मुद्दों को लेकर राज्य के मुख्यमंत्री चंपई सोरेन से मिला और कई मुद्दों पर उनसे वार्ता किया। प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व माकपा पोलिट ब्यूरो सदस्य बृंदा करात और राज्य सचिवमंडल सदस्य संजय पासवान ने किया। मुख्यमंत्री से वार्ता के दौरान राजमहल और अमरापाड़ा के कोल परियोजना में विस्थापितों का सवाल, साहेबगंज में अनसर्वे लैंड के कारण विभिन्न प्रमाण पत्र से वंचित रहने का सवाल सहित अन्य मुद्दों को उठाया गया। सीपीएम नेता संजय पासवान ने चतरा में वनभूमि पर वर्षों से रह रहे हजारों भूमिहीन दलितों को वन अधिकार कानून के तहत जमीन का पट्टा देने का आग्रह किया। साथ ही उन्होंने कोडरमा और गिरिडीह का ज्वलंत मुद्दा अभ्रक और ढ़िबरा का सवाल भी उठाया और मुख्यमंत्री को अवगत कराया कि इस क्षेत्र में लाखों मजदूर की रोजी रोजगार ढिबरा पर निर्भर है। पिछले दिनों झारखंड सरकार ने कानून भी बनाया कि जेएसएमडीसी और सहकारी समितियों के द्वारा खरीद की जायेगी और यहां के लोगों के जीवन स्तर में सुधार होगा। लेकिन एक साल बीत जाने के बावजूद यह लागू नहीं हुआ है।

बैजनाथ प्रसाद स्नेही महाविद्यालय के छात्र राजमणि पांडे को उपयुक्त के द्वारा किया गया सम्मानित

रांची एक्सप्रेस संवाददाता कोडरमा स्थित राजकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज के सभागार में एकदिवसीय नशा मुक्ति भारत अभियान कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि कोडरमा उपायुक्त एवं उप उपयुक्त सिविल सर्जन एवं जिला शिक्षा पदाधिकारी, पुलिस अधीक्षक सहित जिला के सभी पदाधिकारी के गरिमा मय उपस्थिति में कार्यक्रम का आयोजन किया गया दीप प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम का शुरुआत हुआ जिसमें जिला के सभी पदाधिकारी एवं विभिन्न कॉलेज के छात्र-छात्राएं उपस्थित हुए ,सभी ने नशा मुक्ति भारत बनाने का संकल्प लिया एवं सभी छात्र-छात्राओं को जागरूक किया गया सभी छात्र-छात्राओं के द्वारा नशा मुक्ति अभियान को लेकर नुक्कड़ सभा कविता भाषण प्रस्तुत किया गया । वहीं बैजनाथ प्रसाद स्नेही महाविद्यालय डोमचांच के छात्र राजमणि पांडे ने नशा मुक्ति अभियान को लेकर भाषण एवं कविता प्रस्तुत किया जिसमें उन्हें प्रथम पुरस्कार उपयुक्त मेघा भारद्वाज के द्वारा प्राप्त हुआ। कार्यक्रम में उपायुक्त के द्वारा नशा से होने वाले नुकसान एवं उसके दुष्प्रभाव के बारे में बताया गया उन्होंने कहा कि नशा करने वाले व्यक्ति का जीवन में कभी विकास संभव नहीं है। कोडरमा पुलिस अधीक्षक ने कहा कि हम सभी को मिलकर इसके विरुद्ध खड़ा होना होगा जहां भी मादक पदार्थ की बिक्री होती है उसका विरोध करना होगा एवं प्रशासन को सूचित करना होगा ताकि उसे पर कार्रवाई हो सके एवं क्षेत्र नशा मुक्त हो सके जिला शिक्षा पदाधिकारी ने कहा कि हम सभी विद्यार्थी मिलकर के संकल्प लेंगे की जीवन में कभी भी नशा का प्रयोग नहीं करेंगे ।

भाजपा-सपा-बसपा हर जगह घमासान

नेताओं की ये अदावत, वेस्ट यूपी में बड़े सियासी नुकसान को दे रही दावत

मेरठ, एजेंसी। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में नेताओं की आपसी अदावत ने सियासत को बेरौनक कर दिया है। लोकसभा चुनाव में हार के बाद प्रमुख राजनीतिक दलों के नेताओं के बीच रार छिड़ी हुई है। भाजपा, सपा और बसपा में प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से आरोप-प्रत्यारोप का दौर चल रहा है। भाजपा में संगीत सोम और संजीव बालियान आमने-सामने हैं तो समाजवादी पार्टी में मेरठ से प्रत्याशी सुनीता वर्मा के पति योगेश वर्मा और सरधना से समाजवादी पार्टी के विधायक अतुल प्रधान के बीच तल्खी भी सामने आ चुकी है। बसपा प्रत्याशी भी अपने साथियों से खफा हैं। कुल मिलाकर इस लोकसभा चुनाव ने कई नेताओं की आपसी और अंदरूनी लड़ाई को बीच चौराहे पर लाकर खड़ा कर दिया है। मुजफ्फरनगर सीट पर हार के बाद भारतीय जनता पार्टी में पूर्व केंद्रीय मंत्री संजीव बालियान और सरधना से पूर्व विधायक संगीत सोम के बीच की लड़ाई सार्वजनिक हो चुकी है। दोनों एक-दूसरे पर जमकर हमला कर रहे हैं। लोकसभा चुनाव के दौरान भी ये बात देखने को मिली थी, जिसका खामियाजा संजीव बालियान को उठाना पड़ा। चुनाव के बाद दोनों के बीच का विवाद खुलकर सामने आ गया और दोनों नेता एक दूसरे पर कीचड़ उछालने लगे।

खास बात यह है कि इस विवाद को खत्म करने की कोशिश अभी तक किसी ने नहीं की है और न ही किसी ने मध्यस्थता कराने का प्रयास किया है। अब संजीव बालियान ने संगीत सोम के घर पर हुई प्रेस कांफ्रेंस में पर्चा बांटकर जो उन पर आरोप लगाए गए थे, उसकी जांच सीबीआई से कराए जाने की मांग केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से कर दी है। इस लड़ाई का अंजाम क्या होता है, यह आने वाला समय बताएगा।

ऐसा नहीं है कि इस सीट पर सिर्फ भाजपा में ही आपसी घमासान मचा है, यहां समाजवादी पार्टी के टिकट पर जीत हासिल करने वाले हरेंद्र मलिक और मेरठ के एक

प्रभावशाली विधायक के बीच भी तल्खी देखने को मिल रही है। हरेंद्र मलिक का कहना है कि हमारी पार्टी के नेताओं ने अगर भितरघात न किया होता तो हमारा जीत का अंतर एक लाख से ऊपर का होता। उन्होंने बिना किसी का नाम लिए कहा कि कम से कम सरधना में संगीत सोम की नाराजगी का जितना नफा हुआ था, उसे पार्टी के कुछ नेताओं की भितरघात ने खत्म कर दिया। सरधना से समाजवादी पार्टी को संजीव बालियान के मुकाबले हरेंद्र मलिक को 45 वोट कम मिले थे।

मेरठ में सपा में भितरघात का लगा आरोप- मेरठ में समाजवादी पार्टी की हार मात्र 10535 वोटों से हुई। समाजवादी पार्टी के योगेश वर्मा की पत्नी सुनीता वर्मा को यहां से हार का सामना करना पड़ा। योगेश वर्मा का कहना था कि वह नाम लेकर किसी का कद नहीं बढ़ाना चाहते, लेकिन सब जानते हैं कि इस चुनाव में किसने साथ दिया और किसने साथ नहीं दिया। एक खास बिरादरी का वोट उन्हें नहीं मिला। दरअसल, यहां से पहले समाजवादी पार्टी ने भानु प्रताप सिंह को अपना उम्मीदवार बनाया था। कहा गया कि भानु प्रताप सिंह का चुनाव उठ नहीं पा रहा है तो उनका टिकट काटकर अतुल प्रधान को दे दिया गया।

इसी दौरान दलितों में विरोध शुरू हो गया कि अगर दलित का टिकट कटा है तो दलित को ही टिकट मिलना चाहिए। नामांकन के बिल्कुल अंतिम समय में समाजवादी पार्टी ने योगेश वर्मा की पत्नी व मेरठ की पूर्व मेयर सुनीता वर्मा को अपना प्रत्याशी बना दिया। इसे लेकर अतुल प्रधान ने नाराजगी जाहिर की। कहा जा रहा है कि गुर्जर समाज का जितना वोट समाजवादी पार्टी को मिलना चाहिए थे, वह नहीं मिला। इसी तरह हापुड़ के सपा के कुछ कार्यकर्ताओं ने किठौर से विधायक शाहिद मंजूर पर सुनीता वर्मा की हार का ठीकरा फोड़ा। हालांकि सपा उम्मीदवार सुनीता वर्मा और उनके पति ने इन आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया।

देवव्रत त्यागी ने भी अपनों से जताई थी नाराजगी- मेरठ में सबसे बुरा हाल बहुजन समाज पार्टी का हुआ। 2019 के चुनाव में 5 लाख 81 हजार वोट पाने वाली पार्टी इस चुनाव में 87 हजार वोटों पर सिमट गई। चुनाव के फौरन बाद ही बसपा प्रत्याशी देवव्रत त्यागी ने पार्टी के लोगों से अपेक्षित सहयोग न मिलने का आरोप लगाया था। इस चुनाव में बहुजन समाज पार्टी के नेता अपना बूथ तक नहीं जितवा सके। इसमें याकूब कुरैशी और मुनकाद अली दोनों के बूथ पर बसपा बुरी तरह से हार गई। कुल मिलाकर इस लड़ाई को संबंधित राजनैतिक दल ने समय रहते शांत नहीं किया तो आने वाले 2027 के विधानसभा चुनाव में कम से मेरठ और उसके आसपास की सीटों पर प्रभाव जरूर पड़ेगा, जिसका खामियाजा किसी न किसी दल को उठाना पड़ेगा।

किसान से 50 हजार रिश्वत लेते लेखपाल गिरफ्तार

निलंबित, जिलाधिकारी ने बैठा दी है विभागीय जांच

कानपुर , एजेंसी। कानपुर में जमीन की दाखिल खारिज की रिपोर्ट लगाने के लिए किसान से 50 हजार रुपये की रिश्वत लेते एक लेखपाल को एंटी करप्शन टीम ने मंगलवार रंगेहाथों धर दबोचा। हनुमंत विहार थाने में रिपोर्ट दर्ज कराने के बाद लेखपाल को पुलिस के हवाले कर दिया। वहीं जिलाधिकारी राकेश कुमार सिंह ने लेखपाल को

निलंबित कर विभागीय जांच बैठा दी है। एंटी करप्शन कानपुर यूनिट में तैनात इंस्पेक्टर जेएस सिंह ने बताया कि घाटमपुर तहसील में तैनात लेखपाल पंकज कुमार के खिलाफ 21 मई को भदरस गांव निवासी मोहम्मद रजा ने शिकायत दर्ज कराई थी। आरोप था कि पंकज जमीन की दाखिल खारिज की रिपोर्ट नहीं लगा रहा है। वे पिछले करीब एक माह से चक्कर लगा रहे हैं। अंत में उसने 50 हजार रुपये की रिश्वत मांग रख दी। शिकायत पर एंटी करप्शन की टीम ने जाल बिछाया। रजा ने जब पंकज से संपर्क किया तो रिश्वत लेने के लिए अमौली गांव के ग्राम सचिवालय बुलाया। शाम करीब साढ़े छह बजे आरोपी ने जैसे ही मोहम्मद रजा से 50 हजार रुपये लेकर जेब में रखे, एंटी करप्शन की टीम ने दबोच लिया।

हवसी पिता: नाबालिग बेटी को बनाया हवस का शिकार, मां ने भी दिया साथ

दोनों फरार... पुलिस जांच में जुटी

आगरा , एजेंसी। उत्तर प्रदेश के आगरा में रिश्तों को शर्मसार करने का मामला सामने आया है। पिता पर अपनी नाबालिग बेटी से दुष्कर्म करने का आरोप है। मां ने भी साथ दिया। दोनों आरोपी फरार हैं। मामले में चाचा की तहरीर पर मुकदमा दर्ज किया गया है। घटना खंदौली थाना क्षेत्र के एक गांव की है। यहां 14 वर्षीय किशोरी ने पिता पर ही दुष्कर्म का आरोप लगाया है। मां पर भी पिता का साथ देने का आरोप है। यही नहीं चाचा और दादी के विरोध जताने पर उनकी पिटाई भी कर दी। मामले में पुलिस ने चाचा की तहरीर पर पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। घटना के बाद से आरोपी पिता और मां घर से फरार हैं। थानाध्यक्ष ने बताया कि पुलिस ने पीड़िता को मेडिकल परीक्षण के लिए भेज दिया है। चाचा की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। जांच के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

प्राइवेट अस्पताल में मरीज ले गई सरकारी एम्बुलेंस, सीएमओ ने कहा-जांच कराएंगे

आगरा , एजेंसी। उत्तर प्रदेश के आगरा में यमुनापार के सरस्वती अस्पताल में मंगलवार को सरकारी एंबुलेंस से मरीज को भर्ती कराए जाने का एक वीडियो सामने आया। इसमें आशा कार्यकर्ता एक मरीज को सरकारी एंबुलेंस से प्राइवेट अस्पताल में भर्ती करने के लिए पहुंची थी। इस मामले में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. अरुण श्रीवास्तव ने जांच कराने की बात कही है।

प्रदेश सरकार के स्वास्थ्य विभाग की सरकारी एम्बुलेंस से मरीज को निजी अस्पताल में भर्ती कराने का गंभीर मामला सामने आया है। सरस्वती अस्पताल में आशा उस मरीज को लेकर गई। पूर्व में भी उस आशा पर निजी नर्सिंग होम में मरीज भर्ती कराने के आरोप लगते रहे हैं। जिस समय एम्बुलेंस से अस्पताल में मरीज को भर्ती कराया जा रहा था, उसका स्थानीय व्यक्ति ने वीडियो बना लिया। जिस एम्बुलेंस का वीडियो वायरल हुआ। उसका चालक फिरोजाबाद निवासी नरेश कुमार बताया गया है।

गायक मिलिंद गाबा के शो में भगदड़

मारपीट में एक का सिर फटा, महिला कांस्टेबल के पैर पर गिरा लोहे का बैरिकेडिंग

मुरादाबाद, एजेंसी। मुरादाबाद में जिगर मंच पर मिलिंद गाबा को सुनने पहुंचे श्रोताओं की भीड़ बेकाबू हो गई। भारी हंगामे के कारण भगदड़ मची तो मारपीट में एक युवक सिर फटा गया। जबकि महिला कांस्टेबल शालिनी वर्मा के पैर पर लोहे के बैरिकेडिंग गिर गया। उन्हें जिला अस्पताल ले जाया गया। डॉक्टरों ने फ्रेक्चर की आशंका जताई है। इमरजेंसी में महिला कांस्टेबल का एक्स-रे कराने के लिए स्टाफ को निर्देशित किया गया। वहीं घायल युवक को उसके साथी किसी स्थानीय क्लीनिक पर ले गए। गाबा के मंच पर पहुंचते ही लाइव शो में पीछे खड़ी भीड़ बेकाबू हो रही थी। पुलिसकर्मी बार-बार लाठियां फटकार कर लोगों को पीछे हटाने के प्रयास में जुटे थे। इसी बीच भीड़ में भगदड़ की स्थिति उत्पन्न हो गई। मारपीट में युवक का सिर फट और व्यवस्थाएं बनाने में कांस्टेबल के चोट आ गई। इसके बाद भी युवक पुलिसकर्मियों से नोकझोंक करने लगा। बमुश्किल उसे समझाकर ड्रेसिंग के लिए भेजा गया। हुड़दंग मचा रहे अन्य युवकों को भी पुलिस ने डांटकर समझाया। रात 11:30 बजे गायक मंच से उतरे तो लोग उनके पीछे सेल्फी के लिए दौड़ने लगे। इससे भी किसी को चोट लग सकती थी लेकिन पुलिस कर्मियों ने पहले ही सुरक्षा घेरा बना रखा था। मिलिंद गाबा के नखरे प्रदर्शनी समिति व कार्यक्रम के आयोजकों को दोपहर से ही झेलने पड़े। गायक व उनकी टीम के ठहरने के लिए एक होटल में व्यवस्था की गई थी। मिलिंद ने साफ इनकार कर दिया कि वह फाइव स्टार से कम किसी होटल में नहीं ठहरेंगे। जल्दबाजी में आयोजकों को होटल होलिडे रीजेंसी में व्यवस्था करनी पड़ी। इसके बाद कार्यक्रम रात 8:30 बजे से शुरू होना था लेकिन मिलिंद गाबा 10 बजे तक मंच पर नहीं पहुंचे। तब तक लोगों को संभालना मुश्किल हो गया। मंच पर छोटी बच्ची आनिया की नृत्य प्रस्तुति से थोड़ी देर समय प्रबंधन किया गया।

दिव्यांग फैन को गाबा ने सौंपा माइक... बोले शो तू करले

गाबा का एक दिव्यांग फैन अमित कुमार उनकी तस्वीर बनाकर लाया था। उसे देने के लिए मंच पर पहुंच गया। बाउंसर्स ने भी उसे जाने दिया। गाबा ने फैन के प्रति स्नेह दिखाया और स्केच के लिए उसे धन्यवाद कहा। अमित ने मिलिंद को बताया कि वह भी संगीत सीख रहा है तो गायक ने उसे माइक सौंप दिया। अमित ने मेरी आशिकी बस तुम ही हो, सुन रहा हा न तू गीत सुनाया। एक और गीत गाने के लिए कहा तो गाबा ने मजाकिया अंदाज में कहा कि शो तू ही कर ले भाई।

आत्महत्या से पहले युवक ने बनाए थे दो वीडियो, कहा- मेरी मौत के जिम्मेदार ये सब हैं, इन्हें कड़ी सजा मिले

इटावा , एजेंसी। इटावा जिले के सैफई में नगला बहादुर के पास फंदा लगाकर आत्महत्या करने वाले युवक के दो वीडियो वायरल हुए। वीडियो में युवक अपनी मौत का जिम्मेदार एक युवती और उसके परिवार वालों को बता रहा है। नामजद परिवार युवक के ऊपर शादी के लिए दबाव बना रहा था। फ्रेंड्स कॉलोनी क्षेत्र के ऊसरा अड्डा के पास किराए के मकान में रहता था। वहां एसआई की तैयारी कर रहा था। रविवार को शाम पांच बजे घर आया था। सोमवार सुबह छह बजे बाइक से शहर के लिए निकल गया था। सोमवार दोपहर दो बजे छोटे भाई और मामा को कॉल की।

शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंपा- आत्महत्या करने की जगह बताकर शव ले जाने को कहा था। मंगलवार को पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया। प्रभारी निरीक्षक कपिल दुबे ने बताया कि परिजनों ने अभी तहरीर नहीं दी है। तहरीर मिलते ही आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करके कार्रवाई की जाएगी।

बदतमीजी से तंग आकर आत्महत्या करने जा रहा हूं- ऋषभ के मोबाइल में दो वीडियो मिले हैं। जिसमें वह बोल रहा है कि मैं ऋषभ कुमार परेशान होकर आत्महत्या करने जा रहा हूं। अपनी मौत का जिम्मेदार एक युवती और उसके परिवार वालों को बताया है। उन्होंने मुझे शादी के लिए इतना मजबूर किया है और उन्होंने मेरे साथ बहुत बदतमीजी की।

मेरी मौत के जिम्मेदार यह सब हैं, इन्हें कड़ी सजा मिले

मैं इन सबसे तंग आकर आत्महत्या करने जा रहा हूं, मेरी मौत के जिम्मेदार यह सब हैं, इन्हें कड़ी सजा मिले। दूसरे वीडियो में उसने कहा और जितने भी उसे लड़की के खिलाफ सबूत हैं, वह मेरे फोन में हैं। रिकॉर्डिंग है और एक युवक ने मेरे साथ बदतमीजी की है इन लोगों ने मिलकर हमें ब्लैकमेल किया है।

ये था पूरा मामला

एसआई की तैयारी कर रहे युवक ने नहर पटरी के किनारे झाड़ियों में पेड़ पर फंदा लगाकर जान दे दी थी। मामा को आत्महत्या करने से पहले वीडियो कॉल करके शव को उठा ले जाने की बात कही थी। परिजन दौड़कर घटना स्थल पर पहुंचे, जहां युवक का शव लटका मिला। **एसआई की तैयारी कर रहा था ऋषभ-** सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया। परिजन प्रेम प्रसंग में आत्महत्या की आशंका जता रहे हैं। क्षेत्र के ग्राम मानिकपुर निवासी गुड्डू यादव का बेटा ऋषभ यादव (21) बीएससी फाइनल का छात्र था। शहर के फ्रेंड्स कॉलोनी क्षेत्र के ऊसरा अड्डा के पास किराए के मकान में आठ माह से रह रहा था।

कोरोना गया पर नहीं चली रेल-चार वर्ष बाद भी पटरी पर नहीं लौटीं तीन पैसेंजर ट्रेनें, यात्री हो रहे परेशान

मेरठ , एजेंसी। कोरोना काल में बंद की गईं तीन प्रमुख पैसेंजर ट्रेनें रेलवे ने अभी तक नहीं चलाई हैं। कोरोना चला गया, अधिकांश ट्रेन पटरी पर दौड़ने लगीं, मगर मेरठ से अंबाला, दिल्ली से अंबाला और हजरत निजामुद्दीन से अंबाला के बीच चलने वाली तीनों महत्वपूर्ण ट्रेनें चार साल से बंद हैं। इन ट्रेनों के नहीं चलने से हजारों यात्रियों को परेशानी हो रही है। मेरठ से अंबाला जाने के लिए सुबह से लेकर शाम तीन बजे तक कोई ट्रेन नहीं है।

मेरठ-अंबाला कैंट ट्रेन संख्या 54541 मेरठ सिटी से रोजाना सुबह 5:25 बजे चलती थी। हजरत निजामुद्दीन-अंबाला कैंट ट्रेन संख्या 54539 सुबह 6:35 बजे और दिल्ली-अंबाला कैंट ट्रेन 64561 दोपहर 1:20 बजे मेरठ से चलती थी। ये तीनों ट्रेनें शाम से लेकर रात तक लौटती थीं।

इन तीनों ट्रेनों पर ही मेरठ से खतौली, मुजफ्फरनगर, देवबंद के यात्री सहारनपुर, पिलखनी, जगाधरी, यमुनानगर, अंबाला तक सरकारी दफ्तरों और विभिन्न फैक्टरियों में नौकरी करने जाते-आते थे। कोरोना काल में सभी ट्रेनों का संचालन बंद हो गया था। मेरठ से अंबाला जाने के लिए दोपहर तीन बजे ही अंबाला इंटरसिटी ट्रेन है। इससे पहले

कोई भी ट्रेन अंबाला जाने वाली नहीं है। मेरठ से सहारनपुर जाने वाली यात्रियों के लिए भी सुबह के समय नौचंदी एक्सप्रेस और दिल्ली-सहारनपुर सुपर फास्ट ट्रेन ही है। 11 बजे से लेकर दोपहर तीन बजे तक रोजाना कोई भी ट्रेन सहारनपुर जाने के लिए उपलब्ध नहीं है। इसी तरह से इन तीनों पैसेंजर ट्रेनों के नहीं चलने के कारण सहारनपुर से दिल्ली-मेरठ के लिए सुबह 11 बजे के बाद शाम सात बजे तक कोई ट्रेन नहीं है। सहारनपुर से ही मेरठ के लिए सात बजे के बाद रात 12 बजे तक भी कोई ट्रेन नहीं है।

बोले यात्री

पूर्वा महावीर केसरगंज निवासी जहीर खान का कहना है कि मेरठ-अंबाला पैसेंजर ट्रेन नहीं चलने के कारण अंबाला जाने के लिए परेशानी होती है। सीधी कोई ट्रेन नहीं है। पहले सहारनपुर जाना पड़ता है, वहां से दोपहर में अंबाला की ट्रेन मिलती है। पहले मेरठ से अंबाला वाली ट्रेन में जाकर काम पूरा रात को इसी ट्रेन से आना होता था। रेलवे रोड निवासी अरहम सैफी का कहना है कि कारोबार के सिलसिले में जगाधरी, यमुनानगर और अंबाला जाना पड़ता है, लेकिन सुबह के समय ट्रेन नहीं है। ऐसे में मजबूरी में मेरठ से चंडीगढ़ जाने वाली बस में सफर करना पड़ता है, जिसमें समय भी अधिक लगता है और किराया भी ट्रेन से कई गुणा देना पड़ता है। सुबह के समय चलने वाली सभी पैसेंजर ट्रेन चलनी चाहिए। दैनिक यात्री योगेश जैन का कहना है कि पैसेंजर ट्रेन नहीं चलने के कारण यात्रियों योगा एक्सप्रेस से टपरी तक सफर करना पड़ता है। वहां से टेंपो पकड़ कर सहारनपुर पहुंचते है, तब जाकर दफ्तरों में पहुंचते है। पहले पैसेंजर ट्रेन सुबह चलती थी, जिससे समय से ऑफिस पहुंच जाते थे।

रेल मंत्री को पत्र भेजा था

पूर्व सांसद राजेंद्र अग्रवाल का कहना है कि तीनों की ट्रेन मेरठ के यात्रियों के लिए महत्वपूर्ण है। इनके संचालन के लिए उन्होंने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से मिल कर पत्र दिया था। उन्होंने इन ट्रेनों का संचालन कराने का आश्वासन भी दिया था। कहना था कि इन ट्रेनों की टाइमिंग शेड्यूल कराया जा रहा है, इसके बाद चलेगी। उम्मीद है जल्द इन ट्रेनों का संचालन होगा।

राज्यसभा में उठाएंगे मुद्दा

भाजपा के राज्यसभा सदस्य डॉ. लक्ष्मीकांत बाजपेयी का कहना है कि चार साल से ये पैसेंजर ट्रेनें बंद हैं। यात्री लगातार इन्हें चलाने की मांग कर रहे हैं। 27 जून से राज्यसभा के शुरू हो रहे सत्र में इन ट्रेनों के नहीं चलने का मुद्दा उठाया जाएगा। रेलमंत्री से भी मिल कर इन ट्रेनों को चलवाया जाएगा।

प्रदेश में खुलेगा नौकरियों का पिटारा, लेखपाल और क्लर्क जैसी पोस्ट पर होने जा रही हैं 13 हजार भर्तियां

लखनऊ, एजेंसी। प्रदेश में युवाओं को अगले महीने रोजगार के काफी अवसर मिलेंगे। पिछले दिनों मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के खाली पदों पर भर्ती की प्रक्रिया में गति लाने के निर्देश के बाद विभागों में काफी तेजी आई है। पिछले पंद्रह दिन में विभिन्न विभागों से समूह ग की भर्ती के लगभग 180 से अधिक अधियाचन अधीनस्थ सेवा चयन आयोग को मिले हैं। इसके आधार पर वह 13 हजार से ज्यादा पदों पर भर्ती के लिए जल्द ही जारी करेगा। आयोग की ओर से अगले महीने जिन प्रमुख भर्तियों के लिए जारी किया जाना है, उसमें एएनएम, लेखपाल, कनिष्ठ सहायक, आशुलिपिक, जेई भर्ती शामिल है। आयोग स्वास्थ्य विभाग के अंतर्गत एएनएम के 4800 से अधिक पदों, राजस्व विभाग के अंतर्गत लेखपाल के 4700 से अधिक पदों, राज्य कर, राजस्व परिषद आदि विभागों में कनिष्ठ सहायक के 1100 से अधिक पदों के जारी करने की तैयारी में है। इसी तरह आवास विकास व अन्य विभागों में जेई इलेक्ट्रिकल व मैकेनिकल के 500 से अधिक पदों पर, उद्योग व उद्यम प्रोत्साहन आदि के 300 पदों पर भर्ती की प्रक्रिया शुरू करने की तैयारी है। आयोग के अनुसार 10 जून से 25 जून के बीच विभागों ने 180 अलग-अलग भर्तियों के लिए अधियाचन भेजा है। यह लगभग 3300 से अधिक पदों के हैं। वहीं कुछ अन्य अधियाचन पर पहले से प्रक्रिया चल रही है। यह भी जल्द फाइनल हो जाएंगे। आयोग के सचिव अवनीश सक्सेना ने कहा कि विभागों के अधियाचन का परीक्षण कर आवश्यक कार्यवाही की जा रही है।

इंतजार हुआ खत्म...राज्य विश्वविद्यालय का निर्माण शुरू, सीएम योगी ने किया था चुनाव से पहले शिलान्यास

मुरादाबाद, एजेंसी। हरदासपुर स्थित राज्य यूनिवर्सिटी की बाउंड्री के लिए रविवार से पिलर तैयार किए जा रहे हैं। एक सप्ताह में बाउंड्री पिलरों से घेर दी जाएगी। इसी के साथ कंसल्टेंसी टीम ब्लू प्रिंट तैयार कर लोनिवि को सौंपेगी। इसके बाद लोक निर्माण विभाग निर्माण कार्य शुरू कर देगा। लोक निर्माण विभाग की टीम ने शिक्षा और राजस्व के कर्मचारियों को लेकर रविवार को हरदासपुर रामगंगा पार स्थित यूनिवर्सिटी स्थल का जायजा लिया। लेखपालों द्वारा बताई गई जमीन पर जेसीबी के माध्यम से चिह्न बनाने का काम शुरू हो गया है। अभी यूनिवर्सिटी की बाउंड्री के लिए पिलर लगाए जा रहे हैं, ताकि यूनिवर्सिटी की जमीन पर कोई कब्जा न कर सके। इसके साथ कंसल्टेंसी टीम सर्वे के अनुसार यूनिवर्सिटी का ब्लू प्रिंट तैयार करने में लगी है। ब्लू प्रिंट तैयार होने के बाद उसे लोनिवि के अभियंताओं को सौंपा जाएगा। अभियंताओं की राय लेने के बाद उसमें आंशिक फेरबदल भी किया जा सकता है। ब्लू प्रिंट पर मोहर लगने के बाद यूनिवर्सिटी का काम ठेकेदार के माध्यम से कराया जाएगा। यूनिवर्सिटी का ठेका मेरठ स्थित आरसीसी डेवलपर कंपनी को मिला है। 209 करोड़ में कंपनी यूनिवर्सिटी के लिए भवन बनाने का काम करेगी।

विद्यार्थियों को मिलेगी राहत

मुरादाबाद में यूनिवर्सिटी बनाने के लिए चार दशकों से प्रयास जारी था। यूनिवर्सिटी बनने पर दशकों का प्रयास सफल हो जाएगा। अभी तक मुरादाबाद मंडल के विद्यार्थियों को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए एमजेपी रुहेलखंड विश्वविद्यालय बरेली के चक्कर लगाने पड़ते हैं।

संपादकीय

जहरीली शराब का कहर

किसी त्रासद घटना का सबक यह होना चाहिए कि उसमें हुई हानि को ध्यान में रख कर बाकी जगहों पर भी ऐसे उपाय किए जाएं जिससे वैसी घटनाओं से बचा जा सके। मगर विडंबना यह है कि ज्यादातर घटनाओं को स्थानीय समस्या मान कर दूसरी जगहों पर उसकी अनदेखी कर दी जाती है या फिर उसे महज एक खबर की तरह देखा जाता है। देश के अलग-अलग हिस्सों से अक्सर जहरीली शराब का सेवन करने से लोगों के मरने की खबरें आती रहती हैं। मगर वैसी घटनाओं में कारणों और परिणाम को लेकर एक व्यापक चिंता ठोस शक्ल नहीं लेती। गौरतलब है कि तमिलनाडु के कल्लाकुरिचि जिले में अवैध देसी शराब पीने की वजह से कम से कम सैंतालीस लोगों की जान चली गई और अन्य तीस लोगों की हालत बेहद गंभीर हो गई। इस शराब के सेवन से एक सौ पैंसठ लोग बीमार हुए थे, जिन्हें अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती कराया गया। यह अवैध तरीके से शराब बना कर लोगों को बेचने वाले की आपराधिक लापरवाही का नतीजा है, लेकिन जिस तमिलनाडु को कानून-व्यवस्था के मोर्चे पर बेहतर स्थिति में माना जाता है, वहां पुलिस-प्रशासन की नाक के नीचे शराब के नाम पर जहर परोसने का गैरकानूनी कारोबार करने वालों को यह सुविधा कैसे मिली कि वे बेधड़क अपना धंधा चला रहे थे और उनके पास भारी संख्या में लोग शराब पीने पहुंचते थे। जाहिर है, इतने सारे लोगों के मारे जाने के बाद अब सरकार और प्रशासन की ओर से एक औपचारिकता पूरी करने के लिए घटना की जांच, गहन तलाशी अभियान चलाने का निर्देश और आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई का भरोसा दिया गया है। सरकार ने जान गंवाने वाले लोगों के परिजनों को आर्थिक मदद की भी घोषणा की है। सरकार ने उस इलाके में प्रभावित लोगों की वास्तविक संख्या जानने के लिए घर-घर जाकर गणना करने की भी बात कही है। यह अपील की गई है कि जिन लोगों ने अवैध शराब का सेवन किया है, वे जल्द से जल्द जांच कराएं और जरूरी होने पर इलाज कराएं। इसे सरकार की संवेदनशीलता के तौर पर देखा जा सकता है। मगर यह समझना मुश्किल है कि सरकारी तंत्र की इस तरह की सक्रियता किसी त्रासद घटना के सामने आने और उसके तूल पकड़ लेने के बाद ही क्यों दिखाई देती है!

कृत्रिम हृदय की ओर

आईआईटी, कानपुर में कृत्रिम हृदय के निर्माण में लगे इंजीनियरों को आगे प्रयोग की मंजूरी मिलना एक बड़ी खुशखबरी है। यह संस्थान साल 2022 में ही कृत्रिम हृदय तैयार कर चुका है और प्रयोगशाला में उसके प्रयोग सफल भी रहे हैं। अब इस कृत्रिम हृदय का प्रयोग एक बकरी में किया जाएगा। कृत्रिम हृदय, जिसे 'हृदयंत्र' नाम दिया गया है, वह ऐसे मरीजों के काम आ सकता है, जिनको हृदय प्रत्यारोपण का इंतजार है। गौरतलब है कि भारत में ही प्रति वर्ष करीब एक करोड़ लोगों को हृदय की वजह से लाचार होना पड़ता है, पर जब कृत्रिम हृदय को सफलता मिल जाएगी, तो हृदय-रोगियों को नया जीवन मिलेगा। यह भी उल्लेखनीय है कि जब इस प्रयोग को सफलता मिल जाएगी, तो हृदय प्रत्यारोपण का खर्च दस गुना घट जाएगा। अभी हृदय प्रत्यारोपण के जो विकल्प दुनिया में उपलब्ध हैं, वे पर्याप्त या सुलभ नहीं हैं। अत- भारत में किफायती और सक्षम कृत्रिम हृदय की खोज होती है, तो चिकित्सा जगत के लिए एक ऐतिहासिक कामयाबी होगी। यह भी एक सुखद संयोग है कि शरीर की अभियांत्रिकी पर किसी भारतीय इंजीनियरिंग कॉलेज में काम हो रहा है। चिकित्सा का काम वास्तव में आधुनिक समय में इंजीनियरिंग से जुड़ा हुआ है। आईआईटी, कानपुर के जिन वैज्ञानिकों ने यह अद्भुत निर्माण किया है, उन्होंने बाकायदे ऑपरेशन थियेटर में मौजूद रहते हुए हृदय का ऑपरेशन करीब से देखा है। दरअसल, हमारा शरीर किसी इंजीनियरिंग महायंत्र से कम नहीं है। देश के विख्यात चिकित्सक देवी शेट्टी ने ही आईआईटी, कानपुर को इस प्रयोग और निर्माण के लिए प्रेरित किया था। इस तरह से चिकित्सकों के साथ मिलकर अभियंताओं ने काम किया है और आगे जब एक बकरी में यह प्रत्यारोपण होगा, तब भी ऑपरेशन थियेटर में चिकित्सकों के साथ अभियंता भी रहेंगे। गौर करने की बात है कि पहले कानपुर में हृदय के ठीक नीचे प्रत्यारोपित किया जाने वाला, बैटरी से चलने वाला छोटा पंपिंग उपकरण बनाया गया था। यह एक पंप की तरह काम करता है, जो पूरे शरीर में रक्त संचारित करने में मदद करता है, जिससे रोगी को एक नया जीवन मिलता है। यह यंत्र भी आईआईटी ने बहुत सस्ते में बनाया था, जबकि ऐसा ही काम करने वाला यंत्र करीब एक करोड़ रुपये में उपलब्ध होता है। दरअसल, जरूरत एक चालू यांत्रिक कृत्रिम हृदय के बजाय एक जीवंत कृत्रिम हृदय की है।

तारिणी को तारणहार चाहिए

(शशि शेखर)

ईसा के जन्मने से न जाने कितना पहले महर्षि वेदव्यास ने महाभारत में गंगा की महिमा का कुछ इन शब्दों में बखान किया था- पुनाति कीर्तिता पापं द्रष्टा भद्रं प्रयच्छति। अवगाढ़ा च पीता च पुनात्यासप्तमं कुलम्।। अर्थात, अपना नाम जपने वालों के यह समस्त पाप नाश कर देती है, दर्शन करने वालों का कल्याण करती है और जो कोई भी इसमें स्नान करता है और इसके जल का पान करता है, उसकी सात पीढ़ियां तर जाती हैं। इस श्लोक की चर्चा अचानक क्यों पिछले रविवार को गंगा दशहरा था और मैं ऐसे अन्य श्लोकों को बुदबुदा रहा था कि एक त्रासद अनुभव याद आ गया। उस वक्त हम असम जाने वाली राजधानी एक्सप्रेस के जरिये गढ़मुक्तेश्वर को गजरौला से जोड़ने वाले पुल को पार कर रहे थे। जैसे ही हमारा डिब्बा मंझधार के ऊपर पहुंचा, मैंने हाथ जोड़कर मां गंगा को प्रणाम किया। गंगा मेरे लिए धार्मिक आस्था से कहीं अधिक मां के ममत्व-सा भाव रखती है। मेरी भाव-विह्वलता देखकर सामने की सीट पर बैठे हुए एक गोरे दंपति ने पूछा- 'यह आप क्या कर रहे थे' मैंने बताया कि 'नीचे जो नदी बह रही है, वह मां गंगा है।' 'गंगा, वह महान गंगा'- उसने विस्मित भाव से पूछा। मैं उसको कोई जवाब देता, उससे पहले उसकी मुंहफट संगिनी बोल पड़ी कि 'हमें तो लगा था....!' उसके अगले शब्द मेरे मन-प्राण को बींध गए थे। किसी की धार्मिक आस्था को चोट न लगे, इस लिहाज से मैं उस त्वरित, पर ईमानदार प्रतिक्रिया को दोहराना नहीं चाहता। गंगा हमारे लिए सदियों से जीवनदायिनी है और मृत्यु के बाद भी यह हमारा साथ नहीं छोड़ती। यह हमें मोक्ष देती है। इसी मान्यता के साथ मेरी परवरिश हुई थी। देश-परदेस में जब कोई नदी देखता हूं, प्रयागराज, काशी या मिर्जापुर में बहती हुई वह सदानीरा याद आती है, जिसकी धारों से अठखेलियां करता हुआ मेरा अल्हड़पन बीता था। मैं गंगा को भी बचपन की उस मासूम निर्मलता की मानिंद मानता हूं। लेकिन! गंगा वैज्ञानिक अर्थों में अब निर्मल नहीं रह बची है। गंगा प्रदूषण पर हरिद्वार के गुरुकुल कांगड़ी

> *नतीजतन, गंगा की पारदर्शिता बाधित होते-होते अब पांच प्रतिशत तक सिमट गई है। एक शोध के मुताबिक, मई से जून 2024 तक इस छोटी अवधि में प्लास्टिक कचरे में 25 फीसदी तक की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। ऋषिकेश से हरिद्वार तक मछलियों की संख्या भी 80 फीसदी रह बची है और उनकी प्रजातियों में काफी कमी आई है। पहले इसके प्रवाह में 89 किस्म की मछलियां मिलती थीं, अब सिर्फ 66 डूब-उतरा रही हैं।*

विश्वविद्यालय में पर्यावरण विभाग के अध्यक्ष रह चुके प्रो बीडी जोशी का अध्ययन बताता है कि मौजूदा वक्त में इस महानदी में बायोकेमिकल ऑक्सीजन डिमांड 7.0 मिलीग्राम प्रति लीटर है, जो आवश्यकता से बेहद अधिक है। इसी तरह, उसकी तलहटी में 'सॉलिड वेस्ट' की 1460 यूनिट पाई जाती हैं, जो मानक से अधिक है। नतीजतन, गंगा की पारदर्शिता बाधित होते-होते अब पांच प्रतिशत तक सिमट गई है। एक शोध के मुताबिक, मई से जून 2024 तक इस छोटी अवधि में प्लास्टिक कचरे में 25 फीसदी तक की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। ऋषिकेश से हरिद्वार तक मछलियों की संख्या भी 80 फीसदी रह बची है और उनकी प्रजातियों में काफी कमी आई है। पहले इसके प्रवाह में 89 किस्म की मछलियां मिलती थीं, अब सिर्फ 66 डूब-उतरा रही हैं। मगरमच्छों और घड़ियालों की गिनती में भी गिरावट है। आमतौर पर लोग सारा दोष पर्यटकों और तीर्थयात्रियों की बढ़ती संख्या पर मढ़ देते हैं, परंतु इसके बहुत से कारण हैं। अब इस पतित-पावनी के दूसरे तीर्थस्थान की ओर बढ़ते हैं। प्रयागराज से ऐन पहले पड़ने वाले कौशांबी में कई हिस्से ऐसे हैं, जहां इन दिनों लोग आराम से पैदल चलते हुए गंगा पार कर जाते हैं। संगम में भी डुबकी लगाने के बजाय बैठकर स्नान करना पड़ रहा है। यह हाल तब है, जब युमना अपने समूचे जल के साथ वहां गंगा में समाहित हो चुकी होती है। फिलवक्त गंगा और यमुना को मिलाकर सिर्फ सात हजार क्यूसेक जल ही आगे की ओर जा पाता है। टोंस और इस जैसी अन्य तमाम नदियों के सम्मिलन के बावजूद जैसे-जैसे नदी नीचे की ओर बढ़ती है, हालात खराब होते जाते हैं। यही वजह है कि काशी का वर्णन करते हुए भय लग रहा है। इसी शहर में बरसों पहले अस्सी पर प्रवाहमान गंगा की धाराओं में अठखेलियां करते हुए मेरा बचपन बीता था। वहां पश्चिमी छोर पर दशाश्वमेध और सक्का घाट के सामने अभी से धारा के बीच टीले उभरने शुरू हो गए हैं। अगर गरमी लंबी खिंची, तो हालात और बदतर हो सकते हैं। गंगा की इस बदनसीबी की एक वजह यह भी है कि उसकी 'ड्रेजिंग' हुए अरसा बीत गया। हरिद्वार से गंगा सागर तक इस नदी को समय और चरणबद्ध ड्रेजिंग कार्यक्रम की आवश्यकता है। वाराणसी में गंगा को निर्मल बनाने के लिए काफी धन खर्च किया गया है, परंतु हालात क्या हैं! आज शहर से जो 467 एमएलडी सीवेज बहता है, उसमें से 70 से 75 एमएलडी तक बिना शोधन के गंगा में समा रहा है। वाराणसी के नाम की शुरुआत वरुणा नदी से होती है, उसमें भी 67 एमएलडी सीवर बिना शोधन के हर रोज गिरता है। यही वरुणा आगे बढ़कर गंगा की 'डाउन स्ट्रीम' का हिस्सा बनती है। यहां बनारस और उसके आसपास के इलाकों में मछली के शौकीनों के लिए एक चेतावनी। काशी हिंदू विश्वविद्यालय के एक शोध में दावा किया गया है कि प्रयागराज से बक्सर के बीच गंगा में जन्मने, पलने और पनपने वाली तमाम मछलियां प्रदूषित हो चुकी हैं। यही नहीं, उसके जल से सिंचित होने वाले दोआब में सब्जियां और अन्य खाद्यान्न भी दूषित हो रहे हैं। एक समय था, जब मुझ जैसे सैकड़ों लोग पीपे का पुल पार कर रामनगर जाया करते थे। वहां गंगा के किनारे उगी हुई शुद्ध और ताजी सब्जियां, खरबूजे या तरबूज मिला करते थे। मिलते तो आज भी हैं, पर...। लिखने को बहुत कुछ लिखा जा सकता है। इससे पहले भी बहुत कुछ लिखा जा चुका है। लगभग चालीस बरस पहले मैंने एक नामी पत्रिका के लिए गंगा पर कवर स्टोरी लिखी थी। उस वक्त भी आंकड़े भयावह थे। प्रकृति पता नहीं कब से अलार्म बजा रही है कि कृपया जाग जाइए। गंगा, यमुना और उनकी सहायक नदियों के बिना उत्तर भारत की शस्य श्यामला और उर्वरा भूमि की कल्पना भी नहीं की जा सकती, पर हुकूमतें बदल गईं, साथ ही हालात बिगड़ते चले गए। गंगा की रक्षा नारों से नहीं, समूचे समाज और सियासी सदनीयती से ही होगी। गंगा के बारे में बात करते हुए अक्सर सोचता हूं कि अगर महाकवि विद्यापति आज हमारे बीच होते, तो क्या ऐसी अमर पंक्तियां लिखने का साहस संजो पाते- कि करब जप-तप जोग-धेआने। जनम कृतारथ एकहि सनाने।/ भनइ विद्यापति समदओं तोही। अन्तकाल जनु विसरहु मोही।। यानी हे मां, जब तुम्हारी जलराशि में मात्र एक स्नान से पूरा जीवन कृतार्थ हो जाता है, तो जप-तप, योग-ध्यान क्या करें माता, तुमसे बस इतनी ही प्रार्थना है कि जब मेरा अंत समय आए, तब मुझे बिसरा मत देना!

बच्चों को कब देना चाहिए फोन

(मुकुल श्रीवास्तव)

स्मार्टफोन की बच्चों को कितनी जरूरत है। यह एक अहम सवाल है। अफसोस कि भारत में इस ओर कोई विशेष ध्यान नहीं दिया जा रहा है। फर्ज करिए, अगर आपकी 10 साल की बेटी को मंगल ग्रह की पहली मानव बस्ती में शामिल होने के लिए चुना जाए, और वह जाने के लिए पूरी तरह तैयार हो, तभी आपको पता चले कि इस मिशन के अरबपति आर्किटेक्ट ने उस लाल ग्रह के जहरीले वातावरण को नजरअंदाज किया है, जिसमें बच्चों के दिल, दिमाग और आंखों में गंभीर विकृतियां आ जाएंगी, तो क्या सबकुछ जानने के बाद भी आप अपनी बेटी को उस मिशन पर जाने देंगे यह कोशिश नहीं करेंगे कि वह लाल ग्रह पर जाने के उस मिशन से मुंह मोड़ ले इस उदाहरण में मंगल ग्रह को सोशल मीडिया की खतरनाक दुनिया का प्रतीक माना गया है। कॉमन सेंस मीडिया की एक रिपोर्ट के मुताबिक, आज 10 साल की उम्र वाले 42 प्रतिशत बच्चों के पास स्मार्टफोन है। 12 साल की उम्र में यह 71 प्रतिशत तक पहुंच जाता है। 14 साल के उम्र समूह में तो 91 प्रतिशत बच्चों के हाथ में मोबाइल फोन है। इस डिजिटल दुनिया ने हमारे युवाओं को चिंता और डिप्रेशन जैसी विकृतियों से भर दिया है। मोबाइल फोन एक लत की तरह है, लगातार बच्चों का ध्यान भटकाता है और उन्हें उस दुनिया में ले जाता है जो हमारे नियंत्रण से बाहर है। भारत में एक बड़ा बदलाव 2000 के दशक से शुरू हुआ, जब अभिभावकों ने बच्चों को अनजान खतरों से बचाने के लिए भय आधारित पैरेंटिंग करनी शुरू की। इसकानी ऐसी पैरेंटिंग जिसमें बच्चों पर ज्यादा नजर रखी जाती थी, यह ध्यान रखा जाता था कि वह घर की सुरक्षित दुनिया से बाहर ज्यादा समय न बिताए। इसका परिणाम यह रहा कि बच्चों के खेलने का समय कम हुआ और उन पर माता-पिता का नियंत्रण बढ़ गया। दूसरी बात यह कि शहरों में खेल के मैदान खत्म होते गए। नतीजा कुल मिलाकर यह रहा कि बच्चे मोबाइल स्क्रीन में डूबते चले गए। आज के बच्चे और उनके माता-पिता एक तरह के डिफेंस मोड में फंसे हुए हैं। इससे बच्चे चुनौतियों का सामना करने, जोखिम उठाने और नई चीजें एक्सप्लोर करने से वंचित रह जाते हैं, जो उन्हें मानसिक रूप से मजबूत करने और आत्मनिर्भर बनाने के लिए जरूरी है। असल में बच्चों को माता-पिता से वैसी ही परिस्थितियां मिलनी चाहिए जैसी एक माली अपने पौधों को स्वाभाविक रूप से बढ़ने और विकसित होने के लिए उपलब्ध कराता है। मगर अभिभावक हैं कि बच्चों को एक बढ़ई की तरह बड़ा कर रहे हैं जो अपने सांचों को पूरी तरह से अपने नियंत्रण में आकार देता है। असली दुनिया में हम अपने बच्चों को अधिक सुरक्षा प्रदान करते हैं, लेकिन डिजिटल दुनिया में उन्हें अपने हाल पर छोड़ देते हैं, जो कि उनके लिए खतरनाक साबित हो रहा है। स्मार्टफोन और अत्यधिक सुरक्षात्मक पालन-पोषण के इस मिश्रण ने बचपन की संरचना को बदल दिया है और मेंटल हेल्थ ईशूज को जन्म दे रहा है। संयुक्त राष्ट्र की शिक्षा, विज्ञान और संस्कृति एजेंसी यूनेस्को के मुताबिक इस बात के प्रमाण मिले हैं कि मोबाइल फोन का अत्यधिक उपयोग शैक्षणिक प्रदर्शन में कमी से जुड़ा है और स्क्रीन के अधिक समय का बच्चों की भावनात्मक स्थिरता पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। यूनेस्को ने अपनी ग्लोबल एजुकेशन मॉनिटर रिपोर्ट 2023 में लिखा है कि डिजिटल तकनीक ने शिक्षा में गुणवत्ता जोड़ी है, यह प्रदर्शित करने के लिए बहुत कम मजबूत शोध हुए हैं। इस बाबत दिए गए ज्यादातर साक्ष्य निजी शिक्षा कंपनियों द्वारा वित्त पोषित थे, जो डिजिटल शिक्षण उत्पाद बेचने की कोशिश कर रही थीं। इस रिपोर्ट में चीन का हवाला दिया गया है, जिसने शिक्षा में डिजिटल उपकरणों के उपयोग की सीमाएं निर्धारित कर दी हैं। वहां उन्हें कुल शिक्षण समय के 30 प्रतिशत तक सीमित कर दिया गया है और छात्रों से नियमित तौर पर स्क्रीन ब्रेक लेने की अपेक्षा की जाती है। फोन लोगों में सीखने की क्षमता को भी प्रभावित कर सकते हैं। कई अध्ययनों में पाया गया कि स्कूल में फोन का इस्तेमाल एकाग्रता को कम करता है।

सुडोकू पहेली — क्रमांक-5413

		7				9		8
	3		1	7				4
					6			
6	9	8	7	4		3		
		3		1		4		
		1		3	9	7	6	2
			4					
9				5	1		4	
4		5				1		

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5412

2	9	6	1	4	5	8	3	7
3	5	7	8	2	6	1	4	9
1	4	8	9	3	7	5	2	6
6	3	9	5	1	2	4	7	8
5	8	1	7	6	4	3	9	2
4	7	2	3	9	8	6	1	5
9	6	4	2	8	3	7	5	1
8	1	5	4	7	9	2	6	3
7	2	3	6	5	1	9	8	4

वर्ग पहेली 5413

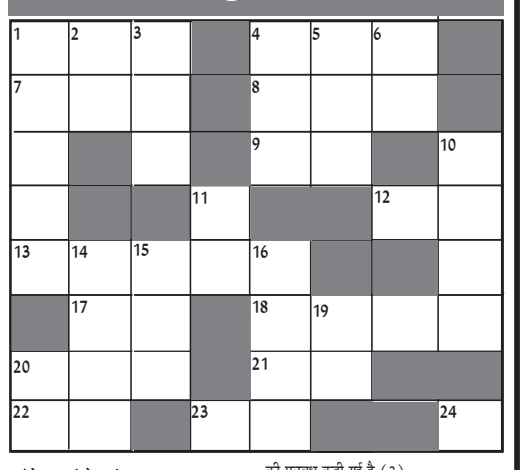

संकेत: बाएं से दाएं
1. बांग्लादेश के उत्तरी भाग में ब्रह्मपुत्र नदी का यह नाम है (3)
4. देश के सबसे गहरे खंडों का निर्माण करने वाली नदी (3)
7. रस्म, रीति, प्रथा, चलन (3)
8. जो असत्य हो, जा उचित न हो (3)
9. ज्वालामुखी से निकलने वाला विस्फोटक पदार्थ (2)
12. जिसके साथ आत्मीयता का संबंध न हो, अन्य (2)
13. नया जमाना, नवीन दुनिया (4)
17. लिखा हुआ, अंकित (2)
18. आंतकनभूमि, भय, डर (4)
20. घोड़े पर खेला जाने वाला गेंद और बल्ले का एक प्रकार का खेल, पोलो (3)
21. धेनू, गौ (2)
22. पथ, मार्ग, रास्ता (2)
23. दफा, मर्तबा, मद्यशाला (2)
24. प्रातःकालीन का अर्धप्रकाश, प्रकाश की किरण (1)

ऊपर से नीचे
1. एक वस्तु के बदले दूसरी वस्तु देना (5)
2. औषधि, उपचार, चिकित्सा (2)
3. विशिष्ट किंतु अज्ञात बात, घटना का विवरण (3)
4. शास्त्रीय संगीत में एक रागिनी जो मेघराग की पुत्रवधू कही गई है (3)
5. दंगा-फसाद उपद्र, बगावत (3)
6. दुर्व्यसन, बुरी आदत, कुटेव (2)
10. कोई ऐसी घटना जिसमें कोई अपराध हुआ हो (4)
11. मननशील, महात्मा, मनन करने वाला (2)
14. ईद की नमाज पढ़ने का स्थान (4)
15. दुष्ट व्यक्ति जिसकी भूमिका खल व्यक्ति की हो (3)
16. स्मरण रहने योग्य, स्मरणीय (4)
19. घोड़े को यह भी कहा जाता है (2)
20. चबूतरा, चबूतरे के रूप में बनी हुई वास्तु रचना (2)

वर्ग पहेली 5412 का हल

स	रो	ज़ि	नी	ना	य	डू	
दा	म	न		गा		रं	
ब			शै		गं	ड	क
हा	द	सा		सु		क	ज़
र	ह	म	दि	ल		प	रा
	न		ल	ह	र		
का	शी		ब		ई	शा	न
ज	ल	च	र		स	न	म

आज का राशिफल

मेष
आज का दिन सफलता से भरा होगा और आपके घर में सुख समृद्धि आएगी। भाग्य आपका साथ देगा और आपके अच्छे काम से आपका गौरव बढ़ेगा। आपकी निर्णय लेने की क्षमता का लाभ आपको मिलेगा और योजनाएं सफल होंगी। आपके धन में वृद्धि के योग हैं और भाग्य का सहारा आपको मिलेगा। आज सामाजिक और धार्मिक कार्यों में आपका मन लगेगा।

वृष
आज आपका दिन सफलता से भरा होगा। संतान पक्ष के श्रेष्ठ आचरण और सफलता से हर्ष होगा। माता-पिता से आशीर्वाद लेकर घर से निकलें कोई विशेष सफलता मिलेगी। नौकर-चाकर व सांसारिक सुख भोगों का विस्तार होगा। आमदनी के नए रास्ते खुलेंगे और भाग्य आपका साथ देगा। शाम से लेकर रात तक का समय परिवार के लोगों के साथ आनंद में बीतेगा।

मिथुन
आज करियर के मामले में लाभ होगा। यदि आप व्यापारी हैं तो आपके लिए अच्छे परिवर्तन होंगे। नौकरीपेशा है तो आपके अधिकार बढ़ेंगे और आपको आर्थिक लाभ होगा। सम्मान मिलेगा। परिवार की तरफ से भी शुभ समाचार मिलेगा। शाम से लेकर रात तक आप सामाजिक कार्य और भोग विलास में लिप्त रहेंगे।

तुला
आज आप संभलकर काम करें, वरना आपको नुकसान हो सकता है। आपको कोई राजकीय दण्ड भी प्राप्त हो सकता है। इसलिए जोखिम के काम से दूर रहें। शाम से लेकर रात तक भी छोटे-मोटे कष्ट व मानहानि की आशंका बनी रहेगी। आपके धन में वृद्धि के योग हैं और आपको लाभ होगा। कार्ययोजनाएं सफल होंगी।

वृश्चिक
आज भाग्य का साथ मिलेगा और साथ ही आपको ज्ञान और अनुभव मिलेगा। आपकी बुद्धि विवेक से नई खोजें होंगी। रुके हुए धन की प्राप्ति होगी। शाम में आपकी संतान को कष्ट हो सकता है। विश्वासप्राप्त व्यक्ति एवं नौकर चाकर विश्वासघात करने का प्रयास करेंगे सावधान रहें। आपके लिए परेशानी बढ़ सकती है। क्षमता से अधिक धन प्राप्त होने के कारण आपमें अभिमान भर सकता है।

धनु
आज दिन सफलता से भरा होगा। यदि आप नौकरी करते हैं तो पद और अधिकारों में वृद्धि होगी। आपके साहस एवं पराक्रम में वृद्धि होगी और आपके शत्रु नतमस्तक होंगे। संतान के प्रति आपकी प्रेम भावना बढ़ेगी। शाम से लेकर रात तक आपका मन अच्छे काम में लगेगा और आपके लिए वृद्धि के योग हैं। नौकर चाकरों का सुख पर्याप्त मात्रा में मिलेगा।

कर्क
आज का दिन अनुकूल नहीं है। आज आपको कुछ समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। त्वरित निर्णय न ले पाने के कारण किसी कार्य में बाधा आ सकती है। यदि आप नौकरी करते हैं तो अधिकारियों की कृपा से आपके अधिकारों में वृद्धि होगी और आपको रुके धन की प्राप्ति हो सकती है। रात का समय गाने बजाने और मौज मस्ती में बीतेगा।

सिंह
आज लाभ होगा और काफी समय से यदि आपकी उन्नति रुकी थी तो आज कोई अच्छी खबर आपके लिए आ सकती है। इसके अतिरिक्त आज आप अपने बात करने के तरीके से लोगों को आकर्षित कर सकते हैं। निर्णय लेने की क्षमता का लाभ होगा और रात में अधिक तीखा भोजन न करें। यह आपकी सेहत को बिगाड़ सकता है।

कन्या
आज आपके अधिकारों में वृद्धि होगी। ऑफिस में आपके उत्तरदायित्व भी बढ़ेंगे। आप अपनी शानशौकत के लिए धन का अपव्यय भी कर सकते हैं। आपको सलाह है कि फालतू खर्च से बचें। इसका लाभ आज आपकी संतान को मिलेगा। रात में आपको कुछ पकवान और अच्छी चीजें खाने को मिलेंगी।

मकर
आज करियर के मामले में लाभ होगा। जल्दबाजी में किए गए कार्य से हानि होने की आशंका है। आपकी भौतिक सुख सुविधाओं की वृद्धि होगी। किसी नए काम में निवेश करना पड़े तो करें। आगे चलकर लाभ होगा। संतान की नौकरी एवं विवाह इत्यादि मंगल कार्यों के लिए किए गए प्रयास में सफलता मिलेगी।

कुंभ
आज अनावश्यक खर्चे सामने आएंगे, जो कि न चाहते हुए भी मजबूरी में करने पड़ेंगे। यदि आपकी प्रोन्नित रुकी है तो अवश्य प्राप्त हो जाएगी। आपके हाथ में बड़ी मात्रा में पैसा आने से हर्ष होगा। शाम से लेकर रात तक में शुभव्यय और कीर्ति में वृद्धि होगी। शीघ्रगामी वाहनों से सतर्क रहें और काम में लगे रहें। सेहत का ध्यान रखें और कम खाएं।

मीन
आज करियर के मामले में लाभ होगा और का दिन सुकून में बीतेगा। यदि आप किसी वित्तीय संस्था या व्यक्ति से ऋण लेना चाहते हैं तो आसानी से मिल जाएगा। नई-नई योजनाएं बनाकर उन्हें सफल बनाने का पूर्ण प्रयास करें। आपके साहस एवं पराक्रम से आपका आत्म विश्वास बढ़ेगा।

हंसगुल्ले

पुत्र (पिता से) : पिताजी मुझे ढोल खरीद दीजिए न!
पिता : न बेटे, तू ढोल बजाकर मुझे तंग किया करेगा।
पुत्र : नहीं पिता जी, मैं तो तब बजाऊंगा जब आप सो जाया करेंगे।

• • • • •

दुकान पर आया ग्राहक कभी कोई चीज उठाता, उसे देखता, फिर उसे रखकर दूसरी चीज उठा लेता। कुछ पूछताछ भी की उसने, लेकिन कुछ खरीदा नहीं काफी देर तक उसने ऐसा ही किया तो झुंझलाकर दुकानदार ने पूछा : `श्रीमान जी, आखिर आपको चाहिए क्या? `मौका ! ग्राहक का सपाट सा जवाब था'।

• • • • •

चकित ग्राहक ने बैरे से पूछा : तुम्हें कैसे पता चला कि मैं इस होटल में पहली बार आया हूं? बैरा : क्योंकि जो एक बार यहां का खाना खाकर जाता है, दुबारा नहीं आता।

• • • • •

मालिक (नया नौकर रखते समय) : इस बात का तुम्हारे पास क्या सबूत है कि तुमने जगन्नाथ बाबू के यहां एक साल तक भोजन बनाया है।
नौकर : मेरे पास ऐसे कई बर्तन हैं हजूर जिन पर उनका नाम खुदा है।

• • • • •

बेटा अपने पिता से पूछ रहा था कि आपने यह बेशुमार दौलत कैसे कमाई।
पिता : शादी के बाद शुरु-शुरु के दिनो की बात थी । मेरे पास सिर्फ 50 रु थे। मैंने उन रुपयो से कुछ सेब खरीदे और बेच दिए। अगले दिन मैंने दोबारा वही किया और ऐसा कई दिनों तक चलता रहा।
बेटा : अच्छा फिर ?
पिता : फिर ससुर की मृत्यु हो गई और बस, उन की सारी जायदाद हमें मिल गई।

• • • • •

पापा : बेटा, अमेरिका मे 15 साल के बच्चे भी अपने पैरों पे खड़े हो जाते हैं।
बेटा : लेकिन पापा भारत मे तो एक साल का बच्चा भागने भी लगता है।

• • • • •

मुझे भी देखने दो किसका एक्सिडेन्ट हुआ है। एक आदमी भीड़ हटाते हुए बोला। जब कोई हटा नहीं तो वह चिल्लाता हुआ बोला, जिसका एक्सिडेन्ट हुआ है मैं उस का पिता हूँ।
रास्ता मिल गया। अंदर देखा तो एक गधा मरा पड़ा था।

पहेलियाँ

तीन अक्षर का मेरा नाम।
उल्टा सीधा एक समान॥
❐ ❐ ❐ ❐

ऊँट की बैठक, हिरन सी तेज चाल।
वो कौन सा जानवर जिसके पूँछ न बाल।
❐ ❐ ❐ ❐

पहले पीट-पाट तब ठोक-ठाक,
तब लेन-देन तब खान पान।
❐ ❐ ❐ ❐

लाल टेन पंखों में,
उड़े अंधेरी रात में,
जलती बाती बिना तेल के,
जाड़े व बरसात में।
❐ ❐ ❐ ❐

हरी-हरी मछली के,
हरे-हरे अण्डे,
जल्दी ये बूझिए,
वरना पड़ेंगे डण्डे।
❐ ❐ ❐ ❐

उस राजा की अनोखी रानी,
दुम के रास्ते पीती पानी।
❐ ❐ ❐ ❐

उत्तर - जहाज, मेंढक, रोटी, जुगनू, मटर की फली, दीया।

रास्ता खोजो

सोना की मस्ती

रोजाना की तरह चीनी मछली ने अपनी नन्हीं बेटी रूहू को हिदायत दी, जब तक मैं वापस लौटूं तुम नदी के इसी छोर में तैरती रहना, आगे खतरा है। रूहू ने पानी में छपछपाते हुए कहा- हां मां, मुझे पता है आगे खतरा है और मैं रास्ता भटक सकती हूं। यह सुनते ही चीनी मछली आगे निकल गई। दरअसल रूहू मछली रावी नदी में अपनी मां के संग रहती थी। उस दिन रूहू अपनी सहेलियों के संग नदी में खेल रही थी तभी उसकी नजर एक सुनहरी मछली पर पड़ी। यह देखते ही वह खुशी से उछल पड़ी। उसने अपनी सहेलियों से कहा, अरे देखो, ये मछली कितनी सुंदर है, हमने ऐसी मछली कभी नहीं देखी। उसकी सहेलियां भी सुनहरी मछली को देखकर अचरज में थीं। दरअसल रूहू का रंग सफेद था और उस इलाके में रहने वाली सभी मछलियां सफेद रंग की थीं। सफेद के अलावा उन्होंने आज तक किसी और रंग की मछली नहीं देखी थी। सुनहरी मछली को देखकर वहां मौजूद सभी मछलियां आपस में खुसर-पुसर करने लगीं। तभी सुनहरी मछली ने रूहू के करीब आकर कहा, अरे तुम मुझे देखकर इतनी आश्चयर्यचकित क्यों हो। रूहू ने सुनहरी मछली को छूते हुए कहा, आपका रंग कितना सुंदर है, आप कहां से आई हो?

सुनहरी मछली ने कहा- मेरा नाम सोना है। मैं नदी के दूसरे छोर से आई हूं। तभी रूहू की सारी सहेलियां वहां पहुंच गईं और उन्होंने सोना मछली को घेर लिया। वे उससे ढेर सारे सवाल करने लगीं। चूंकि सोना बाकी मछलियों से बड़ी थी, इसलिये वे सब उसे सोना दीदी कहकर पुकारने लगीं। एक ने पूछा, सोना दीदी, क्या आप जैसी सुनहरी मछलियां और भी हैं उस तरफ। रूहू ने कहा, काश मेरा रंग भी सुनहरा होता।

सोना मछली ने हंसते हुए कहा, अरे कैसी बात कर रही हो तुम सब। तुम्हारा रंग सफेद है और वाकई तुम सब बहुत सुंदर हो। ईश्वर ने हम सबको अलग-अलग रंग दिया है। हम जिस रंग के हैं, हमें उसी में खुश रहना चाहिये। तभी रूहू की सहेली जेली ने कहा, लेकिन हमने तो अब तक सिर्फ सफेद रंग की मछलियां ही देखी थीं। क्या मछलियों के और भी रंग होते हैं? सोना ने कहा, हां मछलियां तो बहुत रंग की होती हैं, जैसे नारंगी, पीली, गुलाबी, हरी, नीली और न जाने कितने रंग की। कुछ मछलियां छोटी होती हैं और कुछ बहुत बड़ी।

सोना ने उन्हें डॉल्फिन मछली के बारे में बताया जो इंसानों के काफी करीब बताई जाती है। रूहू और उसकी सहेलियों के लिए यह एकदम नई बात थी। रूहू ने कहा, सोना दीदी मैं रंग बिरंगी मछलियां देखना चाहती हूं। मैं डॉल्फिन से भी मिलना चाहती हूं। बाकी मछलियां भी शोर मचाने लगीं, हां, हमें भी रंगबिरंगी मछलियां देखनी हैं।

सोना ने कहा- ठीक है, इसके लिए तो तुम सबको नदी के दूसरे छोर की ओर चलना होगा। रूहू ने कहा, दीदी हमारी मां ने हमें दूर जाने से मना किया है। सोना ने कहा, अरे चिंता क्यों करती हो, हम सब शाम से पहले लौट आएंगे। तभी रूहू की एक सहेली ने कहा, आओ चलते हैं बड़ा मजा आएगा। हम सब शाम से पहले लौट आयेंगे।

बस क्या था, सारी मछलियां सोना मछली के संग चल पड़ीं। जैसे-जैसे वे नदी में आगे बढ़ती गईं उन्हें अद्भुत नजारे देखने को मिले। थोड़ी दूर जाने पर उन्हें नारंगी मछलियों का झुंड मिला। उन्हें देखते ही सफेद मछलियां चीख पड़ीं, अरे देखो तो कितनी प्यारी हैं ये। नारंगी मछलियां भी सफेद मछलियों को देखकर खुश थीं। वे सब आपस में मिलकर पानी में छपछप करने लगीं। कुछ देर बाद मछलियों का झुंड आगे बढ़ा। आगे जाने पर गुलाबी मछलियां दिखीं तो रूहू और उसकी सहेलियों की आंखें अचरज से खुली रह गईं। रूहू ने कहा, गुलाबी कितना प्यारा रंग है। इसी तरह रास्ते में नीली, पीली, हरी और न जाने कितने रंग की मछलियां मिलीं। रूहू ने कहा, हमें तो पता ही नहीं था मछलियों की इस खूबसूरत दुनिया के बारे में। सोना ने कहा, अरे अभी क्या है अभी तो तुम सबको डॉल्फिन से मिलना है।

कुछ देर बार वे डॉल्फिन के पास पहुंच गईं। सफेद मछलियों के लिये डॉल्फिन सबसे बड़ा आश्चर्य था। उन्होंने इतनी बड़ी और इतनी तेजी से पानी में छलांग लगाने वाली मछली पहले कभी नहीं देखी थी।

सबसे बड़ा मजा तब आया जब डॉल्फिन नन्हीं सफेद मछलियों को देखकर हंसने लगी। रूहू ने कहा, अरे ये तो इंसानों की तरह हंस रही है। सबने डॉल्फिन की पीठ पर चढ़कर खूब मस्ती की।

तभी सोना मछली ने कहा, अब हमें लौटना चाहिए। पर सफेद मछलियां कुछ दूर आगे चलने की जिद करने लगीं। सोना ने समझाया, देखो अंधेरा हो रहा है, पर सफेद मछलियां तो बस मस्ती के मूड में थीं। वे थोड़ा आगे बढ़ी ही थीं कि एक दुष्ट शार्क मछली से टकरा गईं। टक्कर लगते ही शार्क चिल्लाने लगी, तुम सबने मुझे जगा दिया, अब मैं तुम्हें नहीं छोड़ेगी। यह सुनते ही सफेद मछलियां डर के मारे कांपने लगीं। तभी सोना मछली ने हाथ जोड़ते ही कहा, शार्क आंटी इन्हें माफ कर दीजिए। पर शार्क का गुस्सा कम नहीं हुआ। वो सोना मछली को धमकी देने लगी।

उसने कहा कि वह सारी सफेद मछलियों को एक जाल में बंद कर देगी। इसी बीच रूहू तेजी से चलकर पीछे गई और डॉल्फिन को बुला लाई। डॉल्फिन को देखते ही शार्क डर गई। उसने कहा, चलो कोई बात नहीं है, इस बार मैं तुम सबको माफ कर देती हूं, पर आगे से मेरे इलाके में मत आना।

सफेद मछलियों और सोना दीदी ने डॉल्फिन को धन्यवाद कहा। रूहू ने कहा, डॉल्फिन आप सचमुच बहुत प्यारी हो। आपसे मिलकर हमें बहुत अच्छा लगा। डॉल्फिन ने कहा, मुझे भी तुम सबसे मिलकर बड़ा मजा आया। अब मैं तुम सबको तुम्हारे घर छोड़ने चलूंगी। मैं नहीं चाहती कि अब तुम लोगों पर दोबारा ऐसा खतरा आए। यह सुनते ही सारी मछलियां खुशी से उछल पड़ीं। रूहू ने कहा, वाह कितना मजा आयेगा। मेरी मां तो डॉल्फिन और सोना दीदी से मिलकर बहुत खुश हो जायेंगी। आओ, जल्दी घर चलें, नहीं तो अंधेरा हो जाएगा।

रंग भरो

बिंदु मिलाओ

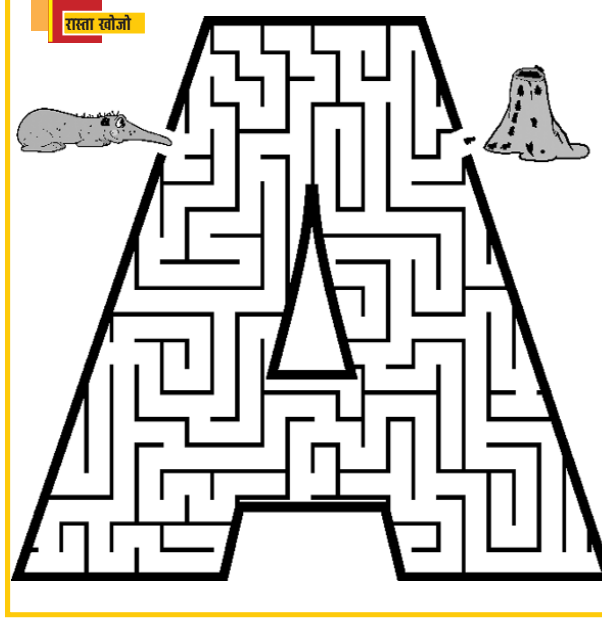

बैटमैन की कहानी

बचपन में अपने माता-पिता की हत्या का बदला लेने के लिए बैटमैन खुद को मजबूत बनाता है और काल्पनिक शहर गोथम में अपने इस काम को अंजाम देता है। दरअसल बैटमैन का नाम ब्रूस वेन है, जो आम जिंदगी में एक अमीर आदमी है।

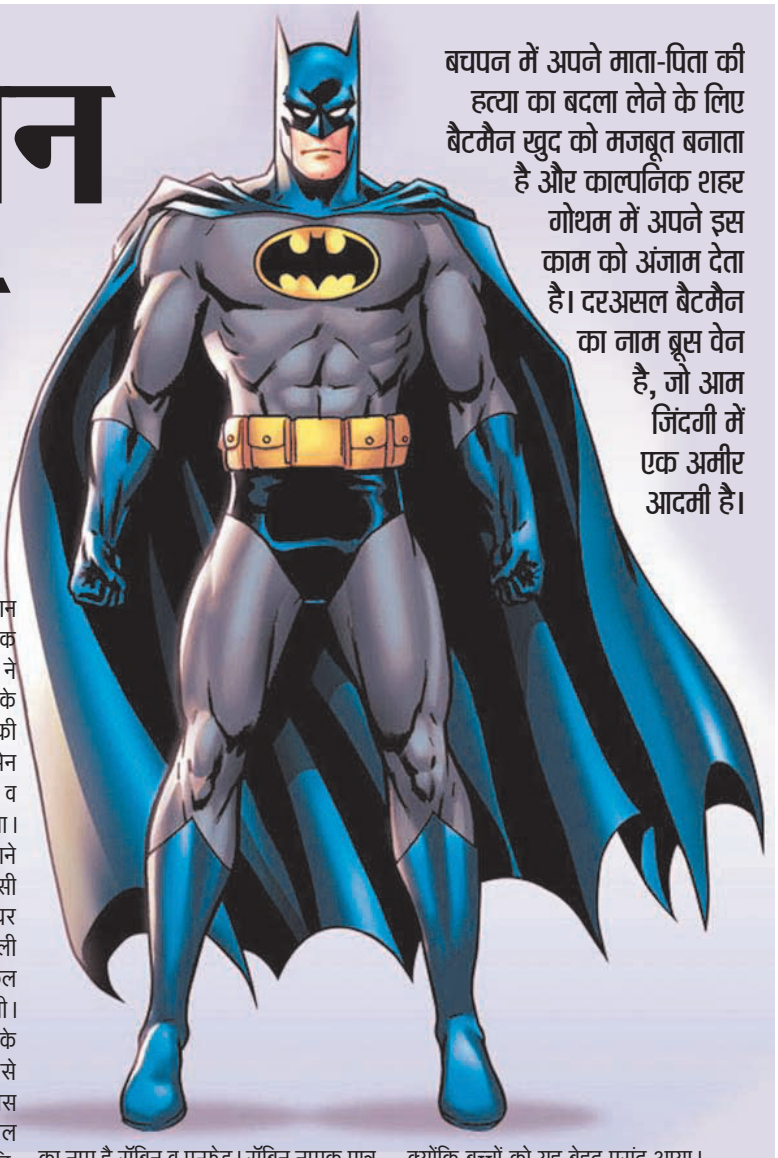

1938 के शुरुआती समय में एक्शन कॉमिक्स में 'सुपरमैन' नामक काल्पनिक चरित्र की अपार सफलता ने डीसी कॉमिक्स को भी नए पात्र लाने के लिए प्रेरित किया और इस तरह काफी कश्मकश के बाद जन्म हुआ बैटमैन का। इस चरित्र को दो लोगों बॉब कॉन व बिल फिंगर ने मिलकर गढ़ा था। अपराधियों के दिलों में दहशत जगाने वाला यह किरदार सबसे पहले डीसी कॉमिक्स ने आधिकारिक तौर पर प्रकाशित किया था। बैटमैन की पहली कहानी थी 'द केस-ऑफ द केमिकल सिंडीकेट' जो सन 1939 में आई थी। अपने खास चमगादड़ की शक्ल के काले लिबास में बैटमैन को बुरे लोगों से लड़ते हुए दिखाया गया, पर उसके पास सुपरमैन की तरह कोई सुपरनेचुरल ताकत नहीं है। वह अपनी तीक्ष्ण बुद्धि, जासूसी दक्षता और तकनीकी ज्ञान के बलबूते अपराधियों को छकाता है।

बचपन में अपने माता-पिता की नृशंस हत्या का बदला लेने के लिए बैटमैन खुद को मानसिक व शारीरिक तौर पर मजबूत बनाता है और वह काल्पनिक शहर गोथम में अपने इस काम को अंजाम देता है। दरअसल बैटमैन का नाम ब्रूस वेन है, जो आम जिंदगी में एक अमीर आदमी है। उसके दो सहयोगियों का नाम है रॉबिन व एन्फ्रेड। रॉबिन नामक पात्र को फिंगर के इस सुझाव के बाद बैटमैन की जिंदगी में शामिल किया गया कि बैटमैन को भी अपने मन की बात कहने के लिए किसी दोस्त की जरूरत है।

इसकी लोकप्रियता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि 1952 में प्रकाशित कहानी 'द माइटिएस्ट टीम इन द वर्ल्ड' में पहली बार इसे सुपरमैन के साथ पेश किया गया, जिसमें यह दर्शाया गया कि दोनों एक दूसरे की असली पहचान को जान लेते हैं। यह सिलसिला लगभग 1986 तक लगातार चला, क्योंकि बच्चों को यह बेहद पसंद आया।

इसके बाद समय-समय पर लोगों की बदलती रुचि को ध्यान में रखकर इस पात्र में अपेक्षित बदलाव किए गए। 1943 में पहली बार बैटमैन पर एक टेलीविजन धारावाहिक का प्रसारण हुआ, जिसमें लिविस विल्सन यह किरदार निभाने वाले पहले अभिनेता बने। अगले दो वर्षो में यह किरदार सुपरमैन टीवी के साथ-साथ रेडियो पर भी छाने लगा और 1949 में बैटमैन एंड रॉबिन शीर्षक से बने धारावाहिक ने इसे उन घरों में भी पहुंचा दिया, जिन्होंने कभी कॉमिक्स खरीदी ही नहीं।

मटका किंग में विजय वर्मा के साथ नजर आएंगी कृतिका कामरा

अभिनेता विजय वर्मा इन दिनों अपनी आगामी क्राइम ड्रामा वेब सीरीज 'मटका किंग' को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। हाल ही में इसका पहला पोस्टर भी जारी हुआ है। अब सीरीज से जुड़ी एक अहम अपडेट सामने आई है। दरअसल, मटका किंग में विजय वर्मा के साथ कृतिका कामरा मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। बता दें कि 'बंबई मेरी जान' में एक गैंगस्टर की दमदार भूमिका निभाने के बाद कृतिका इस सीरीज में मुख्य भूमिका निभाएंगी। इस सीरीज का निर्देशन नागराज मंजुले करेंगे।

मुख्य भूमिका में कृतिका

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक कृतिका 'मटका किंग' में मुख्य भूमिका निभाते हुए नजर आएंगी। इस बात का खुलासा खुद कृतिका ने किया है। कृतिका ने एक बातचीत के दौरान कहा, 'मैं मटका किंग का हिस्सा बनकर और ऐसी प्रतिभाशाली टीम के साथ काम करके रोमांचित हूं।' उन्होंने आगे कहा कि विजय वर्मा के साथ काम करना उनके लिए एक रोमांचक अवसर है। वह उनके काम की भी प्रशंसक हैं। अभिनेत्री ने निर्देशक नागराज मंजुले की तारीफ करते हुए कहा, 'नागराज मंजुले की नजर और कहानी कहने की कला बेजोड़ है। मैं उनके निर्देशन में अपने किरदार को जीवंत करने के लिए उत्सुक हूं।'

सांस्कृतिक इतिहास से भरी है मटका किंग

अभिनेत्री ने आगे कहा कि 'मटका किंग' की कहानी न केवल दिलचस्प है, बल्कि सांस्कृतिक इतिहास से भी समृद्ध है। कृतिका ने कहा कि भारत के अतीत के ऐसे महत्वपूर्ण पहलू से प्रेरणा लेने वाली परियोजना का हिस्सा बनना उनके लिए सम्मान की बात है।

आफ़ताब के साथ स्क्रीन शेयर करेंगी उर्वशी

एक्टर -निर्माता आफताब शिवदासानी काफी समय के बाद एक रोमांटिक, हॉरर-ड्रामा के साथ हिंदी सिनेमा में वापसी की तैयारी कर रहे हैं, जिसका टाइटल कसूर है। आफताब को आखिरी बार 2019 की हिंदी फिल्म सेंटर में देखा गया था। इस फिल्म के लिए उर्वशी रौतेला भी आफताब के साथ आई हैं और फिल्म में काम करने के लिए तैयार हैं। हालांकि, इन दिनों अभिनेत्री अपनी फिल्म जेएनयू को लेकर चर्चा में चल रही हैं। आफताब शिवदासानी के साथ उर्वशी रौतेला के शामिल होने से फिल्म कसूर की कास्टिंग और भी दिलचस्प होती जा रही है। प्रैक्टिकल प्रोडक्शन के निर्माता आसिफ शेख ने पुष्टि की है कि उर्वशी रौतेला आगामी म्यूजिकल रोमांस-हॉरर फिल्म कसूर में आफताब शिवदासानी के साथ अभिनय करेंगी। रिपोर्ट के मुताबिक फिल्म की शूटिंग जारी है जो इन दिनों उत्तराखंड के देहरादून और ऋषिकेश में हो रही है। वे वाइब शॉट्स के लिए उत्तराखंड की पहाड़ियों को कवर करना चाहते हैं कसूर एक मनोवैज्ञानिक डरावनी कहानी है, जो तीन पात्रों के इर्द-गिर्द घूमती है। फिल्म का निर्देशन ग्लेन बैरेटो ने किया है और इसे मुदस्सर अजीज ने लिखा है, जबकि प्रोजेक्ट को बबलू अजीज ने प्रस्तुत किया है। यह पहली बार होगा जब शिवदासानी और रौतेला स्क्रीन स्पेस शेयर करेंगे। यह फिल्म 2024 के अंत या 2025 की शुरुआत तक रिलीज होने वाली है। हालांकि, साल 2001 में आई महेश भट्ट की फिल्म कसूर में आफताब दिखाई दे चुके हैं, जिसमें उनके साथ लिसा रे, इरफान खान, आशुतोष राणा और अन्य कलाकार नजर आए थे।

सोनाक्षी सिन्हा-जहीर इकबाल के ट्रोल्स पर भड़कीं ऋचा चड्ढा

ऋचा चड्ढा सिनेमा, समाज और वैश्विक मामलों में अपनी राय रखने से कभी नहीं हिचकिचाती हैं। हाल ही में अभिनेत्री अपनी करीबी दोस्त सोनाक्षी सिन्हा और जहीर इकबाल की शादी का हिस्सा बनीं, और अब वह ट्रोल्स पर चुटकी लेती नजर आई हैं। ऋचा ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर अंतरधार्मिक विवाह को लेकर सोशल मीडिया की नकारात्मकता से प्रभावित नहीं होने के लिए सोनाक्षी और जहीर की सराहना की है। ऋचा चड्ढा ने नवविवाहित जोड़े को समर्पित एक नोट साझा कर लिखा, प्रिय सोना और जहीर! मैं आपकी सादगी, एक-दूसरे के प्रति आपकी प्रतिबद्धता से प्रभावित हूं और मैं बहुत खुश हूं कि आप अपनी मन की करते हैं हैं। आपके साथ कोई तस्वीर नहीं मिली क्योंकि आप बहुत व्यस्त थे, लेकिन अली और मैं तुमसे और तुम्हारे इस जोश से बेशुमार प्यार करते हैं। तुम्हारी जोड़ी कमाल की है।

ऋचा चड्ढा ने आगे लिखा, बुरी नजर वाले तेरा मुंह फालतू। आप दोनों को प्यार। एक शानदार पार्टी के लिए धन्यवाद, और मैं आपकी जिंदगी भर की खुशियों की कामना करती हूं। जानकारी हो कि हीरामंडी में सोनाक्षी सिन्हा के साथ स्क्रीन स्पेस साझा कर चुकीं अभिनेत्री ऋचा चड्ढा ने खुद अभिनेता अली फजल के साथ अंतरधार्मिक विवाह किया था। अभिनेत्री प्रेग्नेंट हैं और जल्द ही अपने पहले बच्चे को जन्म देने वाली हैं।

मैं होम प्रॉडक्शन की फिल्म तब करूंगी जब उस लायक हो जाऊंगी

मशहूर संगीतकार राजेश रोशन की बेटी और ऋतिक रोशन की कजिन पश्मीना रोशन मनोरंजन जगत का हिस्सा बन गई हैं। फिल्म इश्क विश्व रिबाउंड से बड़े पर्दे पर दस्तक दे रही पश्मीना ने खुलकर बात की।

कोई मिल गया के सेट पर हुआ सिनेमा से इश्क

सिनेमा से पहली बार इश्क-विश्क के बारे में पूछने पर वह बताती हैं, मेरी सिनेमा को लेकर शुरुआती याद फिल्म कोई मिल गया के सेट की है। फिल्म सिटी में कसौली शहर बसाया गया था। तब मैं बहुत छोटी थी मगर मैं और मेरी बहन रोज सेट पर जाते थे। फिल्म में बच्चे भी थे तो उनके साथ हम बहुत मस्ती करते थे। मुझे वहां पर इतना मजा आता था कि लगता था कि कभी घर ही ना जाना पड़े। तब से जब भी मैं सेट पर होती थी, सबसे ज्यादा खुश होती थी। धीरे-धीरे मुझे लगने लगा कि यही मेरी दुनिया है। यहां मुझे सबसे ज्यादा खुशी और संतुष्टि मिलती है। इसलिए, मैं स्कूल में भी थिएटर करने लगी।

मैं गाना ना गाऊं, वही अच्छा है

पश्मीना के पापा राजेश रोशन जाने-माने संगीतकार हैं, ऐसे में उनका गायकी की ओर रुझान नहीं हुआ? इस पर वे हंसकर कहती हैं, मैं कीबोर्ड बजाती हूं। वह मुझे बहुत अच्छा लगता है मगर गाने के मामले में मेरा सुर बिल्कुल नहीं लगता। मेरे पापा को लगता है कि मेरी आवाज़ अच्छी है लेकिन मैं जब गाना गाती हूं तो मेरा चेहरा दर्द होता है। इसलिए, मुझे लगता है कि मेरे पापा की शान के लिए अच्छा है कि मैं मैं ना गाऊं।

फिल्मी फैमिली के फायदे से इंकार नहीं

पश्मीना इंडस्ट्री की मशहूर रोशन फैमिली से हैं। उनके ताऊ जी राकेश रोशन खुद बड़े निर्माता है। ऐसे में वे अपने होम प्रॉडक्शन से भी लॉन्च हो सकती थीं? इस पर वह कहती हैं, मैं वो नहीं चाहती थी। मैं पहले उसके लायक बनना चाहती थी। मेरे घरवाले ऐसे लोग नहीं हैं जो सिर्फ लॉन्च करने के लिए फिल्म बना दें। पहले तो अच्छी स्क्रिप्ट होनी चाहिए, फिर मुझे उसके लायक होना चाहिए। जो लोग कहते हैं कि हमें फिल्मी परिवार से होने का फायदा मिलता है, उससे इंकार नहीं किया जा सकता। मैंने ऐक्टिंग क्लास की है, वहां उन लोगों को देखा है जो छोटे शहरों से ऐक्टर बनने आते हैं। उन्हें मुंबई में खुद किराया भरना पड़ता है, उसके लिए काम ढूंढना पड़ता है। मुझे पता है कि मेरे घरवाले अगर किसी को मेरे लिए कॉल नहीं भी कर रहे हैं, पर मैं कमरे में जाकर अपना नाम बोलूं तो एक वेटेज मिलती है तो मैं इससे इंकार नहीं करूंगी कि थोड़ा प्रिविलेज होता है।

दिलजीत दोसांझ ने की स्ट्रगल पर बात

दिलजीत दोसांझ ने अपनी स्ट्रगल के बारे में बात की है। हाल ही में एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा कि उन्हें सक्सेस इतनी आसानी से नहीं मिली है बल्कि इसके लिए उन्हें सालों का इंतजार करना पड़ा है। एक इंटरव्यू में दिलजीत ने कहा, ये फेम रातोंरात हासिल नहीं हुआ है। आप एक दिन में ये सब हासिल नहीं कर सकते हैं। मैं इस इंडस्ट्री में 22 साल से हूं और यहां तक पहुंचने के लिए मैंने दिन-रात मेहनत की है। इसके लिए मुझे तगड़ी कीमत चुकानी पड़ी है, मैं अपने परिवार को भी वक्त नहीं दे पाया। मेरी सालों की मेहनत अब मुझे सफलता दे रही है। लेकिन मेरी और भी कुछ प्लानिंग है। आपको इसके बारे में जल्द पता चल जाएगा।

जालंधर के दोसांझ कलां में पैदा हुए दिलजीत ज्यादा पढ़ नहीं पाए। उन्होंने लुधियाना में रहकर दसवीं तक पढ़ाई की। परिवार की आर्थिक स्थिति अच्छी न होने की वजह से वो आगे पढ़ नहीं पाए। गुरुद्वारे में कीर्तन सुनने के बाद गायकी की ओर बढ़े। लुधियाना के ही स्थानीय गुरुद्वारे में शास्त्रीय संगीत की ट्रेनिंग ली और कीर्तन करने लगे। कीर्तन करते दिलजीत की आवाज सबको अच्छी लगती तो लोगों ने उन्हें बाहर गाने के लिए प्रेरित किया। इसके बाद गुरुद्वारे से दिलजीत बाहर निकलकर शादी-समारोहों में गाने लगें। इसी तरह गाते-गाते वे पंजाबी म्यूजिक इंडस्ट्री तक पहुंच गए। 2004 में दिलजीत ने अपना पहला एल्बम इश्क दा उड़ा अड्डा रिलीज किया। 2011 में द लायन ऑफ पंजाब फिल्म से डेब्यू किया। फिल्म फ्लॉप रही लेकिन उनका एक गाना सुपरहिट रहा। पहली बार बीबीसी के एशियन डाउनलोड चैट में नॉन बॉलीवुड सिंगर का गाना टॉप पर पहुंचा। 2016 में फिल्म उड़ता पंजाब से बॉलीवुड में एंट्री ली। इसके बाद फिल्लौरी, सूरमा, अर्जुन पटियाला, गुड न्यूज और सूरज पे मंगल भारी में एक्टिंग की।

करण जौहर ने फिल्म बैड न्यूज में विक्की-तृप्ती के किरदारों के नाम से उठाया पर्दा

फिल्म की स्टारकास्ट को लेकर करण ने अपने सोशल मीडिया पर कुछ फोटोज साझा की हैं इस फिल्म के निर्माता हैं। करण जौहर और निर्देशक हैं। आनंद तिवारी, यह फिल्म 19 जूलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। करण ने कैप्शन में लिखा, अखिल चड्ढा.. सब तो वड्डा। फिल्म में तृप्ति डिमरी सलोनी के किरदार में नजर आएंगी, जो हर एक परिक्षा के लिए हमेशा तैयार रहती हैं। गुरबीर पाजी- रोला पाई गया जी।

इंडस्ट्री में लोगों को संभालना आना चाहिए नहीं तो टैलेंट स्टोर रूम में पड़ा रहेगा

एक समय कॉमेडी फिल्मों में नजर आने वाली अभिनेत्री रिमी सेन इन दिनों एक कानूनी मामले के चलते सुर्खियों में हैं। रिमी सेन ठगी का शिकार हो गई हैं और ठगी भी कोई छोटी-मोटी नहीं, बल्कि चार करोड़ रुपये की हुई है। हाल ही में दिए एक साक्षात्कार में उन्होंने इस मामले और अपने करियर को लेकर खुलकर बातचीत की।

क्या है पूरा मामला?

रिमी सेन ने एक हालिया साक्षात्कार में बताया कि ठगी करने वाले शख्स ने खुद की पहचान एक अमीर व्यवसायी की बताई थी। पैसे ऐंठने का मामला साल 2020 से चल रहा था। दरअसल, उस आदमी ने रिमी के पैसों को ऊंची ब्याज दरों के साथ लौटाने का वादा किया था, लेकिन ऐसा हुआ नहीं। पैसे मिलने के बजाय बहाने मिलने शुरू हो गए। रिमी के मुताबिक उसने कई टुकड़ों में चार करोड़ रुपये लिए थे और अब उसके खिलाफ एक वारंट जारी किया जाएगा।

कॉमेडी फिल्मों में काम कर-करके थक गई थीं रिमी

रिमी ने अपने करियर के बारें में बात करते हुए कहा कि फिल्म इंडस्ट्री में आपको लोगों को संभालने की कला आनी चाहिए। प्रतिभा उसके बाद में आती है। ऐसा नहीं कर पाने पर कुछ नहीं हो सकता है और टैलेंट स्टोर रूम में पड़ा रहेगा। रिमी ने साफ-साफ कहा कि उन्हें बेचना और पीआर करना नहीं आता था। अपने किरदारों को लेकर रिमी ने कहा कि वो कॉमेडी फिल्मों में अभिनय कर-करके थक चुकी थीं। उन्होंने कहा कि उन फिल्मों में ज्यादा कुछ करने को नहीं होता था। केवल फर्नीचर रोल होता था। हालांकि, उन्होंने बताया कि हंगामा और जॉनी गद्दार ऐसी फिल्में थीं, जिनमें उन्हें लगता है कि उन्हें अच्छा रोल मिला था।

फिल्मों के बजट और एक्टर्स की फीस पर बोले अनिल

पिछले कुछ दिनों से बॉलीवुड में एक्टर्स की बढ़ती फीस और बजट का मुद्दा गरमाया हुआ है। एक्टर्स की बढ़ती फीस पर करण जौहर और अनुराग कश्यप चिंता जाहिर कर चुके हैं। अब अनिल कपूर ने भी फिल्म के बजट, एक्टर्स की फीस और गैरजरूरी डिमांड्स को लेकर बात की है। उन्होंने कहा कि एक्टर्स के ज्यादा फीस की वजह से फिल्म के बजट पर काफी असर पड़ता है। ऐसा कई बार हुआ कि मैंने प्रोड्यूसर्स को सपोर्ट करने के लिए फीस नहीं ली । बिग बॉस ओटीटी सीजन 3 को होस्ट कर रहे अनिल कपूर ने इंडियन एक्सप्रेस को दिए इंटरव्यू में कहा- एक्टर्स के ज्यादा फीस की वजह से फिल्म के बजट पर काफी असर पड़ता है। एक प्रोड्यूसर अधिक से अधिक फिल्में बना सके, इसके लिए एक्टर्स को अपनी फीस और गैरजरूरी डिमांड्स के बारे में सोचना चाहिए। अनिल कपूर ने कहा- मैंने बिना पैसे लिए भी फिल्में की हैं। ऐसा कई बार हुआ कि मैंने प्रोड्यूसर्स को सपोर्ट करने के लिए फीस नहीं ली। आज सभी एक्टर्स और तकनीशियनों को अपनी फीस के बारे में सोचना चाहिए। फिल्म जितने कम बजट में बनेगी, प्रोड्यूसर्स उतनी ही अधिक फिल्में बना सकते हैं। अनिल कपूर प्रोड्यूसर के तौर पर बधाई हो बधाई, गांधी माई फादर, आयशा, वीरे दी वेडिंग और खूबसूरत समेत कई फिल्में प्रोड्यूस कर चुके हैं। इन फिल्मों के निर्माण के दौरान वो आर्थिक तंगी का भी समाना कर चुके हैं।

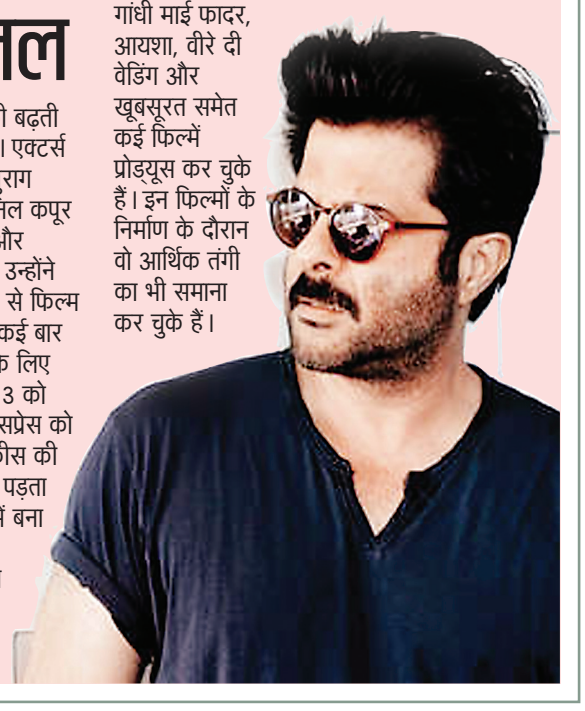

संक्षिप्त समाचार

मध्य प्रदेश में हाई बीपी के प्रति जागरूकता पैदा करना चाहता है ओमरॉन हेल्थकेयर

भोपाल। भारत में हाई बीपी एक गंभीर स्वास्थ्य समस्या है। देश में 220 मिलियन से अधिक लोग हाई बीपी से पीड़ित हैं, लेकिन डब्ल्यूएचओ के एक रिसर्च से पता चला है कि उनमें से केवल 15 प्रतिशत को ही इलाज मिल पाता है। उनमें से लगभग 5 प्रतिशत डिजिटल बीपी मॉनिटर का उपयोग करते हैं। इससे पता चलता है कि अधिकतर लोग अपनी स्थिति से अनजान रहते हैं या उन्हें उचित इलाज नहीं मिलता है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5 के अनुसार मध्य प्रदेश में प्री-हाइपरटेंशन की व्यापकता दर 35.5 प्रतिशत और बढ़े हुए बीपी की प्रसार दर 14.3 प्रतिशत है। इसके अतिरिक्त, 18-54 वर्ष के आयु वर्ग में 37.6 प्रतिशत आबादी ने कभी भी बीपी नहीं जांचा है। प्रीहाइपरटेंशन का बोझ, सामान्य बीपी और हाई बीपी एक साथ होना बहुत चिंताजनक है, क्योंकि यह अक्सर हाई बीपी में बदल सकती है। प्रीहाइपरटेंशन निकट भविष्य में सीवीडी बोझ में महत्वपूर्ण योगदान दे सकता है, जो बीपीएटी होम की प्रभावी निगरानी और प्रबंधन की तुरंत जरुरत को दर्शाती है। ब्लड बीपी के साथ ही ईसीजी मॉनिटरिंग भी जरूरी है। एट्रियल एएफआईबी जैसी स्थितियां, जिसके कारण हृदय अनियमित और तेज़ धड़कने लगता है, जिससे स्ट्रोक और हार्ट अटैक का खतरा काफी बढ़ जाता है। हाई बीपी के साथ स्ट्रोक का जोखिम 3.4 गुना अधिक है, लेकिन अफिब के साथ यह 5 गुना अधिक है और अफिब को केवल तभी मापा जा सकता है जब कोई मरीज ईसीजी माप रहा हो। इन जोखिमों के बावजूद, हाल ही में आईसीएमआर के एक अध्ययन से पता चला है कि 18-54 आयु वर्ग के 30 प्रतिशत भारतीयों ने कभी अपना रक्तचाप नहीं मापा है।

ईज़मायट्रिप ने भोपाल में अपना पहला ऑफलाइन स्टोर खोलकर अपनी उपस्थिति बढ़ाई

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत के प्रमुख ट्रैवल टेक प्लेटफॉर्म ईज़मायट्रिप डाट काम ने मध्यप्रदेश के भोपाल शहर में अपना पहला फ्रेंचाइजी स्टोर खोला है। ये देशभर में लॉन्च किया गया उनका 16वां स्टोर है। इससे ईज़मायट्रिप की फ्रेंचाइजी मॉडल के जरिए अपनी ऑफलाइन उपस्थिति बढ़ाकर ग्राहकों की जरूरतों को पूरा करने की प्रतिबद्धता नजर आती है। इस नए आउटलेट का शुभारंभ ब्राण्ड की विकास यात्रा में एक बड़ी उपलब्धि है। यह स्टोर शहर के बीचोंबीच स्थित है, जिसकी वजह से महाराणा प्रताप नगर जोन 2 के आस-पास के ग्राहकों को ट्रैवल का बेहतरीन अनुभव मिलने वाला है। इस स्टोर का खूबसूरत माहौल ब्राण्ड की पहचान और ग्राहकों की जरूरतों को केंद्र में रखने की उनकी सोच से पूरी तरह मेल खाता है। साथ ही इस स्टोर में ग्राहकों की बदलती जरूरतों को पूरा करने के लिए बेहतरीन सेवाएं उपलब्ध हैं। इस आउटलेट में ग्राहकों को कई तरह की सेवाएं मिलेंगी, जिसमें फ्लाइट और होटल रिजर्वेशन तथा बस व रेलवे टिकट से लेकर शानदार छुट्टियों, क्रूज़ और ग्रुप ट्रैवेल के लिए विशेषरूप से तैयार किये पैकेजेज तक शामिल हैं। इतना ही नहीं, इस स्टोर में वीज़ा संबंधी सहायता भी मिलेगी। यहां एक ही छत के नीचे अलग-अलग जरूरतों को सहजता से पूरा किया जाएगा। रिकांत पिट्टी, को-फाउंडर, ईज़मायट्रिप का कहना है, यह फ्रेंचाइजी मॉडल ग्राहकों तक पहुंच बढ़ाने और उनकी जरूरतों को पूरा करने के लिए काफी सोच-विचार के साथ लाया गया है। हर स्टोर के शुभारंभ के साथ ना केवल हमारी भौगोलिक उपस्थिति का विस्तार हो रहा है, बल्कि हम उन क्षेत्रों के ग्राहकों के साथ और करीब से जुड़ रहे हैं। साथ ही अपनी अनूठी पेशकश के साथ उनकी यात्रा के अनुभव को बेहतर बना रहे हैं। भोपाल में हमारा यह नया आउटलेट ग्राहकों की जरूरतों को समझने और उन्हें पूरा करने के हमारे निरंतर प्रयास को दर्शाता है।

हायर इंडिया ने होम एस्थेटिक्स को फिर से परिभाषित किया

मॉडर्न किचन अपग्रेड के लिए मैट फिनिश स्टील डोर वाले ग्रेफाइट रेफ्रिजरेटर किए पेश

205 लीटर से 602 लीटर की क्षमता में उपलब्ध नई रेंज की शुरुआती कीमत 24,690 रुपये होगी और यह प्रमुख रिटेल चैनलों पर उपलब्ध होगी।

नईदिल्ली, एजेंसी। लगातार 15 सालों से नंबर 1 वैश्विक प्रमुख उपकरण ब्रांड, हायर अप्लायंसेज इंडिया ने अपनी ग्रेफाइट सीरीज का अनावरण किया है। यह स्टील डोर रेफ्रिजरेटर की एक प्रीमियम रेंज है, जिसमें मैट फिनिश और आधुनिक डिजाइन है, जो भारतीय घरों के एस्थेटिक्स को बढ़ाती है। यह सीरीज 205 से 602 लीटर तक की क्षमता में उपलब्ध होगी, जो विभिन्न भंडारण आवश्यकताओं को पूरा करेगी, जिससे यह हर भारतीय घर के लिए उपयुक्त है।

प्रीमियमाइजेशन पर ध्यान केंद्रित करते हुए, नए रेफ्रिजरेटर की रेंज में एक स्मूथ मैट फिनिश डिजाइन है, जो आधुनिक भारतीय घरों में सहजता से मिश्रण करता है और समकालीन सुंदरता के साथ किचन के स्पेस को ऊंचा करता है। यह सीरीज डायरेक्ट कूल, टॉप-माउंटेड, बॉटम-माउंटेड, 2-डोर साइड-बाय-साइड, और 3-डोर साइड-बाय-साइड सहित कई कॉन्फ़िगरेशन में उपलब्ध है। हायर ने अपने क्रांतिकारी 3-डोर वाईफाई कन्वर्टिबल साइड बाय साइड रेफ्रिजरेटर की रेंज में भी मैट फिनिश सीरीज को पेश की है, जिससे उपयोगकर्ता

हाइस्मार्ट ऐप का उपयोग करके कहीं से भी फ्रीजर सेक्शन को फ्रिज में बदल सकते हैं।

लॉन्च पर टिप्पणी करते हुए, हायर अप्लायंसेज इंडिया के प्रेजिडेंट, श्री एनएस सतीश ने कहा, हायर में, हमारी स्थायी प्रतिबद्धता ग्राहक-प्रेरित अभिनव समाधान प्रदान करने के इर्द-गिर्द घूमती है जो देश भर में रोजमर्रा की जिंदगी को समृद्ध बनाती है। हमारा रणनीतिक फोकस व्यापक अनुसंधान, अत्याधुनिक तकनीकों और अत्यधिक कुशल निर्माण प्रक्रियाओं के आधार पर विभिन्न श्रेणियों में सर्वोत्तम श्रेणी के उत्पादों को पेश करने पर केंद्रित है। दो दशकों से अधिक समय से भारतीय बाजार में एक मजबूत उपस्थिति स्थापित करने के बाद, हमारी ग्रेफाइट सीरीज का लॉन्च प्रीमियम नवाचार और डिजाइन का सही संयोजन पेश करके उपभोक्ताओं के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उपभोक्ताओं की बढ़ती जरूरतों को पहचानते हुए, हम ऐसे उपकरणों की पेशकश करने के अपने प्रयास में दृढ़ हैं जो सौंदर्य संबंधी उत्कृष्टता के साथ दक्षता को जोड़ते हैं। हमें विश्वास है कि हमारी नई रेंज प्रीमियम अनुभव प्रदान करेगी, जो हमारे ग्राहकों की बदलती आवश्यकताओं के साथ पूरी तरह से मेल खाएगी।

प्रीमियम, आधुनिक डिज़ाइन और वाईफाई सक्षम स्मार्ट रेफ्रिजरेटर

हाल के वर्षों में, भारतीय उपभोक्ताओं के बीच अपने घरों की सजावट को अधिक महत्व देने और उन्हें अपने व्यक्तित्व के प्रतिबिंब के रूप में देखने में उल्लेखनीय बदलाव आया है। इस बदलती प्रवृत्ति और बढ़ती मांग को स्वीकार करते हुए, हायर ने ग्रेफाइट सीरीज पेश की है, जो आधुनिक भारतीय घरों के एस्थेटिक्स को उन्नत करते हुए नवीन सुविधाओं और प्रीमियम डिजाइन का एक आदर्श संयोजन है। ग्रेफाइट श्रृंखला में वाईफ़ाई सक्षम स्मार्ट रेफ्रिजरेटर भी शामिल हैं, जिन्हें आप कहीं से भी कनेक्ट और नियंत्रित कर सकते हैं। रेफ्रिजरेटर की नई रेंज में टर्बो आइसिंग फीचर है, जो सभी मॉडलों पर उपलब्ध है, जो पावरफुल कूलिंग और फ्रीजिंग प्रदान करता है, जिससे भोजन, सब्जियों और फलों की ताजगी और स्वाद को संरक्षित करते हुए समय की बचत होती है। इसके अतिरिक्त, बॉटम-माउंटिंग मॉडल 1-घंटे की आइसिंग सुविधा से लैस हैं, जो तेजी से फ्रीजिंग सुनिश्चित करता है और फैमिलीज़ को ठंडे पेय और फ्रोजन ट्रीट्स का आनंद लेने देता है। हायर की उन्नत ट्रिपल इन्वर्टर टेक्नोलॉजी अधिक ऊर्जा बचत और शोर को कम करने की अनुमति देती है। इनोवेटिव डुअल फैन टेक्नोलॉजी विभिन्न खाद्य पदार्थों को लंबे समय तक ताजा रखने और उनके मूल स्वाद, गंध और बनावट को बनाए रखने के लिए रेफ्रिजरेटर में एयर फ्लो प्रदान करती है। रेफ्रिजरेटर की नई रेंज में एक स्मार्ट डिस्प्ले है, जो संचालित करने और तापमान और मोड को स्विच करने में आसान है। इसके अलावा, कनेक्ट होम इन्वर्टर फीचर बिजली कटौती के दौरान घर के इनवर्टर से स्वचालित रूप से जुड़ जाता है ताकि निरंतर कूलिंग सुनिश्चित की जा सके।

ग्रेट लर्निंग की अपस्किलिंग ट्रेंड्स रिपोर्ट 2024-25 के अनुसार, 85 प्रतिशत भारतीय प्रोफेशनल्स वित्त वर्ष 2025 में अपस्किलिंग में पैसा लगाने की योजना बना रहे हैं

मुंबई, एजेंसी। उच्च शिक्षा और व्यावसायिक प्रशिक्षण के लिए एक प्रमुख विश्वव्यापी एडटेक फर्म ग्रेट लर्निंग ने अपस्किलिंग ट्रेंड्स रिपोर्ट 2024-25 का तीसरा संस्करण प्रकाशित किया है। रिपोर्ट में पिछले वर्ष के दौरान भारत में ग्रेट लर्निंग के कार्यक्रमों में देखे गए रुझानों का सार दिया गया है। इसके अलावा, एक शोध फर्म के सहयोग से, ग्रेट लर्निंग ने विभिन्न उद्योगों के 1000 से अधिक पेशेवरों के साथ एक व्यापक सर्वेक्षण किया, ताकि आगामी वर्षों में भारतीय पेशेवरों की अपस्किलिंग इच्छाओं को प्रभावित करने वाले महत्वपूर्ण रुझानों और चर की पहचान की जा सके। इस शोध का उद्देश्य पेशेवरों और व्यवसायों को यह समझने में मदद करना है कि ये रुझान व्यवसायों को कैसे प्रभावित करेंगे, आवश्यक कौशल का पूर्वानुमान लगाएंगे और प्रतिस्पर्धा में आगे बने रहने के लिए खुद को तैयार करेंगे।

79 प्रतिशत प्रोफेशनल्स वित्त वर्ष 25 में अपने करियर को बेहतर बनाने के लिए कौशल उन्नयन को महत्वपूर्ण मानते हैं। वित्त वर्ष 2025 में, पूछे गए 79 प्रतिशत पेशेवरों का मानना था कि अपने पेशे को भविष्य के लिए बेहतर बनाने के लिए अपस्किलिंग बहुत ज़रूरी है। 17 वर्ष से अधिक अनुभव वाले 92 प्रतिशत प्रोफेशनल्स अपस्किलिंग को महत्वपूर्ण मानते हैं। 17 वर्ष से अधिक अनुभव वाले 92 प्रतिशत प्रोफेशनल्स अपस्किलिंग को महत्वपूर्ण मानते हैं। इसके अतिरिक्त, इंजीनियरिंग डिग्री वाले प्रोफेशनल्स सेक्टर में काम करने वाले लोग भी मानते हैं कि अपस्किलिंग ज़रूरी है। ऐसा संभवतः इसलिए हो सकता है क्योंकि नौकरी की सबसे हालिया रिपोर्ट के अनुसार, आइटी क्षेत्र में हायरिंग में 16 प्रतिशत कम हुई है। प्रौद्योगिकी व्यवधानों और बदलते बाजार की गतिशीलता के परिणामस्वरूप भारत में उद्योगों में तेजी से बदलाव हो रहा है, इसलिए नियोक्ताओं की अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए प्रोफेशनल्स लोग अतिरिक्त विशेषज्ञ कौशल सीखने की आवश्यकता के प्रति तेजी से जागरूक हो रहे हैं।

तकनीकी व्यवधानों और व्यापक आर्थिक स्थितियों के बीच भारतीय प्रोफेशनल्स में नौकरी बनाए रखने के आत्मविश्वास 62 प्रतिशत तक कमी आयी हैभारतीय पेशेवरों में अपनी नौकरी बनाए रखने के प्रति विश्वास में पिछले वर्ष की तुलना में नौ प्रतिशत अंकों की उल्लेखनीय गिरावट आई है। पिछले वर्ष के सर्वेक्षण में, 71 प्रतिशत पेशेवरों को नौकरी बनाए रखने पर भरोसा व्यक्त किया था, लेकिन इस साल यह अनुपात घटकर 62 प्रतिशत रह गया है।

तनिष्क के एनचांटेड ट्रेल्स इस प्रकृति से प्रेरित कलेक्शन ने पेरिस होट कूटुर वीक 24 में सभी को चकाचौंध कर दिया

पेरिस , एजेंसी। प्रतिष्ठित टाटा ग्रुप का एक सदस्य और भारत का प्रीमियर ज्वेलरी ब्रांड, तनिष्क ने अपना एनचांटेड ट्रेल्स कलेक्शन पेरिस होट कूटुर वीक 2024 में लॉन्च करके दुनिया भर के फैशन प्रेमियों को मंत्रमुग्ध कर दिया। फैशन की मेक्का के नाम से मशहूर पेरिस होट कूटुर वीक एनचांटेड ट्रेल्स कलेक्शन प्रस्तुत करने के लिए बेहतरीन ग्लोबल प्लेटफार्म बना। इस कलेक्शन का हर एक आभूषण कला का नमूना है, ग्लैमर और स्टाइल की नयी परिभाषा रचने वाले दुर्लभ और असली डायमंड क्रिएशन इसमें प्रस्तुत किए गए हैं।

बहती नदियों की मन मोह लेने वाली खूबसूरती, रोशनी और पानी का एक दूसरे के साथ खेलना, खिलते फूलों का आकर्षण, बेलाओं की सुंदर हरकत और हरे-भरे जंगलों में पत्तों की फुसफुसाहट से प्रेरित होकर इस कलेक्शन को बनाया गया है। प्रकृति की शांत कविता को प्रतिध्वनित करते हुए, शांत धाराओं के बीच से गुज़रती नावों का नृत्य

इसमें दिखाया गया है।

इस साल तनिष्क ने डिज़ाइनर वैशाली शदंगुले के साथ सहयोग किया है। पेरिस होट कूटुर वीक 2021 में भाग लेकर इसमें शामिल होने वाली पहली भारतीय महिला बनने का सम्मान उन्होंने हासिल किया है। तनिष्क के सिद्धांत वैशाली के दृष्टिकोण से पूरी तरह मेल खाते हैं। वैशाली तनिष्क महिला का प्रतीक है जो प्रगतिशील, आधुनिक है और विश्व मंच पर भारतीय शिल्प कौशल और कलात्मकता को बढ़ावा देने के लिए समर्पित है।

इस महत्वपूर्ण सहयोग पर, टाइटन कंपनी लिमिटेड की चीफ डिज़ाइन ऑफिसर सुश्री रेवती कांत ने कहा, एनचांटेड ट्रेल्स कलेक्शन असाधारण कलात्मकता और शुद्धता की पसंद को सम्मानित करता है। प्रकृति की भव्यता से प्रेरित होकर इसे बनाया गया है। इसके डिज़ाइन प्रकृति में पाए जाने वाले सामंजस्य और संतुलन को प्रतिबिंबित करते हैं। शाखाओं के मोड़ और घुमाव, नदियों और प्राकृतिक धाराओं के उतार-चढ़ाव, फूलों के मनमोहक रंग और पत्तों की ताज़गी से प्रेरित होकर बनाया गया यह कलेक्शन प्रकृति के सार को दर्शाता है।

पेरिस होट कूटुर वीक फैशन नवाचार और शान का प्रतीक है। हम मानते हैं कि शिल्प कौशल और कलात्मकता के प्रति हमारे समर्पण को प्रदर्शित करने के लिए यह एक अद्वितीय मंच प्रदान करता है। वैशाली शदंगुले के साथ हमारी साझेदारी शिल्प कौशल और आधुनिक डिज़ाइन के सामंजस्यपूर्ण मिश्रण का प्रतीक है। पारंपरिक तकनीकों को आधुनिक सौंदर्यशास्त्र के साथ मिलाने की उनकी क्षमता उन्हें हमारे लिए आदर्श सहयोगी बनाती है। उनके साथ मिलकर हम वैश्विक स्तर पर विलासिता की नयी परिभाषा रच रहे हैं।

नामचीन फैशन डिज़ाइनर वैशाली शदंगुले ने कहा, मैं इस सहयोग को लेकर रोमांचित हूं। आभूषण कूटुर का एक विस्तार है। ग्लोबल लक्ज़री गुणवत्ता के साथ विरासत में मिली कारीगरी बहुत ही सतर्क और कुशल ब्रांड तनिष्क के साथ सहयोग करके हम हमारे सिद्धांतों को उन्नत कर रहे हैं।

मैरिंगो सी.आई.एम.एस. हॉस्पिटल ने एक दिन में पाँच अंग दान करने की उपलब्धि हासिल की

अहमदाबाद। मैरिंगो सी.आई.एम.एस. हॉस्पिटल ने पाँच अंगों के दान करने की प्रक्रिया को सफलतापूर्वक अंजाम दिया, जिसके परिणामस्वरूप एक ही दिन में जीवन बचाने वाले पाँच प्रत्यारोपण किए गए। यह उपलब्धि अंगों के प्रत्यारोपण के लिए उत्कृष्टता के एक केंद्र के रूप में अस्पताल की प्रतिष्ठा को प्रदर्शित करती है। यह अस्पताल एक ही स्थान पर हृदय, फेफड़े, गुर्दे, यकृत और अस्थि मज्जा जैसे पाँच अंगों का प्रत्यारोपण करता है। गुजरात के भाभर के रहनेवाले 35 वर्षीय मरीज़ की एक सड़क दुर्घटना में मौत हो गई और डॉक्टरों ने उसे दिमाग से मृत घोषित कर दिया। सलाहकारों की एक टीम ने मृतक के परिवार से संपर्क किया, जो अपने परिवार के प्रिय सदस्य के अंगों को दान करने के एक अत्यंत मानवतापूर्ण कार्य करने हेतु सहमत हो गए। मैरिंगो सी.आई.एम.एस. हॉस्पिटल में एक मरीज़ के रूप में भेजे गए अंगदान करने वाले व्यक्ति के परिवार के लोगों ने असाधारण उदारता और करुणा का प्रदर्शन किया, जिससे तुरंत प्रत्यारोपण करवाने की आवश्यकता वाले लोगों को जीवन का दूसरा मौका मिल सका।

आईफोन बनाने वाली फॉक्सकॉन भारत में नहीं दे रही शादीशुदा महिलाओं को नौकरी, जानें क्यों

नई दिल्ली, एजेंसी। दुनिया की सबसे प्रमुख टेक कंपनियों में से एक एप्पल इंक ने हाल में भारत के अंदर अपना आईफोन प्रोडक्शन बढ़ाया है। साथ ही अपने अन्य डिवाइस के प्रोडक्शन को भी इंडिया में शुरू करने की योजना पर काम कर रही है। भारत में ये काम उसकी प्रमुख सप्लायर फॉक्सकॉन करती है। फॉक्सकॉन के बारे में खबर सामने आई है कि भारत में वह अपने दक्षिण भारत के प्लांट में शादीशुदा महिलाओं के जॉब्स एप्लिकेशन को रिजेक्ट कर रही है।

रॉयटर्स ने अपनी एक इंवेस्टिगेटिव रिपोर्ट में कहा है कि मार्च 2023 में पार्वती और जानकी नाम की दो महिलाएं फॉक्सकॉन की फैक्टरी में नौकरी के लिए जाती हैं। दोनों की उम्र 30 वर्ष से कम है। फैक्टरी के गेट पर मौजूद गार्ड उनसे उनके शादीशुदा होने को लेकर सवाल पूछता है और उनके हां में जवाब देने पर वापस लौटा देता है। इस बारे में एजेंसी ने जब पार्वती से पूछताछ की, तो उसने बताया कि जो ऑटोरिक्शा ड्राइवर उन्हें बस स्टैंड

से फैक्टरी के गेट तक लेकर गया था, उसने भी कहा था कि कंपनी शादीशुदा महिलाओं को नौकरी नहीं देती है। उन दोनों को ऑटोरिक्शा ड्राइवर की बात पर पूरा भरोसा नहीं हुआ। वे दोनों फिर भी खुद को एक मौका देने के लिए वहां गईं लेकिन उन्हें उल्टे पांव लौटना पड़ा। इस बारे में और जांच-पड़ताल की गई तो फॉक्सकॉन से जुड़े करीब 17 कर्मचारियों ने नाम ना बताने की शर्त पर कंपनी के इस रवैये की पुष्टि की। एजेंसी ने फॉक्सकॉन इंडिया के पूर्व ह्यूमन रिसोर्सेस एग्जीक्यूटिव एस. पॉल के हवाले से लिखा है कि कंपनी एक सिस्टम के तहत इंडिया में अपनी आईफोन असेंबली की प्रमुख फैक्टरी में शादीशुदा महिलाओं को नौकरी पाने से बाहर रखती है। इसकी वजह ये है कि शादीशुदा महिलाओं के पास अविवाहित स्त्रियों के मुकाबले ज्यादा जिम्मेदारियां होती हैं।

हुंडई मोटर इंडिया और खतरों के खिलाड़ी 14 आपको दे रहा है 'खास खिलाड़ी ऑफ द सीज़न' बनने का मौका

मुंबई, एजेंसी। 13 साल से अधिक समय से, कलर्स का 'खतरों के खिलाड़ी' स्टंट-आधारित मनोरंजन का बेमिसाल चैंपियन रहा है, जो डर से लड़ने के हैरान करने वाले पलों से भरा रहा है। अपनी रोमांच बढ़ाने वाली विरासत को आगे बढ़ाते हुए, इसका नया सीज़न संभव काम करने की सीमाओं को आगे बढ़ाने और प्रतियोगियों को रोमानिया में असाधारण डेयरडेविल में बदलने का वादा करता है। इतने सालों में, कई आम लोगों ने शो के प्रतियोगियों और इसके अदम्य मेज़बान रोहित शेट्टी के साथ फ्रेम साझा करने का सपना देखा है। पहली बार, यह सपना किसी भाग्यशाली व्यक्ति के लिए हकीकत बन जाएगा। एक प्रसिद्ध ऑटोमोबाइल निर्माता, हुंडई मोटर इंडिया लिमिटेड (हुंडई) मनोरंजन की दुनिया और ऑटोमोटिव के एकीकरण में एक रोमांचक उपलब्धि हासिल करते हुए, पहली बार प्रेजेंटिंग प्रायोजक के रूप में शो में शामिल हुई है। इस अनूठे सहयोग में एक एडवेंचरस ट्विस्ट लाते हुए, हुंडई रोमांच के फैक्टर को एक पायदान ऊपर ले जा रही है, एक वाइल्ड राइड की गारंटी दे रही है जो हर किसी को अपनी सीटों पर चिपकाए रखेगा। शो के इतिहास में एक नया अध्याय जोड़ते हुए, इस प्रेजेंटिंग प्रायोजक ने किसी आम व्यक्ति के लिए पहली बार खिलाड़ी ड्रीम को जीने के जीवन में एक बार मिलने वाले अवसर के द्वार खोल दिए हैं। 'हुंडई ड्राइव टू विन कॉन्टेस्ट' के माध्यम से, एक लकी कार उत्साही को प्रतिष्ठित खिताब खास खिलाड़ी ऑफ द सीज़न से सम्मानित किया जाएगा। वायकॉम18 के हेड-नेटवर्क सेल्स, महेश शेट्टी ने कहा, खतरों के खिलाड़ी रोमांच बढ़ाने वाले मनोरंजन का प्रतीक रहा है, जहां प्रतियोगी अपने गहरे डर का सामना करते हैं और चुनौतियों पर जीत पाने के लिए अपनी सीमाओं को पार करते हैं। हुंडई मोटर इंडिया लिमिटेड के सीओओ, तरुण गर्ग ने कहा, हुंडई मोटर इंडिया लिमिटेड में, हम लगातार ऐसी पहलों के साथ साझेदारी करने की कोशिश करते हैं जो नवाचार के प्रति हमारे जुनून को दर्शाती हों और जनता के साथ अच्छी तरह से कनेक्ट करती हों।

शाओमी इंडिया को भारत में 10 साल पूरे हुए; युवराज सिंह फाउंडेशन के साथ स्तन कैंसर जाँच अभियान शुरू किया

मुंबई, एजेंसी। भारत में इनोवेशन और सामुदायिक कल्याण में योगदान देते हुए दस साल पूरे करने के अवसर पर ग्लोबल टेक्नोलॉजी लीडर, शाओमी इंडिया ने क्रिकेटर और कैंसर सर्वाईवर, युवराज सिंह द्वारा स्थापित एक नॉन-प्रॉफिट संगठन, युवराज सिंह फाउंडेशन (यूवीकैन) के साथ एक ऐतिहासिक साझेदारी की घोषणा की। इसके अंतर्गत 'स्वस्थ महिला, स्वस्थ भारत' प्रोजेक्ट द्वारा वंचित और संसाधनों की कमी वाली महिलाओं पर केंद्रित रहते हुए 15 राज्यों में 12 महीनों के दौरान स्तन कैंसर से पीड़ित 1,50,000 महिलाओं की जाँच की जाएगी। यह अभियान भारत में प्रभाव और पहुँच के मामले में शाओमी का अब तक का सबसे विशाल प्रयास है।

शाओमी इंडिया के प्रेसिडेंट, मुरलीकृष्णन बी ने कहा, ''भारत में

हमारे एक दशक के सफर में हम सामाजिक परिवर्तन लाने के लिए अपने विस्तृत नेटवर्क का उपयोग कर एक टेक्नोलॉजी ब्रांड के मुकाबले काफी आगे तक विकास कर गए हैं। कड़वी सच्चाई यह है कि भारत में स्तन कैंसर के कारण हर 6 मिनट में एक महिला की मौत होती है, जिनमें से 70 प्रतिशत मामलों में निदान जाँच की कमी के कारण काफी एडवांस्ड स्टेज में होता है। इससे प्रदर्शित होता है कि हमारा यह मिशन कितना महत्वपूर्ण है। हमें युवराज सिंह फाउंडेशन (यूवीकैन) के साथ मिलकर काम करने पर गर्व है। हम मिलकर व्यापक परिवर्तन लाने के लिए अपनी टेक्नोलॉजिकल विशेषज्ञता का उपयोग करेंगे। हम साथ में स्तन कैंसर से जुड़े कलंक को तोड़ना, जागरुकता बढ़ाना, और इसकी तुरंत पहचान संभव बनाना चाहते हैं, ताकि अनेकों जानों को बचाया जा सके। यह अभियान भारत के लिए हमारी प्रतिबद्धता के अंतर्गत है, जो स्वास्थ्य की गंभीर चुनौतियों को संबोधित करने और स्थायी सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए इनोवेशन से बढ़कर है।''

युवराज सिंह, पूर्व क्रिकेटर और संस्थापक, युवराज सिंह फाउंडेशन (यूवीकैन) ने कहा, ''स्वस्थ महिला स्वस्थ भारत अभियान भारत में स्तन कैंसर के खिलाफ हमारी लड़ाई में एक महत्वपूर्ण कदम है।

जैक्सन ग्रीन ने दुनिया की पहली फ़्लू गैस सीओटू से फोरजी इथेनॉल परियोजना के लिए एनटीपीसी की बोली जीती

यह परियोजना फ्लू गैसों से 10 टीपीडी फोरजी इथेनॉल का उत्पादन करेगी

नई दिल्ली, एजेंसी। एक अग्रणी नई ऊर्जा संक्रमण मंच, जैक्सन ग्रीन परियोजना के लिए फ़्लू गैस सीओटू (कार्बन डायऑक्साईड) काफोर जी इथेनॉल मे रुपांतर करनेवाले प्रकल्प निर्माण का महत्वपूर्ण कार्य सौंपा गया है जो भारत के हरित भविष्य में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। यह दुनिया में अपनी तरह का पहला प्रोजेक्ट है। इस परियोजना में उत्पादित ईंधन का उपयोग बिजली उत्पादन परियोजना के लिए किया जाएगा। इंजीनियरिंग, प्रोक्योरमेंट और कंस्ट्रक्शन (ईपीसी) में भागीदार जैक्सन ग्रीन का लक्ष्य दो साल के भीतर इस परियोजना को निष्पादित करना है। इस परियोजना की परिकल्पना और डिजाइन नेत्रा (एनटीपीसी एनर्जी टेक्नोलॉजी रिसर्च एलायंस) द्वारा किया गया है। नेत्रा एनटीपीसी लिमिटेड की अनुसंधान और विकास शाखा है।

छत्तीसगढ़ के लारा में स्थापित होने वाली परियोजना फ्लू गैसों से प्रति दिन 10 टन (टीपीडी) फोर जी इथेनॉल का उत्पादन करेगी। स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में यह एक बड़ी छलांग और प्रगति है। वेओलिया कार्बन क्लीन की नवीनतम कार्बन कैप्चर तकनीक का उपयोग करते हुए, परियोजना फ्लू गैसों से 25 टीपीडी कार्बन डाइऑक्साइड गैस कैप्चर करेगी। इससे ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में काफी कमी आएगी। इसके अतिरिक्त, 7.5 मेगावाट इलेक्ट्रोलाइज़र के माध्यम से तीन टीपीडी हरित हाइड्रोजन का भी उत्पादन किया जाएगा। इस प्रक्रिया में संग्रहित कार्बन डाइऑक्साइड गैस और उत्पादित हाइड्रोजन गैस को लेन्ज़ाटेक इंक की उन्नत माइक्रोबियल किण्वन तकनीक का उपयोग करके संयोजित किया जाता है। इन्हें अंततः फोरजी इथेनॉल में परिवर्तित किया जाता है।

परियोजना के महत्व को समझाते हुए, जैक्सन ग्रीन प्राइवेट लिमिटेड के संयुक्त प्रबंध निदेशक श्री कन्नन कृष्णन ने कहा, इस ऐतिहासिक परियोजना के निर्माण में एनटीपीसी के साथ अपने दीर्घकालिक संबंधों को जारी रखने पर हमें बहुत गर्व है। यह साझेदारी हमारी अनेक संयुक्त परियोजनाओं की सफलता पर आधारित है। यह पावर-टू-एक्स मिशन में क्रांति लाने की हमारी प्रतिबद्धता को और मजबूत करता है।

संक्षिप्त समाचार

पेरिस ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे घुड़सवार अनुष

नई दिल्ली (एजेंसी)। एशियाई खेलों के पदक विजेता घुड़सवार अनुष अग्रवाल पेरिस ओलंपिक की ड्रेसेज स्पर्धा में देश का प्रतिनिधित्व करेंगे। अनुष ने बेहतर औसत के कारण करीबी मुकाबले में श्रुति वोरा को पछाड़ा। भारतीय घुडसवारी महासंघ (ईएफआई) ने मंगलवार को यह जानकारी दी। हांगझोउ एशियाई खेल 2022 में टीम ड्रेसेज स्पर्धा का स्वर्ण और व्यक्तिगत ड्रेसेज स्पर्धा का कांस्य पदक जीतने वाले अनुष को श्रुति पर तरजीह दी गई। दोनों खिलाड़ियों के हाल के प्रदर्शन के विश्लेषण के बाद अनुष को चुना गया। ओलंपिक की ड्रेसेज स्पर्धा में पहली बार कोई भारतीय घुड़सवार हिस्सा लेगा। इससे पहले भारत के घुड़सवारों ने इवेंटिंग स्पर्धा में ही हिस्सा लिया है। अनुष (अपने घोड़े सर कैरामेलो ओल्ड के साथ) ने पिछले साल शुरू हुए क्वालीफिकेशन चक्र के दौरान प्रदर्शन में निरंतरता दिखाई और न्यूनतम पात्रता आवश्यकता (एमईआर) को चार बार पूरा किया जबकि अनुभवी श्रुति ने इस महीने दो बार एमईआर हासिल किया।

सूर्यकुमार को लगा झटका, ट्रेविस हेड बने नंबर एक टी20 बल्लेबाज

दुबई (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज ट्रेविस हेड बुधवार को जारी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद की नवीनतम रैंकिंग में भारत के सूर्यकुमार यादव को पछाड़कर दुनिया के नंबर एक बल्लेबाज बन गए। सूर्यकुमार यादव दिसंबर 2023 से शीर्ष पर थे। हेड ने मौजूदा टी20 विश्व कप में शानदार प्रदर्शन की बदौलत नंबर एक रैंकिंग हासिल की। ऑस्ट्रेलिया हालांकि टूर्नामेंट से बाहर हो गया है। हेड ने टूर्नामेंट में दो अर्धशतक की मदद से 255 रन बनाए जिसमें सुपर आठ मुकाबले में भारत के खिलाफ 76 रन की पारी भी शामिल है। हेड सूर्यकुमार (842 अंक) से दो अंक आगे हैं। सूर्यकुमार दूसरे स्थान पर खिसक गए हैं लेकिन उनके पास दोबारा नंबर एक रैंकिंग हासिल करने का मौका है क्योंकि भारत टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में जगह बना चुका है और इस बल्लेबाज को और मौके मिलेंगे। इंग्लैंड के फिल सॉल्ट और पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम तथा मोहम्मद रिजवान भी शीर्ष पांच में शामिल हैं। वेस्टइंडीज के जॉनसन चार्ल्स शीर्ष 10 में जगह बनाने वाले एकमात्र नए खिलाड़ी हैं। उन्हें चार स्थान का फायदा हुआ है। अफगानिस्तान के स्टार बल्लेबाज रहमानुल्लाह गुरबाज को भी पांच स्थान का फायदा हुआ है। भारत के तेज गेंदबाजी आक्रमण के अगुआ जसप्रीत बुमराह 44 स्थान की लंबी छलांग के साथ 24वें स्थान पर पहुंच गए हैं जबकि स्पिनर कुलदीप यादव भी 20 स्थान के फायदे से 11वें पायदान पर हैं।

टी20 विश्व कप सेमीफाइनल

आज मौजूदा चैंपियन इंग्लैंड से बदला चुकता करना चाहेगा भारत

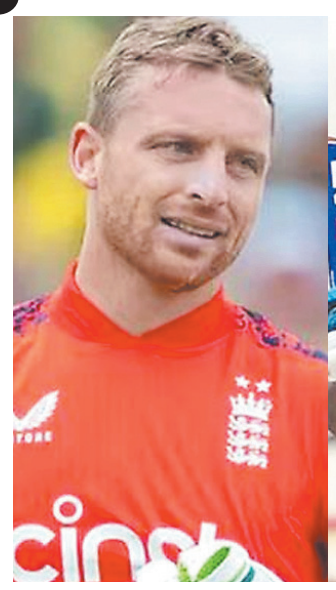

नई दिल्ली (एजेंसी)। गुयाना में चल रहे आईसीसी टी20 विश्व कप के दूसरे सेमीफाइनल में भारतीय टीम इंग्लैंड से भिड़ेगी, जो टूर्नामेंट के 2022 संस्करण के सेमीफाइनल का रीमैच होगा। आखिरी बार इन दोनों देशों के बीच पुरुष टी20 विश्व कप सेमीफाइनल में मुकाबला एडिलेड में 19 महीने पहले हुआ था, जब जोस बटलर और एलेक्स हेल्स के बीच शानदार ओपनिंग साझेदारी की बदौलत इंग्लैंड ने 10 विकेट से जीत दर्ज की थी, जिसके बाद भारत को अपनी टी20 रणनीति पर पूरी तरह से पुनर्विचार करने और अधिक स्थापित सुपरस्टार्स से हटकर युवा खिलाड़ियों और रूढ़िवादिता से आक्रामकता की ओर कदम बढ़ाने पर मजबूर होना पड़ा।

इस बार भारत के पास अनुभवी कप्तान रोहित शर्मा और विराट कोहली की अगुआई में ज्यादा बल्लेबाजी है, बीच के ओवरों में ज्यादा आक्रामक विकल्प हैं और उनके आक्रमण में ज्यादा विविधता है, लेकिन गत चैंपियन को कुछ चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा, खासकर कप्तान जोस बटलर और उनके नए सलामी जोड़ीदार फिल साल्ट के शानदार फॉर्म में होने के कारण।

इंग्लैंड इतिहास रचने और टी20 विश्व कप ट्रॉफी को बरकरार रखने वाली पहली पुरुष टीम बनने से सिर्फ दो जीत दूर है। दूसरी ओर, भारत ने 2007 में अपनी शुरुआत के बाद से इस टूर्नामेंट को नहीं जीता है और 2011 के 50 ओवर के टूर्नामेंट के बाद से किसी भी प्रारूप में अपनी पहली विश्व कप जीत की तलाश में है। भारत ने आखिरी आईसीसी ट्रॉफी 2013 में जीती थी, जब उन्होंने इंग्लैंड में आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी जीती थी।

गुयाना नेशनल स्टेडियम जॉर्जटाउन के बाहरी इलाके में 20,000 सीटों वाला स्थल है, जो डेमेरारा नदी के किनारे और तट से कुछ किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। टूर्नामेंट के दौरान इस स्थल पर होने वाला यह छठा और अंतिम मैच है। पिछले पांच मैच पहले दौर के चरण के दौरान ग्रुप सी में हुए थे। स्पिनर मैदान पर काफी प्रभावी रहे हैं, लेकिन तेज गेंदबाजों के लिए भी कुछ हद तक अच्छा रहा है, पांचों खेलों में सबसे अधिक स्कोर अफगानिस्तान का युगांडा के खिलाफ 183/5 रहा है।

भारत ने हर उस खेल में जीत हासिल की है जिसमें वे प्रतिस्पर्धा करने में सक्षम रहे हैं, केवल फ्लोरिडा में बारिश से भीगे लॉडरहिल में कनाडा के खिलाफ रद्द किए गए मुकाबले में ही उन्होंने अंक गंवाए हैं। बांग्लादेश, अफगानिस्तान और ऑस्ट्रेलिया पर प्रभावशाली जीत ने सुपर आठ में ग्रुप वन के विजेता के रूप में नॉकआउट चरणों में अपना स्थान सुरक्षित कर लिया।

इसके विपरीत इंग्लैंड को यहां तक पहुँचने में काफी कठिनाई हुई है। स्कॉटलैंड के खिलाफ बारिश से बाधित मैच के बाद अपने अभियान की शुरुआत में ही चिर-प्रतिद्वंद्वी ऑस्ट्रेलिया से हार का सामना करना पड़ा, जिससे उन्हें सुपर आठ में पहुंचने के लिए अन्य जगहों से बड़ी जीत और समर्थन की आवश्यकता थी। लेकिन वे ऐसा करने में सफल रहे, नेट रन रेट पर स्कॉटलैंड से आगे निकल गए, दिलचस्प बात यह है कि उनके प्रतिद्वंद्वी ऑस्ट्रेलिया की बदौलत।

संभावित प्लेइंग 11

भारत- विराट कोहली, रोहित शर्मा (कप्तान), ऋषभ पंत, सूर्यकुमार यादव, हार्दिक पांड्या, शिवम दुबे, रवींद्र जडेजा, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, अर्शदीप सिंह, जसप्रीत बुमराह

इंग्लैंड - जोस बटलर (कप्तान), फिल साल्ट (विकेटकीपर), जे बेयरस्टो, हैरी ब्रूक, मोएन अली, विल जैक्स, लियाम लिविंगस्टोन, क्रिस जॉर्डन, आदिल राशिद, जोफ्रा आर्चर, मार्क वुड

भारतीय पेशेवर गोल्फ टूर के अध्यक्ष बने कपिल देव

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की 1983 विश्व कप विजेता टीम के कप्तान रहे कपिल देव ने भारतीय पेशेवर गोल्फ टूर (पीजीटीआई) के नए अध्यक्ष का पद संभाल लिया है। यह पद इस प्रतिष्ठित पूर्व क्रिकेटर के लिए एक नई शुरुआत है जिन्होंने एमेच्योर गोल्फ खिलाड़ी के रूप में भी शानदार प्रदर्शन किया है। 65 वर्षीय कपिल पहले से ही उपाध्यक्ष के रूप में पीजीटीआई बोर्ड के सदस्य थे। उन्हें सर्वसम्मति से चुना गया। वह एचआर श्रीनिवासन की जगह लेंगे जिनका कार्यकाल समाप्त हो गया है। कपिल को एक अच्छे गोल्फ खिलाड़ी के रूप में जाना जाता है।

कपिल ने अपने नए पद के बारे में कहा, 'पीजीटीआई का अध्यक्ष बनना मेरे लिए सम्मान की बात है। मैं पिछले कुछ वर्षों से इस संगठन से जुड़ा हुआ हूं। यह खिलाड़ियों का संगठन है और मैं उन सभी का बहुत अच्छा दोस्त हूं और मैं अक्सर उनके साथ खेलता हूं। कपिल ने कहा कि तीन दशक से अधिक समय से गोल्फ उनका जुनून रहा है। इस पूर्व क्रिकेटर ने कहा कि उन्होंने एशियाई खेलों में भारत का प्रतिनिधित्व करने का सपना देखा था जब इसमें केवल एमेच्योर खिलाड़ियों को हिस्सा लेने की स्वीकृति थी।

उन्होंने कहा, 'और अब यह खेल ही है जिसमें मैं अपना अधिकांश समय बिताता हूं। मैं उपाध्यक्ष रह चुका हूं और मैं बोर्ड में हूं, इसलिए खिलाड़ियों द्वारा अध्यक्ष चुने जाने पर मुझे बहुत गर्व है। मैं हमेशा की तरह अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने का वादा करता हूं। कपिल पीजीटीआई के लिए नए प्रायोजक लाने की कोशिश में सबसे आगे रहे हैं। वह टूर में सबसे आकर्षक प्रतियोगिता में से एक कपिल देव ग्रांट थॉर्नटन आमंत्रण को डीएलएफ गोल्फ एवं कंट्री क्लब में आयोजित कराने में सफल रहे हैं जिसकी इनामी राशि दो करोड़ रुपए है।

जीव मिल्खा सिंह, अर्जुन अटवाल, ज्योति रंधावा, शिव कपूर जैसे भारत के शीर्ष स्टार खिलाड़ी उनके करीबी गोल्फ मित्र हैं। कपिल ने 1978 से 1994 तक भारत के लिए क्रिकेट खेला। सर्वकालिक महान ऑलराउंडरों में से एक कपिल ने 131 टेस्ट और 225 एकदिवसीय मैच खेले। उनकी अगुआई में भारत ने 1983 विश्व कप जीता। 1983 विश्व कप में उनकी नाबाद 175 रन की पारी खेल के इतिहास की सबसे बेहतरीन पारियों में से एक मानी जाती है।

पूर्व बल्लेबाज मोहम्मद वसीम एशिया कप के लिए पाकिस्तान महिला टीम के कोच नियुक्त

कराची (एजेंसी)। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने मध्यक्रम के पूर्व बल्लेबाज और मुख्य चयनकर्ता मुहम्मद वसीम को जुलाई में होने वाले एशिया कप के लिए महिला टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया है। पीसीबी अध्यक्ष के रूप में रमीज राजा के कार्यकाल के दौरान मुख्य चयनकर्ता का पद संभालने वाले वसीम का साथ पूर्व टेस्ट गेंदबाज जुनैद खान और अब्दुल रहमान देंगे जिन्हें क्रमशः गेंदबाजी और सहायक कोच नियुक्त किया गया है।

लगातार खराब प्रदर्शन के कारण लंबे समय के बाद महिला टीम के प्रबंधन में बदलाव किया गया है।

पाकिस्तान को श्रीलंका के दाम्बुला में 19 जुलाई से शुरू होने वाले एशिया कप के लिए भारत के ग्रुप में जगह मिली है। भारत, पाकिस्तान और मेजबान श्रीलंका के अलावा बांग्लादेश, नेपाल, भूटान, मलेशिया और थाईलैंड टूर्नामेंट में चुनौती पेश करेंगे। महाद्वीपीय प्रतियोगिता से पहले पीसीबी ने बुधवार को कराची में चार दिवसीय अनुकूलन शिविर शुरू किया और चयन समिति अगले सप्ताह अंतिम टीम की घोषणा करेगी।

शिविर में हिस्सा ले रहीं संभावित खिलाड़ी - आलिया रियाज, अनूशा नासिर, आयशा जफर, डायना बेग, दुआ मजीद, इमान फातिमा, फातिमा सना, गुल फिरोजा, हुमना बिलाल, इरम जावेद, महम मंजूर, मुनीबा अली, नजीहा अल्वी, नशरा सुंधू, नतालिया परवेज, निदा डार, ओमैमा सोहेल, कुरतुलैन, रमीन शमीम, सदाफ शमास, सादिया इकबाल, सिदरा अमीन, सईदा अरूब शाह, तस्मिया रुबाब, तुबा हसन, युसरा आमिर, उम्म ए हनी और वहीदा अख्तर।

पूर्व पाकिस्तानी कप्तान इंजमाम-उल-हक ने भारत पर लगाया गेंद से छेड़छाड़ का आरोप

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पूर्व पाकिस्तानी कप्तान इंजमाम-उल-हक ने सोमवार को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 विश्व कप 'सुपर 8' मैच के दौरान भारतीय टीम पर गेंद से छेड़छाड़ का आरोप लगाते हुए एक नया विवाद खड़ा कर दिया है। सेंट लूसिया के डेरेन सैमी नेशनल क्रिकेट स्टेडियम में ऑस्ट्रेलिया पर भारत की 24 रन की शानदार जीत के बाद इंजमाम ने यह दावा किया है। 1992 के वनडे विश्व कप विजेता के आरोप बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह द्वारा की गई असामान्य रिवर्स स्विंग पर केंद्रित हैं जिन्हें 16वें ओवर में दूसरे स्पेल के लिए वापस लाया गया था। रिवर्स स्विंग आमतौर पर पुरानी गेंद से होती है, और इंजमाम ने सवाल उठाया कि भारतीय गेंदबाज टी20 मैच में एक पारी के दौरान अपेक्षाकृत नई गेंद से ये कैसे कर लेते हैं।

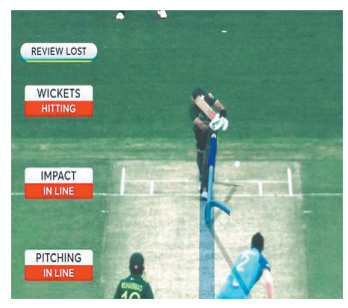

इंजमाम ने एक पाकिस्तानी टीवी चैनल पर बात करते हुए कहा, जब अर्शदीप सिंह 15वां ओवर (16वां) फेंक रहे थे, तो उन्हें रिवर्स स्विंग मिल रही थी। (अपेक्षाकृत) नई गेंद के साथ होता है, क्या रिवर्स स्विंग मिलना बहुत जल्दी है? क्या गेंद 12वें या 13वें ओवर तक रिवर्स स्विंग के लिए तैयार थी? क्योंकि जब वह गेंदबाजी करने आए, तो गेंद रिवर्स होने लगी। अंपायरों को आंखें खुली रखनी चाहिए।

टी-20 वर्ल्ड कप में आज

पहली बार फाइनल में पहुंचकर इतिहास रचने के लिए तैयार साउथ अफ्रीका और अफगानिस्तान

त्रिनिदाद (एजेंसी)। इतिहास रचने वाले अफगानिस्तान का सामना टी20 टी20 वर्ल्ड कप 2024 के पहले सेमीफाइनल में सदाबहार दक्षिण अफ्रीका से होगा। मुकाबला परिणाम का परिणाम

भले ही कुछ भी हो लेकिन यह मैच ऐतिहासिक होगा। दक्षिण अफ्रीका की टीम ने टूर्नामेंट में अपने सातों मैच जीते हैं। दूसरी अफगानिस्तान ने देश में युद्ध की तबाही से ऊपर उठी और संघर्ष के जज्बे की बदौलत 2021 के चैंपियन ऑस्ट्रेलिया को भी शिकस्त दी। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उसे पहले कभी जीत नहीं मिली थी।

बिना बदलाव के उतर सकती है अफगानिस्तान - अफगानिस्तान के शानदार प्रदर्शन के कई नायक हैं। कप्तान राशिद खान ने पूरे टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन किया है, तेज गेंदबाज फजलहक फारूकी और नवीन उल हक ने टीम को शुरुआती सफलताए दिलाई, गुलबदिन नायब ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चमत्कारिक स्पेल डाला जबकि मोहम्मद नबी ने भी शानदार प्रदर्शन किया। सलामी बल्लेबाज रहमानुल्लाह गुरबाज 281 रन के साथ टूर्नामेंट के सबसे सफल बल्लेबाज जबकि फारूकी 16 विकेट के साथ सबसे सफल गेंदबाज हैं। यह अपने आप में एक कहानी बयां करता है कि कैसे अफगानिस्तान के दो खिलाड़ी कुछ बड़े नामों को पीछे छोड़कर आंकड़ों की तालिका में शीर्ष पर पहुंच गए। अफगानिस्तान सेमीफाइनल मुकाबले में उन्हीं 11 खिलाड़ियों के साथ उतर सकती है जिन्हें उसने ऑस्ट्रेलिया और बांग्लादेश के खिलाफ मौका दिया था।

मैं इस बार भारत को हारते हुए नहीं देखता, इंग्लैंड को कुछ असाधारण करने की जरूरत : कॉलिंगवुड

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व ऑलराउंडर पॉल कोलिंगवुड के अनुसार टी20 विश्व कप सेमीफाइनल में फॉर्म में चल रहे भारत को हराने के लिए इंग्लैंड को असाधारण प्रदर्शन करना होगा और उन्हें लगता है कि रोहित शर्मा की टीम के गत चैंपियन के खिलाफ हारने की संभावना नहीं है। भारत और इंग्लैंड एडीलेड में 2022 टूर्नामेंट के सेमीफाइनल मैच की पुनरावृत्ति में गुरुवार को भिड़ने के लिए तैयार हैं। तब जोस बटलर की टीम ने 10 विकेट से जीत दर्ज की थी।

कोलिंगवुड ने कहा, 'ईमानदारी से कहूं तो मैं इस बार भारत को हारते हुए नहीं देखता। इंग्लैंड को उन्हें हराने के लिए कुछ असाधारण करने की जरूरत होगी।% जसप्रीत बुमराह शानदार फॉर्म में हैं। पूर्व चैंपियन ऑस्ट्रेलिया और पाकिस्तान जैसी टीमों को उनके खिलाफ रन बनाने के लिए जूझना पड़ा। कोलिंगवुड का मानना ??है कि इस तेज गेंदबाज के चार ओवर खेल का रुख तय करेंगे।

उन्होंने कहा, 'अपनी बेहतरीन टीम के साथ भारत जसप्रीत बुमराह के मौजूदा फॉर्म के बीच सबसे आगे खड़ा है। वह फिट, सटीक, तेज और बेहद कुशल है। ऐसा लगता है कि किसी भी टीम के पास उनका जवाब नहीं है। कोलिंगवुड ने कहा, '120 गेंदों के मुकाबले में बुमराह जैसे गेंदबाज की 24 गेंद बहुत बड़ा अंतर पैदा करती हैं। भारत अमेरिका में कठिन परिस्थितियों और मुश्किल पिचों पर भी आत्मविश्वास से भरा हुआ दिखाई दिया।

उन्होंने कहा, 'रोहित शर्मा जैसे उनके बल्लेबाज फिर से फॉर्म में आ गए हैं जिन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शानदार पारी खेली। गयाना की पिच ने पहले भी गेंदबाजों को फायदा पहुंचाया है क्योंकि यह मुकाबला आगे बढ़ने के साथ-साथ धीमी होती जाती है। इस मैदान पर स्पिनरों का दबदबा रहा है और तेज गेंदबाजों को शुरुआत में कुछ मदद मिलती है लेकिन मौजूदा विश्व कप में टीमें 170 से 180 रन के स्कोर तक पहुंच गई हैं।

कोलिंगवुड ने कहा, 'यह मैच शानदार होगा जिसमें दोनों पक्ष बेहद आक्रामक रुख अपनाएंगे।

अफगानिस्तान के सेमीफाइनल में पहुंचने के बाद तालिबान ने भारत का किया धन्यवाद

काबुल (एजेंसी)। अफगानिस्तान की राष्ट्रीय क्रिकेट टीम ने मंगलवार 25 जून 2024 को इतिहास रच दिया, जब उन्होंने अपने क्रिकेट इतिहास में पहली बार किसी आईसीसी इवेंट के सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई किया। उन्होंने बांग्लादेश को हराकर टी20 विश्व कप 2024 के सेमीफाइनल में प्रवेश करके यह उपलब्धि हासिल की। तालिबान ने भारत को कई वर्षों से प्रदान की गई क्षमता निर्माण के लिए धन्यवाद दिया है। आईसीसी क्रिकेट विश्व कप 2023 और आईसीसी टी20 विश्व कप 2024 अफगानिस्तान क्रिकेट टीम के लिए शानदार रहा है क्योंकि उन्होंने पाकिस्तान, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, इंग्लैंड जैसी टीमों को हराकर दोनों प्रतियोगिताओं में शानदार प्रदर्शन किया।

रिपोर्ट के अनुसार तालिबान के राजनीतिक कार्यालय के प्रमुख सुहैल शाहीन ने कहा, हम अफगान क्रिकेट टीम की क्षमता निर्माण में भारत की निरंतर मदद के लिए आभारी हैं। हम वास्तव में इसकी सराहना करते हैं। पिछले कुछ वर्षों से भारत ने भारतीय स्टेडियमों में खिलाड़ियों को प्रशिक्षण प्रदान करके, भारतीय कंपनियों द्वारा प्रायोजन करके, अन्य चीजों के अलावा अफगान क्रिकेट को क्षमता निर्माण प्रदान किया

है। कंधार क्रिकेट स्टेडियम के निर्माण में भारत का समर्थन 1 मिलियन डॉलर के अनुदान के साथ महत्वपूर्ण था। 2018 में अफगानिस्तान के साथ टेस्ट मैच खेलने वाली भारत पहली टीम थी।

राशिद खान, मोहम्मद नबी, मुजीब-उर-रहमान, रहमानुल्लाह गुरबाज सहित अफगान खिलाड़ी आईपीएल में नियमित रूप से खेलते रहे हैं। न केवल भौतिक अवसंरचना, बल्कि बीसीसीआई ने अफगान टीम के लिए ग्रेटर नोएडा में शहीद विजय सिंह पथिक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स को अस्थायी 'होम-ग्राउंड' के रूप में प्रदान किया। देहरादून में एक और होम ग्राउंड प्रदान किया गया। अफगानिस्तान को बीसीसीआई द्वारा बांग्लादेश के खिलाफ अपनी आगामी श्रृंखला के लिए ग्रेटर नोएडा स्टेडियम में खेलने की अनुमति दी गई है। यह दर्शाता है कि तालिबान अधिकारियों का आभार व्यर्थ नहीं गया है।

गौर हो कि अपने गेंदबाजों के अनुशासित प्रदर्शन के दम पर बांग्लादेश ने टी20 विश्व कप के बेहद महत्वपूर्ण आखिरी ग्रुप मैच में अफगानिस्तान को पांच विकेट पर 115 रन पर रोक दिया।

संक्षिप्त समाचार

उत्तर कोरिया ने फिर दागी बैलिस्टिक मिसाइल, जापान के प्रधानमंत्री ने किया अलर्ट जारी

टोक्यो , एजेंसी। अमेरिका और दक्षिण कोरिया के साथ तनाव के बीच उत्तर कोरिया ने मंगलवार

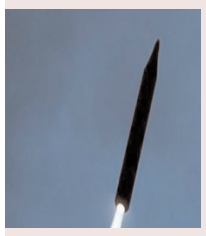

सुबह एक बार फिर बैलिस्टिक मिसाइल दागी। जापान के प्रधानमंत्री कार्यालय ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर यह जानकारी दी। कहा कि उत्तर कोरिया ने मंगलवार को संदिग्ध बैलिस्टिक मिसाइल हमले किए हैं। इसलिए देश में अलर्ट जारी किया जा रहा है। इस जानकारी के कुछ मिनट बाद ही जापान के प्रधानमंत्री कार्यालय ने एक और ट्वीट किया। कहा कि उत्तर कोरिया द्वारा दागी गई संदिग्ध बैलिस्टिक मिसाइल के जापान पहुंचने की संभावना नहीं है। इसलिए अलर्ट हटाया जा रहा है। वहीं, पीएमओ ने लोगों से आग्रह भी किया कि किसी भी तरह की कोई जानकारी मिलने पर तुरंत सूचना दें। इसके अलावा, प्रधानमंत्री ने अधिकारियों को विमान और जहाजों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और आकस्मिक स्थितियों के लिए सभी संभव उपाय करने के लिए भी कहा। उन्होंने कहा कि जानकारी जुटाने और उसका विश्लेषण करने का अधिक से अधिक प्रयास करें। साथ ही जनता से भी जानकारी जुटाएं। यह बात उत्तर कोरिया द्वारा बार-बार किए जा रहे मिसाइल हमलों के कारण संयुक्त राज्य अमेरिका, जापान और दक्षिण कोरिया की बढ़ती चिंताओं के बीच कही गई है। इस महीने की शुरुआत में अमेरिका, जापान और दक्षिण कोरिया ने एक संयुक्त बयान में हिंद-प्रशांत जल क्षेत्र में यथास्थिति बदलने के किसी भी एकतरफा प्रयास का कड़ा विरोध किया था और उत्तर कोरिया द्वारा बैलिस्टिक मिसाइल तकनीक के इस्तेमाल से हाल ही में किए गए प्रक्षेपणों की कड़ी निंदा की थी।

चुनावी बहस से पहले डोनाल्ड ट्रंप को आंशिक राहत ; फैसले में जज ने कहा- जूरी की सुरक्षा प्राथमिकता

न्यूयॉर्क, एजेंसी। न्यूयॉर्क की एक अदालत से अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को

आंशिक राहत मिली। अदालत के फैसले के बाद ट्रंप अपने मामले में गवाही देने वाले माइकल कोहेने और स्टॉर्मी डेनियल से जुड़ी टिप्पणी कर सकेंगे। ये राहत इसलिए भी अहम है क्योंकि 27 जून को होने वाली चुनावी बहस में ट्रंप भाग लेंगे। खबरों के मुताबिक अदालत से मिली राहत के बाद ट्रंप बहस के दौरान खुलकर टिप्पणी कर सकेंगे। गौरतलब है कि गुप्त धन से जुड़े आपराधिक मुकदमे में लगे प्रतिबंध आदेश (गैग ऑर्डर) को आंशिक रूप से हटाने के मामले में न्यूयॉर्क के अटॉर्नी अल्वीन ब्रैग (डी) का रूख अपवाद है। एक अन्य जज जुआन मर्चेन ने भी कहा है कि वे 11 जुलाई के फैसले के बाद प्रतिबंध हटाने पर विचार करेंगे। आंशिक रूप से हटाए जाने के बाद ट्रंप जूरी के सामने अपना पक्ष रख सकेंगे। इसी जूरी ने ट्रंप को पिछले महीने 34 आपराधिक आरोपों में दोषी ठहराया था। हालांकि, पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप एक अन्य सुरक्षात्मक आदेश के तहत सार्वजनिक रूप से गवाहों की पहचान का खुलासा नहीं कर सकेंगे। द हिल की रिपोर्ट के मुताबिक प्रतिबंधों में राहत देते हुए जज मर्चेन ने कहा कि जूरी के सदस्यों को संरक्षण प्रदान करना उनकी प्राथमिकता है। न्यूयॉर्क के अटॉर्नी अल्वीन ब्रैग की तरफ से इस संबंध में अपील भी की गई थी।

नाबालिग के साथ यौन उत्पीड़न के मामले में बुद्ध बॉय दोषी करार, अब एक जुलाई को सुनाई जाएगी सजा

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल की एक अदालत ने बुद्ध बॉय के नाम से मशहूर आध्यात्मिक नेता को यौन उत्पीड़न के आरोप में दोषी ठहराया। बुद्ध बॉय के प्रचलित राम बहादुर बामजन को जनवरी में नाबालिग के साथ यौन उत्पीड़न के के अलावा अपने चार भक्तों के गायब होने के मामले में गिरफ्तार किया गया था। सरलाही जिला न्यायालय के एक जज ने उसे दोषी करार दिया। कोर्ट ने बताया कि सजा एक जुलाई क सुनाई जाएगी। 33 वर्षीय राम बहादुर बामजन को उसके भक्त गौतम बुद्ध का अवतार मानते हैं। उसके भक्तों का मानना है कि बुद्ध बॉय महीनों तक पानी, नींद और भोजन के बिना ध्यान कर सकता है। हालांकि, कुछ पत्रकारों ने उसे ध्यान के दौरान कुछ खाते और सोते हुए भी रिकॉर्ड किया था। 2010 में उसके खिलाफ दर्जनों हमले की शिकायतें दर्ज की गई थी। इस पर सफाई पेश करते हुए बुद्ध बॉय ने बताया था कि ध्यान के दौरान परेशान करने के कारण उसने अपने भक्तों को पीट दिया था। नेपाल की केंद्रीय जांच ब्यूरो ने उसे इस साल काठमांडू के बाहरी इलाके में एक घर से गिरफ्तार किया था। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तारी के दौरान उन्होंने 227,000 डॉलर मूल्य के नेपाली बैंक नोट और 23,000 डॉलर मूल्य की अन्य विदेशी मुद्राएं जब्त कीं।

रूस-यूक्रेन के बीच 90 युद्ध बंदियों की अदला-बदली

मास्को, एजेंसी। रूस-यूक्रेन को दो साल से अधिक समय हो चुका है। इस युद्ध के दौरान न जानें कितने ही लोगों को दोनों देशों ने बंदी बना लिया है। हालांकि अब एक अच्छी खबर है। रूस ने बताया कि उसने संयुक्त अरब अमीरात की मध्यस्थता में यूक्रेन के साथ 90 बंदियों का आदान-प्रदान किया है।

प्रदर्शनकारियों ने केन्या की संसद में लगाई आग, ओबामा की सौतेली बहन चोटिल; भारतीयों को एडवाइजरी जारी

नैरोबी, एजेंसी। केन्या में करों (टैक्स) को लेकर प्रदर्शन कर रहे हजारों प्रदर्शनकारी संसद में घुस गए हैं और इमारत के एक हिस्से में आग लग गई है। सांसदों को वहां से निकाला जा रहा है। पुलिस ने इससे पहले मंगलवार को राजधानी नैरोबी में प्रदर्शनकारियों पर गोलियां चलाईं। प्रदर्शन में हजारों लोगों ने हिस्सा लिया और उनकी मांग थी कि सांसद एक विवादास्पद वित्त विधेयक में प्रस्तावित नए करों के खिलाफ मतदान करें। पिछले सप्ताह विरोध प्रदर्शनों में दो लोगों की मौत हो गई थी, लेकिन मंगलवार को किसी के हताहत होने की तत्काल कोई जानकारी नहीं है। केन्या के लोगों द्वारा दान की गई सामग्री के साथ चिकित्सकों ने विभिन्न शहरों में अस्थायी आपातकालीन प्रतिक्रिया केंद्र स्थापित किए। विरोध प्रदर्शन का यह दौर तब शुरू हुआ जब सांसदों ने नए करों की पेशकश करने वाले वित्त विधेयक पर मतदान किया। इन नये करों में 'इको-लेवी' भी शामिल है जो सैनिटरी पैड और डायपर जैसी वस्तुओं की कीमत बढ़ाएगी। लोगों के आक्रोश के बाद 'ब्रेड' पर कर लगाने का प्रस्ताव हटा दिया गया लेकिन प्रदर्शनकारी अब भी संसद से इस विधेयक को पारित नहीं करने का आह्वान कर रहे हैं। केन्या मानवाधिकार आयोग ने मंगलवार को अधिकारियों द्वारा प्रदर्शनकारियों पर गोली चलाने का एक वीडियो साझा किया और कहा कि उन्हें जवाबदेह ठहराया जाएगा। आयोग ने 'एक्स' पर राष्ट्रपति विलियम रुटो को

संबोधित करते हुए लिखा, दुनिया आपको अत्याचार की ओर बढ़ते हुए देख रही है! आपकी सरकार के कार्य लोकतंत्र पर हमला हैं। गोलीबारी में प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से शामिल सभी लोगों को जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए।

भारतीय नागरिकों से 'अत्यधिक सतर्कता' बरतने को कहा गया : केन्या में भारतीय उच्चायोग ने मंगलवार को भारतीय नागरिकों को अफ्रीकी राष्ट्र में हिंसक विरोध प्रदर्शन से उत्पन्न ''तनावपूर्ण'' स्थिति के मद्देनजर ''अत्यधिक सावधानी'' बरतने की सलाह दी। भारतीय उच्चायोग ने एक परामर्श में कहा, ''मौजूदा तनावपूर्ण स्थिति को देखते हुए केन्या में सभी भारतीयों को अत्यधिक सावधानी बरतने, गैर-जरूरी आवाजाही को प्रतिबंधित करने और स्थिति सामान्य होने तक विरोध और हिंसा प्रभावित क्षेत्रों से दूर रहने की सलाह दी जाती है।'' एक आधिकारिक अनुमान के अनुसार वर्तमान में लगभग 20,000 भारतीय केन्या में रह रहे हैं।

बराक ओबामा की सौतेली बहन हुई चोटिल : सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक, पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा की सौतेली बहन व केन्याई कार्यकर्ता औमा ओबामा पर मंगलवार को नैरोबी में संसद भवन के बाहर प्रदर्शन के दौरान आंसू गैस का इस्तेमाल किया गया। संसद में घुसने की कोशिश कर रहे प्रदर्शनकारियों पर पुलिस ने गोलीबारी की, जिसमें कम से कम पांच प्रदर्शनकारियों की मौत हो गई, दर्जनों घायल हो गए। इस हंगामे के दौरान औमा ओबामा को एक सीएनएन रिपोर्टर ने एक तरफ ले जाकर पूछा कि वह वहां क्यों आई हैं। उन्होंने कहा, मैं यहां इसलिए आई हूं कि देखिए क्या हो रहा है। युवा केन्याई अपने अधिकारों के लिए प्रदर्शन कर रहे हैं। वे झंडे और बैनर लेकर प्रदर्शन कर रहे हैं। मैं अब कुछ भी नहीं देख सकती। हम पर आंसू गैस के गोले छोड़े जा रहे हैं। उनके पीछे एक व्यक्ति एक तख्ती लिए खड़ा था, जिस पर लिखा था, केन्या में उपनिवेशवाद कभी खत्म नहीं हुआ, जबकि दूसरा चिल्ला रहा था, यह हमारा देश है। यह हमारा राष्ट्र है। औमा ओबामा ने पहले ट्विटर पर विरोध प्रदर्शन के दौरान अपनी तस्वीरें पोस्ट की थीं। पूर्व राष्ट्रपति ओबामा के कार्यालय ने उनकी बहन से जुड़ी घटना या केन्या में हुई हिंसा पर टिप्पणी मांगने के लिए तुरंत कॉल का जवाब नहीं दिया।

डायपर और सैनिटरी पैड पर भी भारी-भरकम टैक्स : केन्या में विरोध प्रदर्शन का यह दौर तब शुरू हुआ जब सांसदों ने नए करों की पेशकश करने वाले वित्त विधेयक पर मतदान किया। इन नये करों में 'इको-लेवी' भी शामिल है जो सैनिटरी पैड और डायपर जैसी वस्तुओं की कीमत बढ़ाएगी। लोगों के आक्रोश के बाद 'ब्रेड' पर कर लगाने का प्रस्ताव हटा दिया गया लेकिन प्रदर्शनकारी अब भी संसद से इस विधेयक को पारित नहीं करने का आह्वान कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री के घर में जबरन घुसने का प्रयास, अनधिकृत प्रवेश के आरोप में चार लोग गिरफ्तार

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री की सुरक्षा में कथित चूक का मामला सामने आया है। रिपोर्ट के मुताबिक प्रधानमंत्री के घर

में जबरन घुसने का प्रयास करने वाले लोगों को स्थानीय पुलिस ने गिरफ्तार किया है। समाचार एजेंसी एपी के हवाले से पीटीआई ने बताया कि प्रधानमंत्री के आवासीय परिसर में अनधिकृत प्रवेश के आरोप में चार लोग गिरफ्तार किए गए हैं। चार लोगों में एक प्रेस फोटोग्राफर भी शामिल है। उत्तरी यॉर्कशायर पुलिस ने बताया कि उत्तरी इंग्लैंड में प्रधानमंत्री ऋषि सुनक के कंट्री एस्टेट परिसर में घुसने के बाद मंगलवार को चार लोगों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस के मुताबिक दोपहर के बाद हिरासत में लिए जाने के बाद मामले की गंभीरता को भांपते हुए चारों लोगों को अवैध प्रवेश के संदेह में गिरफ्तार कर लिया गया। खबरों के मुताबिक यूथ डिमांड नाम के एक समूह ने वीडियो पोस्ट किया। इसमें जूते पहने शख्स को सुनक के तालाब में कदम रखते देखा गया। वह शौच करने का नाटक कर रहा था। चार लोगों के इस समूह ने प्रधानमंत्री को विदाई उपहार देने की बात कही और अभद्र भाषा का इस्तेमाल भी किया। समूह से जुड़े व्यक्ति ओलिवर से पुलिस अधिकारी ने अवैध तरीके से घुसने के पीछे इरादों के बारे में पूछा। इस पर उसने कहा, मुझे लगता है कि हमारे इरादे पूरे हो गए हैं। यूथ डिमांड का कहना है कि ब्रिटेन को इस्राइल पर दोतरफा हथियार प्रतिबंध लगाना चाहिए। यह समूह सरकार से 2021 में जारी तेल और गैस लाइसेंस रद्द करने की मांग भी कर रहा है। बता दें कि सुनक ने इस साल की शुरुआत में इस समूह की निंदा की थी। उस समय इस समूह से जुड़े लोगों ने लेबर नेता कीर स्टारमर के घर पर एक बैनर लटका दिया था। इसमें लिखा था हत्या बंद करो। इसे इस्राइल और हमास के युद्ध के संदर्भ में देखा गया। इससे पहले बीते अगस्त में, ग्रीनपीस के चार प्रदर्शनकारियों पर आपराधिक आरोप लगे थे। इन लोगों पर सुनक के घर पर चढ़ने और उनकी योजना का विरोध करने के लिए काले कपड़ों के इस्तेमाल का आरोप लगा था। यह समूह उत्तरी सागर में तेल और गैस ड्रिलिंग का विस्तार करने की सुनक की योजना के खिलाफ है।

गर्मी का प्रकोप- अमेरिका में गर्मी की वजह से मोम वाले अब्राहम लिंकन ही पिघल गए

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में गर्मी की वजह से लोगों का हाल बेहाल है। तेज धूप की वजह से एक अजीबों गरीब मामला सामने आया है। चिलचिलाती हुई धूप की वजह से वॉशिंगटन में पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन की छह फुट ऊंची मोम की मूर्ति पिघलने लगी। देखते ही देखते मूर्ति का सर पिघल कर अलग हो गया। लिंकन मेमोरियल की तर्ज पर बनाए गए इस मूर्ति का सिर निकल गया और पैर भी धड़ से अलग हो गया। दूसरा पैर भी सोमवार तक पिघल गया। मूर्ति को बनवाने वाले एनजीओ कल्चरलडीसी ने कहा, हमारे कर्मचारियों ने जानबूझकर लिंकन का सिर हटा दिया है ताकि वह गिरकर टूट न जाए।3,000 पाउंड की इस मोम की मूर्ति को मोमबत्ती की तरह जलाया जाना है और समय के साथ इसमें बदलाव किया जाना है, लेकिन इस भीषण गर्मी ने इस मूर्ति को काफी नुकसान पहुंचाया है। संगठन ने कहा कि लिंकन की मूर्ति में इस्तेमाल किए गए मोम का जमने का बिंदु- जहां कोई पदार्थ पिघलना शुरू होता है- 140 डिग्री(फारेनहाइट) है। 40 एकड़- कैंप बार्कर नाम की इस प्रतिमा को सितंबर तक स्कूल में रखा जाना था। कल्चरलडीसी ने अपनी प्रेस रिलीज में कहा, यह स्थापना डीसी के गृहयुद्ध के दौर के रिफ्यूजी कैंप के इतिहास पर बनाई गई है।

ब्राजील में जेल भरने से सरकार परेशान, कोर्ट ने गांजा को लीगल कर काम किया आसान

ब्रासीलिया, एजेंसी। लैटिन अमेरिकी देश ब्राजील के सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को व्यक्तिगत उपयोग के लिए मारिजुआना(गांजा) रखने को अपराध की श्रेणी से बाहर कर दिया। अपनी जेलों में बढ़ती आबादी और तमाम कार्यकर्ताओं की मांग के बाद ब्राजील ऐसा करने वाला दक्षिणी अमेरिका का पहला देश बन गया। इस फैसले के पक्ष में मतदान करने वाले सभी जजों ने कहा कि व्यक्तिगत तौर पर निजी उपयोग के लिए गांजा की एक निश्चित मात्रा को रखने को लीगल किया गया है, इससे गैर-अपराधीकरण को बढ़ावा मिलेगा और पुलिस बल अवैध नशीली दवाओं की खरीद-फरोख्त को कम करने में अपना समय दे पाएगा।

देश में गांजा लीगल होने के बाद जजों को अभी अधिकतम मात्रा का निर्धारण करना बाकी है कि एक व्यक्ति आखिर कितना रख सकता है जिसे व्यक्तिगत उपयोग के लिए माना जा सके, यह निर्णय कब से प्रभावी होगा इस पर बुधवार को फैसला आने की संभावना है।

ब्राजील की कांग्रेस ने 2006 में एक कानून को मंजूरी दी थी, जिसमें मारिजुआना सहित कई नशीली दवाओं की थोड़ी सी मात्रा के साथ भी पकड़े जाने पर व्यक्तियों को दंड देने की बात थी। हालांकि कानून स्पष्ट नहीं था और न ही इससे सरकार नशीले पदार्थों की अवैध तस्करी को कम करने में कामयाबी हासिल कर पाई।

पुलिस लगातार गांजा की थोड़ी सी मात्रा भी लिए मिलने पर लोगों को पकड़कर जेल में बंद करती रही। जिससे ब्राजील की जेल में कैदियों की संख्या लगातार बढ़ती गई।

सामाजिक सुरक्षा से संबंधित थिंक टैंक के अध्यक्ष इलोना सजाबो ने कहा कि ब्राजील की जेलों में बंद अधिकतर पहली बार मादक पदार्थों के साथ पकड़े गए ऐसे लोग हैं जो पहली बार अपराधी बने हैं। जो अपने साथ थोड़ी मात्रा में अवैध पदार्थ ले जा रहे थे और नियमित पुलिस अभियानों में पकड़े गए, इन लोगों के पास न तो कोई हथियार मिला और न ही यह संगठित अपराध के साथ इनका संबंध था।

कई देशों में लीगल है मारिजुआना : लैटिन अमेरिकी देश उरुग्वे 2013 में ही गांजा को लीगल करने के मामले में सबसे पहला देश था, अमेरिका के कुछ राज्यों में भी यह व्यक्तिगत तौर पर रखना तो लीगल है लेकिन उसे किसी और को बेचना लीगल नहीं है। इक्वाडोर और पेरू में भी इसे लीगल कर दिया गया है। यूरोप के कई देशों में गांजा को व्यक्तिगत तौर पर रखना लीगल कर दिया गया है। हाल ही में गांजा को वैध बनाने वाला जर्मनी सबसे बड़ा यूरोपिय देश बना था, जर्मन सरकार के इस फैसले के खिलाफ विपक्षी नेताओं और डॉक्टरों ने अपनी आपत्ति दर्ज कराई थी लेकिन इसके बाद भी गांजा को देश में वैध बना दिया गया था।

हज के दौरान लू लगने से अमेरिकी कपल की मौत

वाशिंगटन, एजेंसी। हज की यात्रा के दौरान पड़ रही गर्मी के कारण अब तक करीब 1300 लोगों की जान जा चुकी है। इनमें से एक अमेरिका के बॉवी, मैरीलैंड का रहने वाला एक दंपत्ति भी शामिल है। अब उनकी बेटी सईदा ने अपने माता-पिता की मौत से जुड़ा एक चौंकाने वाला खुलासा किया है। सईदा के अनुसार उनके पिता और माता (अल्हाजी अलीउ डौसी वुरी, 71 और हाजा इसतु वुरी, 65) को सऊदी अरब की भीषण गर्मी में करीब दो से तीन घंटों तक धूप में पैदल चलना पड़ा। बीबीसी से बात करते हुए, सईदा ने कहा कि उनके माता पिता के टूर ऑपरेटर ने अपने किए गए वादे के मुताबिक खाने और पीने की कोई व्यवस्थाऐं नहीं की। सईदा के अनुसार उनके माता-पिता ने सऊदी अरब की यात्रा के लिए प्रत्येक व्यक्ति के हिसाब से 11,500 डॉलर का भुगतान किया था, उन्होंने हज पर जाने के लिए पूरे जीवन भर इंतजार किया था, वह इस यात्रा के लिए बहुत खुश थे। उनका यह टूर मैरीलैंड से संचालित एक अमेरिकी टूरिंग फर्म द्वारा लगभग 100 अन्य हज यात्रियों के एक समूह के साथ उनकी यात्रा की व्यवस्था की गई थी। सईदा ने टूर ऑपरेटर पर आरोप लगाते हुए कहा कि माता-पिता से इस यात्रा के पहले बहुत सारे

वादे किए गए थे लेकिन यात्रा के दौरान बहुत सारी चीजें उन्हें प्रदान ही नहीं की गईं। उन्हें अपने लिए भोजन ढूंढ़ने के लिए कई दिन लग गए, जबकि पैकेज में हर दिन उनके लिए भोजन आना था। 15 जून को मेरी जब उन से आखिरी बार बात हुई तो उन्होंने बताया कि वे अपने आप को हाईड्रेट रखने की कोशिश कर रहे हैं लेकिन बहुत मुश्किल है और वह लगातार 2 घंटे से पैदल चल रहे हैं। सईदा ने बताया कि उसके बाद से मेरी उनसे कोई बात नहीं हुई, बाद में सीधा उनकी मौत की सूचना मिली। सऊदी अरब में दफनाया गया अमेरिकी कपल सऊदी अरब में अमेरिकी दूतावास के अधिकारियों ने और टूर ऑपरेटर ने जोड़े की मौत की पुष्टि की। दूतावास ने सईदा को बताया कि दंपति की मौत प्राकृतिक कारणों से हुई है। दूतावास ने हीट स्ट्रोक को प्राकृतिक कारण माना। सईदा को दूतावास की तरफ से बताया गया कि उसके माता पिता को दफना दिया गया है, लेकिन जब उनसे दफनाने के सही जगह के बारे में पूछा गया तो वे इस बारे में कोई सही जानकारी नहीं दे पाए। सईदा ने सीएनएन को दिए इंटरव्यू में बताया कि हमने सऊदी सरकार से शवों को अपने पास रखने के लिए कहा था ताकि हम सऊदी अरब की यात्रा कर उन्हें, उनके बच्चों की मौजूदगी में उचित तरीके से दफना सकें।

इस्राइल की नई चेतावनी, जल्द गाजा में हमास शासन का होगा खात्मा

यरुशलम, एजेंसी। हमास और इस्राइल बीते आठ महीने से जंग लड़ रहे हैं। इस्राइल द्वारा हमास को खत्म करने का संकल्प गाजा पट्टी के लोगों पर भारी पड़ रहा है। गाजा में पैदा हुई मानवीय परिस्थितियों को लेकर दुनिया भर के लोगों का आक्रोश बढ़ता जा रहा है। वहीं, इस्राइल अपने लक्ष्य पर डटा हुआ है। उसका कहना है कि वह जल्द ही उत्तरी गाजा में हमास शासन को बदलने की योजना लागू करेगा।

हमास के सदस्यों का होगा खात्मा : इस्राइल के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार तजाची हानेग्बी ने मंगलवार को रीचमैन विश्वविद्यालय के वार्षिक हर्जलिया सम्मेलन में भाग लिया। इस दौरान उन्होंने कहा कि हमास की शासन करने की क्षमता को खत्म करने से उन देशों के लिए अवसर खुलेंगे, जो गाजा में सरकार के साथ मिलकर काम करना चाहते हैं। उन्होंने बताया कि गाजा में जो नया नेतृत्व होगा, उसमें इस्राइल के अब्राहम समझौते के साझेदार, संयुक्त राज्य अमेरिका, यूरोपीय संघ और संयुक्त राष्ट्र शामिल होंगे। वहीं इस्राइली सेना हमास के सदस्यों को ढूंढ-ढूंढ कर खत्म करना जारी रखेगी।

अब यह नई योजना : हानेग्बी ने कहा, हम लंबे समय से इस योजना के बारे में बात कर रहे हैं। मगर तब हमारी कोशिश थी कि हमास को पूरी तरह से खत्म करना। हालांकि अब हमें इसके पूरी तरह से खत्म होने

की प्रतीक्षा करने की जरूरत नहीं है। उस प्रक्रिया में लंबा समय लग सकता है। इसलिए अब हमारी यही योजना है और इस पर अमेरिका भी सहमत हैं। उन्होंने आगे कहा कि आप हमास को पूरी तरह से गायब नहीं कर सकते क्योंकि यह एक विचार है, एक अवधारणा है। गौरतलब है, अमेरिका ने युद्ध के बाद गाजा के शासन के लिए एक दृष्टिकोण स्पष्ट करने के लिए इस्राइल के अधिकारियों पर दबाव डाला है। हालांकि बाइडन प्रशासन इस्राइल द्वारा गाजा पर कब्जा करने का हमेशा ही विरोध करता रहा है। इस बीच, प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने जोर देकर कहा कि इस्राइल के तीन युद्ध उद्देश्य हैं हमास की सैन्य और शासन क्षमताओं का विनाश, सभी बंधकों की वापसी और यह सुनिश्चित करना है कि गाजा अब इस्राइल के लिए खतरा नहीं है।

झूठे मामले में सजा मिलने पर अब भारतीय मूल की पीड़िता से गवाह मांग रहे माफी

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन से एक चौंकाने वाली खबर सामने आई है। यहां एक भारतीय मूल की आठ सप्ताह की गर्भवती महिला को गलत आरोपों में जेल की सजा काटनी पड़ी थी। यह मामला अब इसलिए सामने आया है क्योंकि इंग्लैंड में एक डाकघर की भारतीय मूल की पूर्व प्रबंधक ने उस इंजीनियर की माफी को स्वीकार करने से इनकार कर दिया है, जिसके सबूत के चलते उन्हें दोषी ठहराया गया था।

12 साल पहले माना था दोषी : 47 साल की सीमा मिश्रा की सजा अप्रैल 2021 में रद्द कर दी गई थी। उस समय अदालत ने अपना फैसला सुनाते हुए कहा था कि महिला को 12 साल पहले गलत आरोपों में दोषी माना गया था। बता दें, महिला पर आरोप था कि उसने उप डाकपाल के पद पर कार्यरत होते हुए डाकघर की शाखा से 75 हजार पाउंड चोरी किए थे।

कोई नहीं समझ सकता : घोटाले की चल रही जांच को लेकर सीमा ने अदालत में कहा, पूर्व फुजित्सु इंजीनियर गैरेथ जेनकिंस ने बहुत देर से माफी मांगी है। वो भी बहुत कम। जेनकिंस सदियों पहले माफी मांग सकते थे। जिस हालत से मैं गुजरी हूं उसे कोई नहीं समझ सकता।

कार्यालय के लोगों को नहीं पता था कि वह... : बता दें, महिला की यह प्रतिक्रिया ऐसे समय में सामने आई, जब घोटाले की जांच में गैरेथ जेनकिंस ने एक लिखित बयान दिया था कि उन्हें नहीं पता कि मिश्रा सजा के दौरान गर्भवती थीं और इसके बारे में उन्हें कई वर्षों बाद पता चला था। उन्होंने कहा था, जो भी हुआ वह बहुत ही दुखद है। मैं उनके साथ जो भी हुआ, उसके लिए मिश्रा और उनके परिवार से सिर्फ माफी ही मांग सकता हूं। बता दें, डाकघर घोटाले में अब पुलिस झूठी गवाही या अदालत से झूठ बोलने को

लेकर जांच कर रही है। 15 उप-पोस्टमास्टर मामले में पूर्व इंजीनियर जेनकिंस विशेष गवाह हैं। जांच के शुरू होते ही उन्होंने किसी भी गलत काम में मिश्रा के शामिल होने से इनकार किया था। डाकघर के पूर्व प्रबंधक ने भेजा था बधाई का मेल इससे पहले, सीमा ने डाकघर के पूर्व प्रबंधक निदेशक डेविड स्मिथ द्वारा मांगी गई माफी को भी स्वीकार नहीं किया था। दरअसल, जिस वक्त मिश्रा को दोषी सिद्ध किया गया था, उस समय स्मिथ ने अपनी पूरी टीम को एक बधाई का मेल भेजा था। उनका मानना था कि उन्होंने इस मामले पर कड़ी मेहनत की है।

अब मांग रहे माफी : स्मिथ ने कहा, यह जानते हुए कि मैं अब क्या कर रहा हूं, यह स्पष्ट है कि मेरे ईमेल से सीमा मिश्रा और उनके परिवार को काफी परेशानी हुई होगी और मैं इसके लिए माफी मांगना चाहता हूं। अगर वाकई सीमा ने कुछ ऐसा किया होता और उन्हें गर्वभती होते हुए सजा मिलती तब भी मैं इसे अच्छी खबर नहीं समझता। मुझे नहीं पता था कि वह गर्भवती हैं। मेल भेजने के लिए मुझे खेद है। उन्होंने कहा, हालांकि ईमेल को देखते हुए मैं उस गुस्से और परेशानी को समझता हूं जो इससे पैदा हुआ होगा और इसके लिए ईमानदारी से माफी मांगता हूं।

मैं आठ सप्ताह की... : सीमा मिश्रा ने उस समय अप्रैल में कहा था, मैं आठ सप्ताह की गर्भवती थी। उन्हें मेरे बेटे से माफी मांगने की जरूरत है। वह बहुत भयानक था। मैं माफी स्वीकार नहीं कर सकती। उन्होंने अब कहा, मेरी सजा को जब पलटा गया, तब कोई माफी मांगने नहीं आया। अब इन लोगों को अचानक इसलिए एहसास हुआ क्योंकि सार्वजनिक जांच में पेश होना है। इसलिए अब माफी मांग रहे हैं। मिश्रा को उस समय दक्षिण-पूर्व इंग्लैंड में ब्रॉन्जफील्ड जेल भेज दिया गया था और साढ़े चार महीने जेल में बिताने पड़े। बाद में उन्होंने इलेक्ट्रॉनिक टैग पहने हुए अपने दूसरे बेटे को जन्म दिया। स्मिथ ने जांच को बताया कि मिश्रा को टेस्ट मामले के रूप में इस्तेमाल किया गया था।

संक्षिप्त समाचार

राजस्थान में कांग्रेस का खेल बिगाड़ेंगी मायावती, उप चुनाव लड़ने का ऐलान

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान की पांच विधानसभा उप चुनाव में बसपा अपने उम्मीदवार खड़ा करेगी। बसपा प्रदेश अध्यक्ष भगवान सिंह बाबा ने कहा कि पार्टी नगर निकाय चुनाव भी लड़ेगी। जिससे ग्रासरूट पर कार्यकर्ता तैयाह हो सके। भगवान सिंह बाबा ने कहा कि मायावती की अध्यक्षता में हाल ही में हुई बैठक में यह निर्णय लिया गया। राजस्थान में 5 सीटों पर विधायक अब सांसद बन चुके हैं, जिसके बाद 5 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव का ऐलान होनेवाला है। उपचुनाव के लिए अलग-अलग पार्टियां तैयारियों में जुट चुकी है। इस बीच कांग्रेस ने भी अपनी कमर कस ली है। बता दें 5 विधानसभा सीटों में से तीन सीटों पर कांग्रेस के विधायक सांसद पहुंचे हैं। जबकि एक सीट पर आरएलपी और एक सीट पर बीएपी के विधायक सांसद बने हैं। ऐसे में कांग्रेस अपनी जीती हुई सीट को हाथ से निकलने नहीं देगी। विधानसभा उपचुनाव के लिए कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने फिर से मोर्चा संभाल लिया है। गोविंद सिंह डोटासरा ने संगठनात्मक सक्रियता बढ़ान के लिए पांचों विधानसभा क्षेत्र के लिए चार सदस्यीय समिति का गठन किया है. समिति द्वारा ब्लॉक, मण्डल तथा बूथ कांग्रेस कमेटियों की बैठक ली जाकर क्षेत्र के जमीनी कार्यकर्ताओं के साथ सीधा संवाद किया जायेगा और जमीनी स्तर पर संगठन का मतदाताओं से संवाद एवं जुड़ाव के लिए कार्य योजना बनाकर चुनाव में जीत सुनिश्चित के लिए रूपरेखा तैयार करेंगे। लोकसभा चुनाव में बीजेपी को राजस्थान में तगड़ा झटका लगा है। राज्य के पांच विधायकों के लोकसभा सांसद चुने जाने के चलते पांच विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होने हैं। कांग्रेस के सामने अपने विधायकों की सीट बचाने की चुनौती है तो बीजेपी की कोशिश उपचुनाव के ट्रेंड तोड़ने की है। पिछले दस सालों में हुए उपचुनाव में कांग्रेस का पलड़ा भारी रही है। कांग्रेस सत्ता में रही हो या फिर विपक्ष में उपचुनाव की बाजी मारती रही है। ऐसे में सत्ता की कमान संभाल रहे सीएम भजनलाल के लिए बीजेपी को उपचुनाव जिताने का जिम्मा है।

भरतपुर में 450 साल पुराने मंदिर में अवैध निर्माण तोड़ा, लोगों ने किया विरोध प्रदर्शन

भरतपुर , एजेंसी। राजस्थान के भरतपुर के कुम्हेर गेट स्थित जवाहरवीर बाबा के मंदिर परिसर में अवैध निर्माण को प्रशासन ने तोड़ा। इस दौरान वहां काफी संख्या में लोग इकट्ठे हो गए और प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। मौके पर इकट्ठे हुए लोगों ने बताया कि यह मंदिर करीब 450 साल पुराना है। चारदीवारी को तोड़े जाने पर मंगलवार देर रात तक बवाल मचा रहा। लोग प्रशासन की इस कार्रवाई के खिलाफ सड़क पर आ गए और जमकर प्रदर्शन किया। रास्ता जाम कर दिया। प्रशासन का कहना है कि उसने सिर्फ अवैध कब्जे को हटाया है। और यह कार्रवाई मंडित कमेटी की शिकायत मिलने के बाद की गई है। मंगलवार को प्रशासन बुलडोजर लेकर मौके पर पहुंचा और चारदीवारी को हटाना शुरू कर दिया। जैसे ही लोगों को इसकी जानकारी हुई तो मौके पर भीड़ जुटना शुरू हो गई। प्रशासन की इस कार्रवाई का विरोध करना शुरू कर दिया। देर रात तक विरोध प्रदर्शन जारी था। लोगों ने अपना आक्रोश व्यक्त करने के लिए रास्ते भी जाम कर दिए। बुलडोजर चलने के दौरान लोगों ने आरती शुरू कर दी। इससे प्रशासन ने अपनी कार्रवाई बीच में ही छोड़ दी। बताया जा रहा है कि हाल ही में प्रशासन ने मंदिर कमेटी को पत्र लिख कर ऊंची चार दीवारी को हटाने के लिए कहा था। आज मंदिर कमेटी के लोगों ने एसडीएम के समक्ष अपना पक्ष रखा। लोगों का आरोप है कि प्रशासन ने मंदिर कमेटी की बात को अनदेखा करते हुए शाम को पुलिस बल के साथ तोड़फोड़ शुरू कर दी। मंदिर का काफी हिस्सा गिरा दिया गया। शासन की इस कार्रवाई की जैसे ही लोगों को जानकारी हुई, मौके पर भरी भीड़ जमा हो गई। शाम करीब सात बजे आरती करना शुरू कर दिया। इसके बाद प्रशासनिक अधिकारी कार्रवाई रोककर वहां से बैरंग लौट गए। लोगों ने इसके बाद प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया और जाम लगा दिया।

यूपी के 40 जिलों में बनेंगे 5 हजार स्वास्थ्य उपकेंद्र, योगी सरकार ने डीएम से मांगा प्रस्ताव

बरेली, एजेंसी। स्वास्थ्य सेवाओं को गांव-देहात तक पहुंचाने के लिए बरेली समेत 40 जिलों में 5000 स्वास्थ्य उपकेंद्र स्थापित किए जाएंगे। शासन ने इसके लिए इन जिलों के जिलाधिकारी और मुख्य चिकित्सा अधिकारी को पत्र भेजा है। उनसे स्वास्थ्य उपकेंद्र के लिए प्रस्ताव मांगा है। जगह तय होने के बाद जल्द ही स्वास्थ्य उपकेंद्र स्थापित करने की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। चुनाव आचार संहिता हटने के बाद अब नए कार्य तेजी से शुरू करने की कवायद हो रही है। इसी क्रम में शासन ने बरेली, पीलीभीत, शाहजहांपुर समेत प्रदेश के 40 जिलों में नए स्वास्थ्य उपकेंद्र बनाने की प्रक्रिया तेज कर दी है। शासन की तरफ से इन सभी जिलों के जिलाधिकारी और सीएमओ को पत्र भेजा गया है। उनसे स्वास्थ्य उपकेंद्र के लिए जगह तय करने को कहा गया है। स्वास्थ्य उप केंद्र के लिए जगह का निर्धारण वहां की जनसंख्या के अनुसार किया जाएगा। जिस इलाके में जनसंख्या बढ़ी है, वहां जरूर को देखते हुए स्वास्थ्य उपकेंद्र खोलने का प्रस्ताव तैयार किया जाएगा। यह प्रस्ताव शासन को भेजा जाएगा।

पूर्व सीएम बघेल ने लगाया सीजी-टीईटी परीक्षा में गड़बड़ी आरोप, बोले- नहीं कराई गई पर्याप्त ओएमआर शीट, गंभीरता से हो जांच

रायपुर, एजेंसी। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने छत्तीसगढ़ शिक्षक पात्रता परीक्षा (सीजी-टीईटी) 2024 के दौरान राज्य के धमतरी जिले के एक परीक्षा केंद्र में अनियमितता का आरोप लगाते हुए मंगलवार को परीक्षा की जांच कराये जाने की मांग की है। बघेल ने संबंधित परीक्षा केंद्र के अभ्यर्थियों को परीक्षा में फिर से बैठने का मौका देने की भी मांग की है।

छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मंडल द्वारा आयोजित सीजी टीईटी-2024 परीक्षा राज्य में 23 जून को आयोजित की गई थी। जिसे लेकर पूर्व सीएम बघेल ने रायपुर में संवाददाताओं से चर्चा करते हुए दावा किया कि धमतरी जिले के भखारा स्थित परीक्षा केंद्र महर्षि वेदव्यास शासकीय महाविद्यालय में सीजी-टीईटी परीक्षा के आयोजन में अनियमितताएं सामने आई हैं। बघेल ने कहा कि इस केंद्र पर अपराह्न दो बजे से शाम 4:45 बजे तक दूसरी पाली में 400 अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल हुए। उन्होंने दावा किया कि परीक्षा के लिए नोडल अधिकारी ने केंद्र को 420 प्रश्न पुस्तिकाएं उपलब्ध कराई लेकिन उत्तर भरने के लिए केवल 160 ओएमआर शीट ही उपलब्ध कराई गईं। उन्होंने कहा कि परीक्षा केंद्र के प्रभारी ने उच्च अधिकारियों को फोन पर इसकी जानकारी दी, जिसके बाद अपराह्न करीब सवा तीन बजे केंद्र को 240 ओएमआर शीट उपलब्ध कराई गईं, जो करीब डेढ़ घंटे की देरी के बाद अभ्यर्थियों के बीच वितरित की गईं। पूर्व मुख्यमंत्री ने

कहा कि ओएमआर शीट उपलब्ध कराने में देरी के बावजूद अभ्यर्थियों को परीक्षा के लिए अतिरिक्त समय नहीं दिया गया, जिसके परिणामस्वरूप अभ्यर्थी सभी प्रश्न हल करने में असफल रहे। उन्होंने दावा किया कि परीक्षा केंद्र के प्रभारी ने मंडल के नियंत्रक को स्थिति से अवगत कराया था और आवश्यक मार्गदर्शन मांगा था लेकिन अतिरिक्त समय देने के निर्देश नहीं दिए गए।

समय पर छात्रों को क्यों नहीं मिली ओएमआर शीट- बघेल : बघेल ने कहा कि यह जांच का विषय है कि अभ्यर्थियों की संख्या के अनुसार परीक्षा केंद्र को पर्याप्त ओएमआर शीट क्यों नहीं उपलब्ध कराई गईं। उन्होंने दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई और अभ्यर्थियों को दोबारा परीक्षा में शामिल होने का मौका देने की मांग की। बघेल ने इस संबंध में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को पत्र लिखकर अभ्यर्थियों के हित में निर्णय लेने की मांग की।

प्रचार्य के पत्र को किया गया साझा : कांग्रेस ने महर्षि वेदव्यास शासकीय महाविद्यालय के प्राचार्य द्वारा नवा रायपुर में व्यावसायिक परीक्षा मंडल के नियंत्रक को लिखे गए पत्र को भी साझा किया, जिसमें उन्होंने परीक्षा के दौरान पूरे घटनाक्रम की जानकारी दी है। प्राचार्य ने पत्र में लिखा, ओएमआर शीट उपलब्ध कराने में देरी के कारण अभ्यर्थियों ने परीक्षा के लिए अतिरिक्त समय की मांग की थी, जिसके लिए मंडल से फोन पर मार्गदर्शन मांगा गया था। लेकिन वहां से निर्देश मिले कि अतिरिक्त समय नहीं दिया जाएगा।

छात्रों ने पत्र में लिखा नहीं मिला अतिरिक्त समय : संबंधित परीक्षा केंद्र के अभ्यर्थियों ने पत्र लिखकर बोनस अंक देने या पूरी सीजी टीईटी 2024 परीक्षा रद्द करने की मांग की। परीक्षार्थियों ने पत्र में लिखा, दूसरी पाली में परीक्षा का समय अपराह्न दो बजे से शाम 4:45 बजे तक निर्धारित था, जिसमें हमें ढाई बजे प्रश्नपत्र दिया गया जबकि ओएमआर शीट डेढ़ घंटे देरी से दी गई। शाम पौने पांच बजे सभी अभ्यर्थियों से ओएमआर शीट छीन ली कर जमा कर दी गई। अभ्यर्थियों ने अतिरिक्त समय मांगा लेकिन नहीं दिया गया। इससे सभी अभ्यर्थियों का भविष्य प्रभावित होगा। परीक्षार्थियों ने संबंधित परीक्षा केंद्र के अभ्यर्थियों को बोनस अंक प्रदान करने या परीक्षा रद्द करने का अनुरोध किया।

इमरजेंसी के बाद इंदिरा गांधी को लगने लगा था पिटाई का डर, देश छोड़ने की बनाई थी योजना: अन्नामलाई

चेन्नई, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश (तमिलनाडु) अध्यक्ष के अन्नामलाई ने मंगलवार को दावा किया है कि पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने 1977 में इमरजेंसी समाप्त होने के बाद देश से बाहर जाने का फैसला किया था। अन्नामलाई ने कहा कि आपातकाल के दौरान हर तरफ दमन था। 1975 से 1977 तक 21 महीनों में 1.14 लाख लोगों को गिरफ्तार किया गया था। आपको बता दें कि आपातकाल की घोषणा 25 जून 1975 को की गई थी। इस दिन को काला दिवस के रूप में मनाते हुए प्रदेश भाजपा ने पूरे तमिलनाडु में कई कार्यक्रम आयोजित किए। चेन्नई स्थित भाजपा मुख्यालय में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान अन्नामलाई ने कहा, आपातकाल समाप्त होने के बाद इंदिरा गांधी ने सोचा कि देश की जनता पूरे गांधी परिवार को पीटेगी। इसलिए उन्होंने अपने बेटे और पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी से देश से बाहर जाने के लिए मुंबई में उनके लिए एक विशेष विमान तैयार करने को कहा था। लेकिन, 1978 में सत्ता में आने के बाद पूर्व प्रधानमंत्री मोरारजी देसाई ने उन्हें आश्वासन दिया कि देश की जनता उन्हें माफ कर देगी और उनकी जान को कोई खतरा नहीं होगा। टीएनसीसी अध्यक्ष के सेल्वापेरुन्थगई ने आपातकाल और इंदिरा गांधी पर अन्नामलाई की टिप्पणियों पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, आपातकाल के कारण कई लाभ हुए जैसे कि जमींदारी प्रथा और बंधुआ मजदूरी प्रथा का उन्मूलन। वे इन लाभों के बारे में बात नहीं करेंगे।

ओवैसी ने जिस तरह से संसद में शपथ ली, उससे पूरे देश का अपमान हुआ है- गिरिराज सिंह

नईदिल्ली, एजेंसी। लोकसभा में कल नव निर्वाचित सांसदों को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई गई। इस दौरान

एआईएमआईएम सांसद असदुद्दीन ओवैसी द्वारा शपथ के बाद लगाए गए नारों को लेकर विवाद गहरा गया। केंद्रीय मंत्री और भाजपा के फायरब्रांड नेता गिरिराज सिंह ने पलटवार किया है। उन्होंने कहा, ओवैसी ने जिस तरह से संसद में शपथ ली, उससे पूरे देश का अपमान हुआ है। फिलिस्तीन जिंदाबाद कहना अपराध है और उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। उन्हें संसद से बाहर निकाला जाना चाहिए। हैदराबाद से पांचवीं बार सदस्य निर्वाचित हुए ओवैसी ने उर्दू में शपथ ली। शपथ लेने से पहले उन्होंने दुआ पढ़ी। अपनी शपथ के बाद उन्होंने मुस्लिमों के लिए एआईएमआईएम का नारा बुलंद करने के अलावा अपने राज्य तेलंगाना, बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर के पक्ष में नारा लगाया। ओवैसी ने पश्चिम एशिया के उस क्षेत्र के पक्ष में नारा लगाया जो वर्तमान में युद्ध का सामना कर रहा है और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चर्चा के केंद्रबिंदु में है। उनकी शपथ के बाद सत्ता पक्ष के कुछ सदस्यों ने आपत्ति जताई, जिससे सदन में हंगामा शुरू हो गया। पीठ पर आसीन राधामोहन सिंह ने सदस्यों को आश्वासन दिया कि शपथ के अलावा कुछ भी रिकॉर्ड में नहीं जाएगा। कुछ मिनट तक हंगामा जारी रहा, जिसके बाद शपथ ग्रहण दोबारा शुरू हुआ। इसके बाद आसन पर लौटे प्रोटेम स्पीकर भर्तृहरि महताब ने कहा कि केवल शपथ का मूल पाठ ही रिकॉर्ड में दर्ज किया जा रहा है। महताब ने कहा, ''मैंने पहले भी कहा है कि कृपया शपथ के मूलपाठ के अलावा किसी और चीज का जिक्र करने से बचें। इसका पालन किया जाना चाहिए। संसद से बाहर संवाददाताओं से बात करते हुए ओवैसी ने कहा कि उन्होंने सदन के भीतर ''जय फलस्तीन'' कहा है। उनका कहना था, ''अन्य सदस्य भी अलग-अलग बातें कह रहे हैं... मैंने कहा 'जय भीम, जय मीम, जय तेलंगाना, जय फलस्तीन। यह कैसे गलत है? मुझे संविधान के प्रावधान बताएं? आपको दूसरों की बात भी सुननी चाहिए।

शहर में घर बनाने का पूरा होगा सपना, ईडब्ल्यूएस को भी फायदा, मोदी सरकार ने बनाया प्लान

नईदिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के तहत बीते नौ साल में करीब 84 लाख घर बनकर तैयार हो चुके हैं और इन्हें लाभार्थियों को सौंपा जा चुका है। अब केंद्र सरकार ने इस योजना को विस्तार देने की योजना बनाई है। आवास एवं शहरी मामलों के मंत्रालय के सूत्रों ने बताया कि अगले महीने पेश होने वाले केंद्रीय बजट में शहरों में आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस), निम्न आय वर्ग (एलआईजी) और मध्यम आय वर्ग (एमआईजी) के लिए किफायती आवास योजना में बदलाव किए जाने की संभावना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में 10 जून को मंत्रिमंडल ने अपने तीसरे कार्यकाल के पहले फैसले में प्रधानमंत्री आवास योजना (पीएमएवाई) के तहत तीन करोड़ अतिरिक्त घरों को मंजूरी दी, जिनमें से एक करोड़ घर पीएमएवाई-शहरी के तहत शहरों के लिए थे। सूत्रों ने बताया कि अतिरिक्त एक करोड़ घरों को पीएमएवाई-यू 2.0 के तहत तैयार किए जाने की संभावना है। जुलाई में आने वाले बजट में इसके लिए फंड की व्यवस्था की जाएगी। एक अधिकारी ने बताया कि नई योजना में पीएमएवाई से सीख ली जाएगी, जिसे 25 जून 2015 को लॉन्च किया गया। यह इस साल दिसंबर में समाप्त होगी। अभी भी तौर-तरीकों पर काम किया जा रहा है, लेकिन नई योजना लाभार्थियों तक बेहतर तरीके से पहुंचने पर फोकस होगी।

जब अब्दुल कलाम से मैंने कहा- आपने गलत नंबर लगा लिया, नारायण मूर्ति की पत्नी सुधा ने बताया किस्सा

नईदिल्ली, एजेंसी। इंफोसिस के पूर्व चेयरपर्सन नारायण मूर्ति की पत्नी और राज्यसभा सांसद सुधा मूर्ति ने मंगलवार को खुलासा किया कि एक बार उन्हें पूर्व राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम का फोन आया था। तब उन्हें लगा कि गलती से राष्ट्रपति ने उनके पति की जगह उन्हें कॉल लगा लिया। मैं टेंशन में आ गई और सोच रही थी कि मैंने ऐसा क्या किया कि मुझे अब्दुल कलाम का फोन आया? हालांकि कलाम ने जब फोन पर बात की तब जाकर शांत हो पाई।

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक की सास और राज्यसभा सांसद सुधा मूर्ति को साल 2006 में तत्कालीन राष्ट्रपति अब्दुल कलाम ने पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित किया था। मंगलवार को उन्होंने कलाम को याद किया और उनके साथ सम्मान पाने वाली तस्वीर पोस्ट करते हुए बताया कि एक बार कलाम साहब ने उन्हें कॉल किया और वह टेंशन में आ गई थीं कि उन्हें कॉल क्यों आया है?

अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट पर सुधा मूर्ति ने बताया कि उन्हें लगा कि पूर्व राष्ट्रपति का फोन उनके पति और इंफोसिस के संस्थापक नारायण मूर्ति के लिए आया होगा। सुधा मूर्ति ने एक ऑडियो क्लिप में कहा, एक दिन मुझे एक फोन आया कि अब्दुल कलाम आपसे बात करना चाहते हैं। मैंने ऑपरेटर से कहा कि यह एक गलत नंबर है क्योंकि मेरा अब्दुल कलाम से कोई लेना-देना नहीं है। उन्होंने एक शो के दौरान रिकॉर्ड की गई अपनी बातचीत सोशल मीडिया पर साझा की। सुधा मूर्ति आगे

बताती हैं कि तो, मैंने ऑपरेटर से कहा कि एक गलती हुई है और कॉल नारायण मूर्ति के लिए हो सकती है। आपने मिस्टर मूर्ति के बजाय मिसेज मूर्ति को कॉल लगा लिया है। वह आगे बताती हैं कि तब उन्हें बताया गया था कि कलाम ने विशेष रूप से कहा था कि वह उनसे ही बात करना चाहते थे। उन्होंने चुटकी लेते हुए कहा, मैं टेंशन में आ गई और सोच रही थी कि मैंने ऐसा क्या किया कि मुझे अब्दुल कलाम का फोन आया।

कलाम ने फोन पर की तारीफ : नवनिर्वाचित राज्यसभा सांसद ने तब खुलासा किया कि कलाम ने उनके एक कॉलम की प्रशंसा करने के लिए फोन किया था। उन्होंने कहा, उन्होंने (कलाम) कहा कि उन्होंने आईटी डिवाइड पर मेरा कॉलम पढ़ा और कहा कि उन्हें वास्तव में यह पसंद आया और यह एक शानदार कॉलम है। उन्होंने कहा कि वह हमेशा मेरे कॉलम पढ़ते हैं।

बता दें कि सुधा मूर्ति कई किताबों की लेखिका हैं। उन्हें कन्नड़ और अंग्रेजी साहित्य में उनके योगदान के लिए भी जाना जाता है। 73 वर्षीय मूर्ति साहित्य अकादमी बाल साहित्य पुरस्कार, पद्म श्री (2006) और पद्म भूषण (2023) से सम्मानित हैं। इस साल की शुरुआत में, उन्हें राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा राज्यसभा के लिए नामित किया गया था।

भाजपा नेता ने दी थी चुनौती, जवाब में शरद गुट के सांसद ने अंग्रेजी में ली शपथ

नईदिल्ली, एजेंसी। 18वीं लोकसभा के पहले सत्र के दो दिन नवनिर्वाचित सांसदों ने शपथ ली। मंगलवार को लोकसभा में अलग नजारे दिखे। एआईएमआईएम सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने शपथग्रहण के बाद जय फिलिस्तीन के नारे लगाकर विवाद बढ़ाने की कोशिश की तो भाजपा सांसद अतुल गर्ग ने जय मोदी-जय हेगडेवार के नारे लगाए। इस बीच महाराष्ट्र के अहमदनगर से सांसद बने शरद गुट के नेता नीलेश लंके ने अंग्रेजी भाषा में शपथ ली। हालांकि अंग्रेजी में शपथ लेना कोई नई बात नहीं है। राहुल गांधी समेत कई सांसदों ने ऐसा ही किया लेकिन, लंके का अंग्रेजी में शपथ लेना अनोखा है। कारण है- चुनाव के दौरान भाजपा नेता सुजय विखे पाटिल द्वारा उनको चुनौती दी गई थी। महाराष्ट्र के एक नवनिर्वाचित सांसद नीलेश लंके ने मंगलवार को ङ्क पर लिखा कि आज मैंने सांसद के रूप में अग्रेजी भाषा में शपथ ली है। मैं इस बात से पूरी तरह

वाकिफ हूं कि इस पल से मेरे लिए कितनी बड़ी जिम्मेदारी है। मैं अपने निर्वाचन क्षेत्र के लोगों के प्रति अपने कर्तव्य को पूरी निष्ठा और ईमानदारी से निभाने का प्रयास करूंगा। लंके ने शरद गुट की पार्टी से अहमदनगर से चुनाव लड़ा था। उन्होंने अपने प्रतिद्वंद्वी और भाजपा नेता सुजय विखे पाटिल को 28 हजार वोटों के अंतर से हराया। मामला यूं है कि लोकसभा चुनाव के दौरान सुजय ने लंके का अंग्रेजी और हिन्दी भाषा को लेकर चुनौती दी थी। दावा किया था कि वे न तो सही से अंग्रेजी बोल पाते हैं और न ही हिन्दी। इसी के जवाब में लंके ने मंगलवार को अंग्रेजी भाषा में शपथ ली थी। प्रचार के दौरान सुजय ने चुनौती दी थी कि अगर लंके एक महीने के अभ्यास के बाद अंग्रेजी या हिंदी में बात कर पाते हैं तो वे अपनी उम्मीदवारी वापस ले लेंगे। मंगलवार को शपथग्रहण के बाद लंके ने कहा कि वह लोगों द्वारा मुझ पर जताए गए भरोसे पर खरा उतरने के लिए लगातार काम करेंगे। आम आदमी की ताकत को कम मत आंकिए शिरुर से एनसीपी (एससीपी) सांसद अमोल कोल्हे ने अपने पार्टी सहयोगी लंके की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा, आम आदमी की ताकत को कम मत आंकिए! हां, लंके अंग्रेजी में बात कर सकते हैं। एनसीपी (एससीपी) अहमदनगर जिला प्रमुख राजेंद्र फाल्के ने भाजपा नेता पर तंज कसते हुए कहा, मुझे उम्मीद है कि सुजय ने लंके के शपथग्रहण को देख लिया होगा

सड़कें खराब हैं तो टोल टैक्स लेना गलत, लोग भड़केंगे ही, नितिन गडकरी की दो टूक

नईदिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी खराब सड़कों पर टोल वसूलने वालों पर खासे नाराज नजर आए। उनका कहना है कि अगर अच्छी सड़कें और सेवाएं मुहैया नहीं कराई जा रहीं, तो टोल टैक्स वसूलना गलत बात है। एक कार्यक्रम के दौरान उन्होंने टोल प्लाजा पर लगने वाली कतारों पर भी चिंता जाहिर की। हालांकि, खबरें हैं कि भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण नई व्यवस्था के तहत टोल गेट्स हटाने की तैयारी कर रहा है। सैटेलाइट बेस्ड टोलिंग पर आयोजित वर्कशॉप में शामिल हुए गडकरी ने टोल टैक्स पर खुलकर बात की। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, उन्होंने कहा, अगर आप अच्छी सेवाएं नहीं दे पा रहे हैं तो आपको टोल चार्ज नहीं करना चाहिए...। हम यूजर फीस लेने और अपने हितों की रक्षा के कारण टोलिंग करने में जल्दी में रहते हैं। जब किसी सड़क की स्थिति अच्छी नहीं होती, तो मेरे पास कई शिकायतें आती हैं और सोशल मीडिया पर कई पोस्ट हैं। उन्होंने कहा, आप जहां बहुत अच्छी क्वालिटी की रोड बना रहे हैं, वहां आपको यूजर फीस लेना चाहिए। अगर आप गड्ढों, मिट्टी की सड़क पर टोल ले रहे हैं, तो आपको लोगों की नाराजगी का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय राजमार्ग एजेंसियों के अधिकारियों को टोल प्लाजा पर इंतजार करने वालों के दर्द पर ध्यान देना चाहिए। साथ ही उन्होंने ऐसे मैकेनिज्म पर भी बात की, जिसके चलते शिकायत दर्ज कराने और उसे खत्म करने में कम से कम समय लगे। गडकरी ने यह भी कहा कि

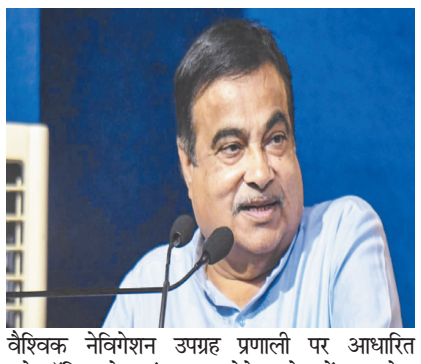

वैश्विक नेविगेशन उपग्रह प्रणाली पर आधारित इलेक्ट्रॉनिक टोल संग्रह लागू होने पर देश में कुल टोल संग्रह कम-से-कम 10,000 करोड़ रुपये बढ़ जाएगा। भारत में कुल टोल संग्रह सालाना आधार पर 35 प्रतिशत बढ़कर वित्त वर्ष 2023-24 में 64,809.86 करोड़ रुपये तक पहुंच गया था। इस महीने की शुरुआत में एनएचएआई ने राष्ट्रीय राजमार्गों पर उपग्रह-आधारित इलेक्ट्रॉनिक टोल संग्रह के कार्यान्वयन के लिए दुनियाभर से रुचि पत्र आमंत्रित किए हैं। इस कदम का उद्देश्य राजमार्गों पर भौतिक टोल बूथ को खत्म करना है। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) मौजूदा फास्टैग व्यवस्था के भीतर ही जीएनएसएस-आधारित इलेक्ट्रॉनिक टोल संग्रह (ईटीसी) प्रणाली को लागू करने की योजना बना रहा है।

महाराष्ट्र में हार के बाद भाजपा को एक और झटका, पूर्व मंत्री सूर्यकांता पाटिल अब शरद पवार के साथ

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र में लोकसभा चुनाव के नतीजे उम्मीदों के विपरीत आने पर भाजपा में मंथन चल ही रहा है कि इस बीच उसे करारा झटका लगा है। पूर्व केंद्रीय मंत्री सूर्यकांता पाटिल ने भाजपा छोड़ दी है और अब वह शरद पवार खेमे वाली एनसीपी का हिस्सा बन गई हैं। उन्होंने शनिवार को ही भाजपा से इस्तीफा दिया था और तब से ही अटकलें थीं कि वह शरद पवार खेमे में जा सकती हैं। उन्होंने 11 साल बाद घर वापसी की है। एनसीपी को छोड़कर वह 2014 में ही भाजपा में आ गई थीं। उन्होंने अब घर वापसी करते हुए यह भी कहा कि भाजपा में जाकर उन्होंने गलती की थी। वह नांदेड़ से आती हैं, जहां से अशोक चव्हाण भी हैं। वह फिलहाल भाजपा से राज्यसभा सांसद बने हैं। एक तरफ नांदेड़ पार्टी को लोकसभा चुनाव में हार मिली है और अब पाटिल के शरद पवार खेमे में जाने से उसे झटका लगा है। विधानसभा चुनाव से ठीक पहले इस तरह नेताओं का छोड़ना उसकी टेंशन बढ़ाने वाला है। शरद पवार ने पाटिल की वापसी पर कहा कि उनके आने से पार्टी को नांदेड़, हिंगोली, परभणी, बीड और अन्य जिलों में मदद मिलेगी। सूर्यकांत पाटिल ने अपने इस्तीफे में कहा कि मैंने कई बार भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले से मिलने का समय मांगा था। लेकिन उन्होंने वक्त ही नहीं दिया। इसके साथ ही उन्होंने इस्तीफे में लिखा कि बीते 10 सालों में मैंने बहुत कुछ

सीखा है। इसके लिए पार्टी को धन्यवाद देती हूं। सूर्यकांता पाटिल के करीबी सूत्रों का कहना है कि वह अशोक चव्हाण की एंट्री और उन्हें राज्यसभा भेजे जाने से नाखुश थीं। उन्हें लग रहा था कि उनको यह मौका मिलना चाहिए था। इसके अलावा वह लोकसभा चुनाव में भी लड़ने की दावेदारी कर रही थीं, लेकिन भाजपा से उन्हें मौका नहीं मिल सका था। बता दें कि सूर्यकांता पाटिल ने दिल्ली में हुए किसान आंदोलन के दौरान भी पार्टी से इतर राय रखी थी। इसके बाद से ही कयास लग रहे थे कि वह पार्टी में साइडलाइन चल रही हैं और वह कभी भी अलग राह अपना सकती हैं। पार्टी के दरवाजे उन विधायकों के लिए खुले हैं, जिन्होंने अजित पवार का साथ दिया था महाराष्ट्र की राजनीति में एक बार फिर से बड़ी उथल-पुथल देखने को मिल सकती है। ऐसी खबरें हैं कि अजित पवार खेमे के विधायक वापस शरद पवार के साथ जा सकते हैं। खुद राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के प्रमुख शरद पवार ने मंगलवार को इसका संकेत दिया। उन्होंने संकेत दिया कि उनकी पार्टी के दरवाजे उन विधायकों के लिए खुले हैं, जिन्होंने अजित पवार का साथ दिया था और जिसके कारण पार्टी में फूट पड़ गई थी। हालांकि, उन्होंने कहा कि ऐसे विधायकों को पार्टी में वापस लाने से पहले वह अपने सहयोगियों से सलाह लेंगे। रिपोर्ट के मुताबिक, उन्होंने कहा, जहां भी (उन विधायकों के) शामिल होने से पार्टी को मदद मिलेगी और कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ेगा, वहां उन्हें शामिल करने में कोई समस्या नहीं है। लेकिन जिन लोगों ने पार्टी के अंदर रहकर पार्टी को कमजोर करने और पार्टी के हितों को नुकसान पहुंचाने का काम किया है, उन्हें वापस नहीं लिया जाएगा। शरद पवार ने कहा कि पार्टी कार्यकर्ताओं की भावनाओं का सम्मान करना होगा।

सात्विक प्रो० प्रा० लि० कोलकता, पं० बंगाल के लिए प्रकाशक और मुद्रक निभा रंजन सुमन द्वारा स्वप्नोनीर अपार्टमेंट, राजरहाट, कोलकता तथा दलादिली सिमलिया से मुद्रित। संपादक - निभा रंजन सुमन 7033777771 स्थानीय संपादक पवन कुमार सिन्हा 7091094434 सभी तरह के विवादों का निपटारा रांची व्यवहार न्यायालय में होगा।